खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 30 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-29

महाकुंभ भगदड़ में 40 की मौत, सैकड़ों घायल

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर आज तड़के भगदड़ मचने से तकरीबन 30 से 40 लोगों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। प्रशासन ने देर शाम भगदड़ में मरने वालों की आधिकारिक संख्या 30 बताई। प्रशासन ने कहा कि 25 मृतकों की पहचान हो गई, लेकिन पांच मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। जबकि कई अखबार वालों और मददगारों ने भी मरने वालों की संख्या 40 के करीब बताई है।

प्रशासन के मुताबिक 36 घायल अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। उनका इलाज जारी है। कई घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद भेज दिया गया। प्रशासन ने कहा कि मेला क्षेत्र और अखाड़ों के कुछ बैरीकेड टूटने से हादसा हुआ। जमीन में लेटे हुए श्रद्धालु दौड़ते हुए श्रद्धालुओं के पैरों से कुचले गए। प्रशासन ने मौके से लाशों को हटाने का काम आनन-फानन किया, ताकि इस करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच दहशत और अफवाहें न फैले। भगदड़ में महिलाओं और बुजुर्गों समेत सैकड़ों लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस और अर्धसैनिक बल के अलावा स्वास्थ्य और बचाव दल से लोग त्वरित गति से काम कर रहे थे और एंबुलेंस घायलों और लाशों को अस्पताल ले जाने में तेज गति से लगे थे। मरने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है। हादसे में मारे गए लोगों के शव मेडिकल कॉलेज में रखे गए थे। सामने रखे 20 शव गिने जा सके। आखिरी शव पर 40 नंबर लिखा हुआ था। इससे पहले मेडिकल कॉलेज में 14 शव पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए थे। फिर मेले से 8-10 एंबुलेंस से कुछ और शवों को लाया गया। इन्हें मिलाकर करीब 20 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके थे। उन्हें वहां से फौरन रवाना कर दिया गया। प्रयागराज में एंट्री करने वाले 8 पॉइंट भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिर्जापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया है।

- ⇨ भगदड़ में मरने वालों में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की संख्या अधिक
- ⇨ प्रशासन ने मरने वालों की संख्या 30 बताई, 25 मृतकों की पहचान हुई
- ⇨ बचाव दल ने त्वरित गति से लाशें हटाईं, घायलों को अस्पताल पहुंचाया
- ⇨ पीएम मोदी और सीएम योगी प्रशासन के संपर्क में रहे, हादसे पर दुखी

महाकुंभ में मची भगदड़ में बलिया की रहने वाली एक बच्ची समेत चार महिलाओं की मौत हो गई। बच्ची और तीन महिलाएं बलिया जिले के अलग-अलग गांव की रहने वाली थीं। भगदड़ में सैकड़ों लोग जख्मी हुए हैं, जिनका महाकुंभ परिसर में ही इलाज किया जा रहा है। भगदड़ में मृत एक महिला मऊ जिले की निवासी थीं। महाकुंभ में आज सवेरे मची भगदड़ में बलिया के नगरा थाना स्थित चचया गांव की दो महिलाओं रिंकी सिंह (35) पत्नी छट्ठू सिंह एवं मीरा देवी (50) पत्नी बलजीत सिंह की मौत हो गई। बलिया जिले के ही फेफना थाना के नसीराबाद गांव निवासी रीना देवी (36) और उनकी नौ साल की बेटी रौशनी पटेल की भी भगदड़ में मौत हो गई। मऊ जिले के कोपागंज क्षेत्र के फतेहपुर ताल नारजा की रहने वाली प्रभावती राजभर पत्नी लाला राजभर की भी भगदड़ में मौत हुई है।

अमृत स्नान की वजह से ज्यादातर पांटून पुल बंद थे। इस कारण संगम पर लाखों की भीड़ इकट्ठा होती चली गई। इस दौरान बैरिकेड्स में फंसकर कुछ लोग गिर गए। यह देखकर भगदड़ मच गई। संगम नोज पर एंट्री और एग्जिट के रास्ते अलग-अलग नहीं थे। लोग जिस रास्ते से आ रहे थे, उसी से वापस जा रहे थे। ऐसे में जब भगदड़ मची तो भागने का मौका नहीं मिला। वे एक-दूसरे के ऊपर गिरते गए। हादसे के बाद 70 से ज्यादा एम्बुलेंस वाहन संगम तट पर पहुंच गए। घायलों और मृतकों को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। भीड़ और न बढ़े, इसलिए प्रयागराज से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। वहां प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।

भगदड़ में लोगों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज महाकुंभ में हुए दुःखद हादसे में हमें कुछ पुण्यात्माओं को खोना पड़ा है, कई लोगों को चोटें भी आई हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से करोड़ों श्रद्धालु आज वहां पहुंचे हुए हैं। कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावट आई थी, लेकिन अब कई घंटों से सुचारू रूप से यात्री स्नान कर रहे हैं। मैं फिर एक बार उन परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी लगातार महाकुंभ की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और राज्य सरकार से लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने अब तक तीन बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। उन्होंने स्थिति सामान्य करने और राहत कार्य के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं।

इस बीच महाकुंभ मेले में भगदड़ जैसी घटना होने के बावजूद श्रद्धालुओं का आना जारी है और मेला प्रशासन के मुताबिक, आज दोपहर 12 बजे तक करीब 4.24 करोड़ श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। आज तक पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 20 करोड़ को पार कर गई है। महाकुंभ प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि मेला क्षेत्र में भारी संख्या में लोगों का आना जारी है और जिला प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए चंद्रशेखर आजाद पार्क का गेट भी खोल दिया है ताकि लोग सड़क के बजाय पार्क में बैठें। बुधवार को तड़के संगम नोज पर भगदड़ जैसी स्थिति बनने से कई लोग घायल हो गए जिन्हें मेला क्षेत्र में बने अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

▶10पर

पीएम मोदी ने पूछा, क्या हरियाणा वाले पानी में जहर मिलाएंगे?

हार के डर से बौखलाई आप-दा ओछे स्तर पर उतरी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

अरविंद केजरीवाल के अनर्गल प्रलाप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्चर्य जताते हुए कहा, हरियाणा का भेजा हुआ पानी दिल्ली में रहने वाला हर व्यक्ति पीता है। पिछले 11 साल से यही पानी प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हार के डर से बौखलाई आप-दा ओछे स्तर पर उतर आई है।

ऐसे गंदे आरोप सिर्फ हरियाणा का नहीं, पूरे देश का अपमान है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के करतार नगर इलाके में रैली की।

▶10पर

सीएम सैनी ने हरियाणा से आने वाला यमुना का पानी पीया

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

यमुना में बढ़े अमोनिया को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को दिल्ली से सटे पल्ला गांव में यमुना नदी का पानी पीया। सीएम सैनी ने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों के मन में डर पैदा करने के लिए अरविंद केजरीवाल ने ऐसा घटिया बयान दिया। आज मैंने यमुना पानी घूंटभर पीया है। जल संसाधन प्राधिकरण ने भी यहां से पानी के नमूने लिए और उसकी जांच की। सैनी ने कहा, पानी में कोई जहर नहीं मिला हुआ है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि सर्दियों के मौसम यमुना नदी में अमोनिया का स्तर स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। जलशोधन संयंत्रों को अमोनिया का शोधन करने के लिए डिजाइन किया गया है। यदि अमोनिया का स्तर दो से ढाई पीपीएम तक पहुंचता है तो इसे कैरियर लाइन चैनल और दिल्ली सब ब्रांच से पानी मिलाकर पतला किया जाता है। इस प्रक्रिया से उच्च अमोनिया स्तर वाले पानी को शुद्ध किया जाता है। जल बोर्ड ने इस बारे में मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। जल बोर्ड की सीईओ शिल्पा शिंदे ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि वह इस मामले को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के संज्ञान में लाएं। वजह यह कि इससे अंतरराज्यीय संबंधों पर असर पड़ता है।

आपत्तिजनक बयान पर केजरीवाल के खिलाफ केस दर्ज

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर मिलाने वाले बयान पर हरियाणा सरकार ने आपत्ति जताते हुए केजरीवाल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत जिला अदालत में केजरीवाल के खिलाफ शिकायत देते हुए आपदा प्रबंधन की धारा 2 (डी) और 54 के तहत मामला दर्ज करवाया है। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर वाले बयान पर उनके खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने इसे एक गैर-जिम्मेदाराना बयान करार देते हुए कहा कि इससे लोगों में दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। गोयल ने कहा कि केजरीवाल ने गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया है, ▶10पर

केंद्र सरकार ने दी 16300 करोड़ के खनिज मिशन को मंजूरी

केंद्र सरकार ने इथेनॉल की कीमतें बढ़ाई

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

सरकार ने कहा, किसानों के हित में फैसला

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16,300 करोड़ रुपए के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपए प्रति लीटर कर दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की आधिकारिक जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इथेनॉल की कीमतें वर्ष 2022-23 के बाद से नहीं बढ़ाई गई थीं। गन्ने के रस, भारी गुड़ और भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दर क्रमशः 65.61 रुपए, 60.73 रुपए और 56.28 रुपए प्रति लीटर है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस वर्ष 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का आज ऐलान किया। श्रेणी-सी के भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपए बढ़ाकर 57.97 रुपए प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। श्रेणी-बी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमशः 60.73 रुपए प्रति लीटर और 65.61 रुपए प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गई हैं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है। केंद्र सरकार के इस निर्णय के बाद चीनी और इथेनॉल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी दिखी। ईआईडी-पैरी, श्री रेणुका शुगर्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और त्रिवेणी इंजीनियरिंग के शेयरों में बीएसई सेंसेक्स पर 3.7 प्रतिशत, 4.5 प्रतिशत, 2.5 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 18^0

तीन तलाक निषेध कानून के उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

उल्लंघन करने वालों पर दर्ज मुकदमों का ब्यौरा मांगा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तीन तलाक कानून के विरोध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम का उल्लंघन करके जीवनसाथी को तीन तलाक देने वाले पुरुषों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोप पत्रों की संख्या की जानकारी अदालत को दी जाए। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 12 याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से इन याचिकाओं पर अपने लिखित दलीलें दाखिल करने को भी कहा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 के तहत लंबित कुल एफआईआर और आरोप पत्र की संख्या दाखिल करेगी। ▶10पर

आदिवासी समाज की जमीनों पर दावा नहीं कर पाएगा वक्फ

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सरकार को जनजातीय भूमि को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने से रोकने के लिए एक कानून लाने की सिफारिश की है। जेपीसी का कहना है कि इन सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले कई मामले सामने आए हैं। जेपीसी ने मसौदा रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। 30 जनवरी को इसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पेश कर दिया जाएगा। जेपीसी ने सोमवार 27 जनवरी को एनडीए सांसदों द्वारा सुझाए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया था, जबकि विपक्षी सांसदों के सुझाए गए संशोधनों को खारिज कर दिया था।

लोकसभा अध्यक्ष को आज रिपोर्ट पेश करेगी जेपीसी

▶10पर

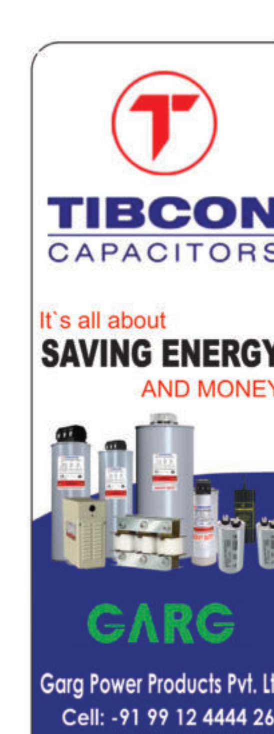

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े पुत्र नमल के खिलाफ सरकार ने हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया

कोलंबो, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े पुत्र 38 वर्षीय नमल राजपक्षे के खिलाफ भारतीय निवेश से हेराफेरी के आरोप में सरकार ने कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल के अनुसार यह पूरा खेल रग्बी खेल को विकसित करने के नाम पर हुआ। इसमें कृष होटल परियोजना में हुए सात करोड़ रुपये के भारतीय निवेश का दुरुपयोग किया गया। श्रीलंका के उपाली

कृष होटल परियोजना में हुए सात करोड़ रुपये के भारतीय निवेश के दुरुपयोग का आरोप

मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र दिवैना के अनुसार अटॉर्नी जनरल ने 12 साल पहले हुए इस आर्थिक अपराध के दुरुपयोग के आरोप में संसद सदस्य नमल राजपक्षे के खिलाफ कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। इस अभियोग में अटॉर्नी जनरल की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल वासंथा परेरा के हस्ताक्षर हैं। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इससे पहले 2016 में फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष एक मामला दायर किया था। इस मामले में नमल राजपक्षे को संदिग्ध के रूप में नामित किया था। इसी मामले में जून, 2016 में नमल राजपक्षे की गिरफ्तारी भी हुई थी। नमल राजपक्षे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं। कोलंबो वाणिज्यिक जिले के मध्य स्थित कृष होटल परियोजना को निरस्त किया जा चुका है, लेकिन निर्माण कार्य अब भी जारी है। हाल ही में एक अदालत में राहगीरों के लिए खतरे के कारण इस परियोजना की असुरक्षित स्थिति पर सवाल उठाया गया था। इसके बाद अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने कृष परियोजना मामले की दोबारा जांच कराने का आदेश दिया। पुलिस ने नमल राजपक्षे से पूछताछ भी की।

न्यूज ब्रीफ

भयानक ठंड : इस देश में शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे गया तापमान

उलान बाटोर। पश्चिमी मंगोलिया के जावखान प्रांत के प्रशासनिक उपखंड ओटगोन सोम में शनिवार से रविवार की रात के दौरान तापमान शून्य से 44.4 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मौसम निगरानी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इस शीत ऋतु में मंगोलिया में यह अब तक का सबसे ठंडा तापमान है।एजेंसी ने पूर्वानुमान लगाया है कि मंगोलिया के अधिकांश हिस्सों में सर्दियों के दौरान दीर्घकालिक औसत से अधिक ठंड पड़ेगी।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वीकेंड में देश के मौसम अधिकारियों ने लोगों को आने वाले दिनों में अत्यधिक ठंड के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी।चेतावनी में कहा गया कि शनिवार से रूस के साइबेरिया से आने वाली ठंडी हवा मंगोलिया के बड़े हिस्से में फैल जाएगी, जिससे रात का तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे जा सकता है।एजेंसी ने कहा, पिछले वर्ष हमारे देश में सबसे कम तापमान 23 जनवरी को पश्चिमी प्रांत जावखान में शून्य से 48.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था।

दक्षिण कोरिया में एयर बसान के विमान में लगी आग, सभी यात्रियों को बचाया

गिम्हे। दक्षिण कोरिया के गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर बसान का एक विमान आग की चपेट में आ गया। जब विमान हांगकांग उड़ान के लिए तैयार था, उसी समय उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद विमान में सवार सभी 169 यात्री और सात क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हादसे में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग विमान के अंदर से शुरू हुई। आग विमान की टेल में लगी थी। एयरबस ने इस घटना की रिपोर्ट की जानकारी होने की बात कही है और वह एयर बसान के साथ संपर्क में है। घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है और जांच जारी है। पिछले महीने ही दक्षिण कोरिया में एक भयावह विमान हादसा हुआ था। 29 दिसंबर को जेजू एयर के बोइंग 737-800 विमान की लैंडिंग गियर में खराबी की वजह से मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में विमान की लैंडिंग हुई थी। उसके बाद विमान रनवे से फिसल कर एक दीवार से टकराया था और उसमें आग लग गई थी। इस दुर्घटना में 181 लोगों में से 179 की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि विमान के इंजन में पक्षी के पंख मिले थे।

लीबिया अधिकारी को रिहा करने का मामला : इटली पीएम के खिलाफ हो रही जांच

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ जांच शुरू की हो गई है। मेलोनी पर आरोप है कि

उन्होंने लीबिया के एक पुलिस अधिकारी को रिहा किया है, जिसे आईसीसी के अरेस्ट वारंट के बाद गिरफ्तार किया गया था। मेलोनी पर इस्तीफा देने का दबाव नहीं है। बता दें इटली में जांच का सामना करना दोषी होने का प्रमाण नहीं है और यह भी नहीं कि कोई औपचारिक चार्ज इसके पीछे लगेगा। दावा किया जा रहा है कि ओसामा अलमासरी नजीम नाम के लीबियाई पुलिस अधिकारी को रिहा किया गया है, जिस पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप है। इस मामले में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने उसके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। इसके बाद उसे हिरासत में लिया था, लेकिन कुछ समय बाद ही इटली पीएम ने उन्हें रिहा करवा दिया। अब आईसीसी ने इटली पीएम मेलोनी से स्पष्टीकरण मांगा है कि उन्होंने लिबियाई पुलिस अधिकारी को रिहा क्यों किया। आईसीसी ने साथ ही कहा कि रिहाई को लेकर कोर्ट से किसी तरह का विचार-विमर्श नहीं किया गया था। मेलोनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा कि उन्हें ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता है। मेलोनी ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्हें ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता। मैं घबराउंगी नहीं.. इसलिए मैं कहती हूं कि मुझे वह लोग पसंद नहीं करते जो नहीं चाहते हैं कि इटली बदले और बेहतर बने। बता दें सिर्फ पीएम ही नहीं बल्कि उनकी कैबिनेट के टॉप मंत्रियों के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं।

खालिस्तानी चरमपंथी बीज, कनाडा ही नहीं बल्कि ब्रिटेन में भी ऊगने लगे

लंदन, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

खालिस्तान चरमपंथ का बीज केवल कनाडा ही नहीं बल्कि ब्रिटेन जैसे देश में भी उगने लगे है। यह बीमारी आज से नहीं, कई दशकों से चली आ रही है। इन देशों की सरकारें अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत को तोड़ने की खतरनाक विचारधारा को मौन रहते हुए खूब समर्थन कर रही हैं। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर से खालिस्तानी तो संभल नहीं रहा। इसी बीच ब्रिटेन के गृह मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है। इस लीक हुई रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि ब्रिटेन को खालिस्तानी ही नहीं बल्कि हिन्दू राष्ट्रवादियों से भी बड़ा खतरा है। ब्रिटेन के होम ऑफिस की यह रिपोर्ट अभी तक ब्रिटिश सरकार की नीति का हिस्सा नहीं है। थिंकटैंक पॉलिसी एक्सचेंज के लीक हुए दस्तावेज़ में कुल 9 नए प्रकार के चरमपंथ के प्रति सतर्क किया गया है। कहा गया कि आने वाले वक्त में इन विचारधाराओं से ब्रिटेन को निपटना होगा। इसमें हिन्दू राष्ट्रवाद को भी शामिल किया गया है। इन 9 प्रकार के चरमपंथ की सूची में इस्लामवादी, महिलाओं के प्रति द्वेष, खालिस्तान समर्थक चरमपंथ, पर्यावरण चरमपंथ, वामपंथी, अराजकतावादियों को शामिल किया गया है। यह दस्तावेज गृह सचिव यवेट कूपर द्वारा पिछले साल गर्मियों में हुए दंगों के बाद चरमपंथ पर यूके सरकार की नीति निर्धारित करने के लिए कमीशन किए गए विश्लेषणात्मक स्प्रिंट का हिस्सा था। ब्रिटेन की इस रिपोर्ट में दो ऐसे चरमपंथ हैं जिनकी शुरुआत भारत से हुई है। पहला खालिस्तानी और दूसरा हिन्दू राष्ट्रवाद। कहा गया कि सितंबर 2022 में ब्रिटेन के लीसेस्टर में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच हुई हिंसा को देखते हुए यह फैसला लिया गया। गृह कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि उग्रवाद विरोधी स्प्रिंट रिपोर्ट ने हमारे देश के सामने चुनौती का व्यापक रूप से आकलन करने और चरमपंथ से निपटने के लिए एक नए दृष्टिकोण की नींव रखी। निष्कर्षों पर मंत्रियों द्वारा औपचारिक रूप से सहमति नहीं दी गई है और हम उस कार्य से उत्पन्न होने वाले संभावित अगले कदमों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार कर रहे हैं। हिन्दुओं को दुनिया में सबसे शांत और सोहार्दपूर्ण समाज के रूप में देखा जाता है। ब्रिटेन सरकार ने हिन्दू राष्ट्रवाद को आतंकियों के साथ एक सूची में खड़ाकर बेवजह बखेड़ा खड़ा कर दिया है। हिन्दू एक ऐसा समाज है जो दुनिया भर में अपनी काबिलियत और शिक्षा के दम पर झंडा गाढ़े हुए हैं। हिन्दुओं पर कभी किसी आतंकी घटना में शामिल होने के आरोप नहीं लगे हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा डैम अधर में, चीन ने खींचे कदम

बीजिंग। चीन की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी थ्री गॉर्जेस कॉर्पोरेशन ने डैमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कांगो) में ग्रैंड इंगा डैम निर्माण परियोजना से खुद को अलग कर लिया है। बता दें कि ग्रैंड इंगा डैम का निर्माण कांगो नदी पर प्रस्तावित है और इसे विश्व के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र के रूप में विकसित किया जा रहा था। इस परियोजना से अनुमानित 40,000 मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता की उम्मीद थी, जो कि पूरे अफ्रीका को ऊर्जा आपूर्ति कर सकती है। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में इस परियोजना में लगातार देरी हो रही है और निर्माण कार्य कभी शुरू नहीं हुआ। यह परियोजना दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत संयंत्र बनने का दावा करती है, जो अफ्रीका के ऊर्जा संकट को हल करने में मदद कर सकती है। चीन का यह कदम परियोजना की प्रगति को एक बड़ा झटका दे सकता है। थ्री गॉर्जेस कॉर्पोरेशन ने अपनी भागीदारी से पीछे हटने का फैसला किया। हालांकि इस फैसले के पीछे के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि परियोजना की लागत, सरकारी शासकीय अस्थिरता और पर्यावरण को लेकर हो रही चिंताएं इस निर्णय के मुख्य कारण हो सकते हैं। साथ ही चीन की अन्य परियोजनाओं और निवेशों के लिए प्राथमिकता बदलने का भी प्रभाव हो सकता है। चीन की कंपनी का इस परियोजना से बाहर निकलना एक बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि परियोजना का भविष्य अब और भी अनिश्चित हो सकता है। कांगो सरकार और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच यह परियोजना एक प्रमुख विवाद का कारण बन सकती है, खासकर जब परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 80 बिलियन डॉलर है।

रेलवे स्टेशन की छत गिरी, 15 की मौत, घटना के बाद विरोध के चलते पीएम ने दिया इस्तीफा

बेलग्रेड, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

सर्बिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। इसकी वजह ये है कि एक रेलवे स्टेशन पर कंक्रीट की छत गिरने से हुई 15 लोगों की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। यह कदम उन्होंने राजनीतिक तनाव को कम करने और हफ्तों से चल रहे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दबाव को शांत करने के लिए उठाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर में नोवी सैड शहर के एक रेलवे स्टेशन पर छत गिरने की घटना ने सर्बिया के लोकप्रिय राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच के बढ़ते तानाशाही शासन के खिलाफ व्यापक असंतोष को उजागर किया है। वुचिच पर सर्बिया में लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं को सीमित करने के आरोप लगे हैं, जबकि वे औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ की सदस्यता की मांग कर रहे हैं।

वुसेविक ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह मेरा अनुरोध है कि सभी लोग अपनी भावनाओं को शांत करें और संवाद पर लौटें। नोवी सैड के मेयर मिलान जुरिक ने भी मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वुसेविक का इस्तीफा जल्दी संसदीय चुनाव की संभावना को जन्म दे सकता है।

इस्तीफे की पुष्टि सर्बिया की संसद द्वारा की जानी चाहिए, जिसके पास नई सरकार चुनने या त्वरित चुनाव कराने के लिए 30 दिन का समय है। विपक्षी दलों ने कहा है कि वे एक अंतरिम सरकार पर जोर देंगे जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की स्थिति बनाएगी।

वुचिच के लोकप्रिय दलों पर पिछले चुनावों के दौरान अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। नोवी सैड का मुख्य रेलवे स्टेशन हाल के वर्षों में चीनी राज्य कंपनियों के साथ एक व्यापक बुनियादी ढांचा सौदे के हिस्से के रूप में दो बार पुनर्निर्मित किया गया था। सर्बिया के अभियोजकों ने 13 लोगों के खिलाफ आरोप लगाए हैं, जिनमें एक सरकारी मंत्री और कई राज्य अधिकारी शामिल हैं।

विरोध प्रदर्शन

सर्बिया में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे किसान। ये लोग अपने साथियों की पिटाई से नाराज थे।

अमेरिका ने निर्वासित किए जाने वाले 14 लाख लोगों से अधिक का आंकड़ा किया सार्वजनिक

काठमांडू, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी सरकार ने वहां रह रहे अवैध प्रवासियों की एक सूची प्रकाशित की है जिनको जल्द ही डिपोर्ट किया जाना है। इस नई सूची में अफ्रीकी देशों के नागरिकों की संख्या सर्वाधिक है जबकि चीन और भारत के नागरिकों की संख्या भी हजारों में है।

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी की तरफ से बुधवार को डिपोर्ट किए जाने वाले विदेशी नागरिकों की एक सूची प्रकाशित की गयी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति के तहत अमेरिकी प्रशासन ने इस सूची को सार्वजनिक किया है।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक अब तक विभिन्न देशों से कुल 14,45,549 प्रवासियों को अमेरिका से निर्वासित किए जाने की तैयारी है। इस सूची के मुताबिक सबसे अधिक संख्या होंडुरास, ग्वाटेमाला, मेक्सिको और अल सल्वाडोर के नागरिकों की है जो अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर वहां रह रहे हैं। इनमें होंडुरास के 2,61,651, ग्वाटेमाला के 2,53,413, मेक्सिको के 2,52,044 और अल सल्वाडोर के 203,822 नागरिक हैं। इसके अतिरिक्त 37,908 चीनी नागरिक और 17,940 भारतीय नागरिकों का भी निर्वासन किए जाने की जानकारी दी गई है। इसमें 1,365 नेपाली नागरिक भी निर्वासन सूची में हैं।

ट्रंप सरकार: अमेरिका के पास भारत की तुलना में आधा हुआ विदेशी मुद्रा भंडार

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

आम धारणा है कि जिस देश के पास जितना अधिक विदेशी मुद्रा भंडार होगा उसकी आर्थिक सेहत उतनी ही अच्छी होगी। वह दुनिया में आर्थिक महाशक्ति कहलाएगा। इसमें काफी हद तक सच्चाई भी है। इस वक्त दुनिया में चीन एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। वह अपने इशारों पर दुनिया को घुमाने की ताकत रखता है। उसके पास इस वक्त कुल 3.2 ट्रिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यह राशि भारत की इकोनॉमी के बराबर है। भारत की अर्थव्यवस्था करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर की है और इसे मोदी सरकार पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इधर, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के पास कुल विदेशी मुद्रा भंडार 623.9 अरब डॉलर रिकॉर्ड किया गया। इस हिसाब से देखें तो चीन के पास हमारी तुलना में पांच गुना से भी अधिक विदेशी मुद्रा भंडार है।

इस सूची में चीन के बाद दूसरे नंबर पर जापान है। इसके पास करीब 1.2 ट्रिलियन डॉलर का विदेश मुद्रा भंडार है। यानी भारत की तुलना में करीब-करीब दोगुना। तीसरे नंबर पर स्विटजरलैंड है। इसके पास करीब 950 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। इस सूची में चौथे नंबर पर अपना देश है। मजेदार बात यह है कि जिस अमेरिकी डॉलर के लिए पूरी दुनिया मरती है उसी अमेरिका के पास केवल 250 अरब डॉलर के करीब विदेशी मुद्रा भंडार है। यह बड़ा ही गड़बड़ स्थिति है। इस सवाल पर आने से पहले हमें यह देखना होगा कि आखिर किसी देश के विदेशी मुद्रा भंडार की जरूरत क्यों है। दरअसल, हम सभी को पता है कि खरीद-बिक्री के लिए पैसों की जरूरत होती है। लेकिन, हमारा पैसा केवल हमारे देश में चलेगा। ऐसे में एक से अधिक देशों के बीच कारोबार के लिए एक ऐसी मुद्रा की जरूरत होती है जो दोनों को स्वीकार्य हो। ऐसी स्थिति में दुनिया के तमाम देश सबसे ताकतवर इकोनॉमी वाले देश की मुद्रा में लेनदेन करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उस मुद्रा के डूबने की संभावना सबसे कम होती है। यही कारण है कि दुनिया सबसे अधिक अमेरिकी डॉलर को स्वीकार करती है। इसके साथ यूरोपीय संघ की मुद्रा यूरो, पाउंड और सोने की भी खूब डिमांड रहती है।

हिल गया अमेरिका : चीनी स्टार्टअप डीपसीक को ट्रंप ने बताया बड़ा खतरा

वाशिंगटन। डीपसीक एक चीनी टेक स्टार्टअप है जिसकी स्थापना लिआंग वेनफेंग ने की है। इसने पिछले एक साल में कई प्रतिस्पर्धी एआई मॉडल विकसित किए हैं। इसका मुख्यालय हांग्जो में है। डीपसीक का वर्जन 3 केवल 5.6 मिलियन डॉलर में डेवलप किया गया। इसका वी3 मॉडल कंपनी को सुर्खियों में ले आया। यहां तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कम लागत वाले चीनी एआई टूल डीपसीक को अमेरिका के लिए चेतावनी बताया है। इसने सोमवार को वॉल स्ट्रीट पर तकनीकी शेयरों को बड़ा झटका दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने रिपब्लिकन कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कहा, उम्मीद है कि एक चीनी कंपनी से डीपसीक एआई का आना हमारी इंडस्ट्री के लिए एक चेतावनी होगी कि हमें जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देने की जरुरत है। हालांकि, ट्रंप ने सुझाव दिया कि सिलिकॉन वैली को लगे इस झटके का सरकारात्मक असर भी हो सकता है, क्योंकि इससे सस्ते इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, मीडिया रिपोट्स के मुताबिक चीनी सरकार और उसके नेतृत्व से जुड़े संवेदनशील विषयों पर मॉडल के कंटेंट प्रतिबंधों ने वैश्विक बाजार में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने की इसकी क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके अलावा, आर1 मॉडल को आधिकारिक तौर पर पिछले सप्ताह लॉन्च किया गया था। इसकी उल्लेखनीय रूप से कम ऑपरेशनल कोस्ट के खुलासे के बाद इसने काफी ध्यान आकर्षित किया। डीपीसीक ने अग्रणी अमेरिकी एआई कंपनियों को टक्कर देने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। आर1 मॉडल को अमेरिका द्वारा विकसित मॉडल, जैसे कि ओपनएआई के चैटजीपीटी, को टक्कर का माना जा रहा है। मंगलवार को अमेरिका में डीपसीक के कारण शेयर बाजार में आई गिरावट एशिया में भी फैल गई। जापान के निक्केई शेयर औसत में 1.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

कितने करोड़ में बनीं थी कल्ट फिल्म शोले और कितना किया था कलेक्शन?

धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, अमजद खान, हेमा मालिनी और जया बच्चन स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' हिंदी सिनेमा के लिए एक अमर फिल्म बन चुकी है। फिल्म शोले का एक-एक किरदार लोगों के लिए यादगार बन गया है। 1975 में रिलीज हुई रमेश सिप्पी के निर्देशन में बनी शोले आज भी अपने गानों से लोगों का मनोरंजन कर रही है। शोले एक कल्ट क्लासिक फिल्म है, जिसे भुला पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। महज 3 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनिया भर में मोटी कमाई की थी। शोले में धर्मेंद्र से लेकर अमिताभ बच्चन तक इसकी अहम स्टारकास्ट को कितनी फीस मिली थी आइए जानते हैं।

धर्मेंद्र और हेमा से लेकर अमिताभ-जया तक किसको कितनी मिली थी फीस?

अमिताभ बच्चन को मिली कम फीस

फिल्म में वीरू का रोल करने के लिए हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र ने 1.15 लाख रुपये लिए थे। फिल्म में ठाकुर बने एक्टर संजीव कुमार को 1.25 लाख रुपये और अमिताभ बच्चन को एक लाख रुपये बतौर फीस मिली थे। वहीं, फिल्म में चुलबुली और नटखट बसंती का रोल करने के लिए हेमा मालिनी ने 75 हजार रुपये चार्ज किए थे। फिल्म में मोस्ट मेमोरेबल और हिट रोल इसके विलेन गब्बर का था, जिसे करने के लिए एक्टर अमजद खान ने 65 हजार रुपये लिए थे। फिल्म में अहम किरदारों में सबसे कम फीस जया बच्चन को मिली थी। फिल्म शोले में जया बच्चन को राधा के रोल के लिए महज 35 हजार रुपये मिले थे।

अन्य स्टारकास्ट की फीस

अन्य स्टारकास्ट की फीस की बात करें, तो सांबा का रोल करने वाले एक्टर मैक मोहन को 12 हजार रुपये, विजू खोटे को कालिया के रोल के लिए 10 हजार रुपये और एक्टर एके हंगल को इमाम साहब के रोल के लिए 8 हजार रुपये फीस मिली थी। इस तरह शोले मेकर्स ने फिल्म की अहम स्टारकास्ट को महज 4 लाख 53 हजार रुपये की फीस में ही निपटा दिया था। फिल्म के और अन्य कलाकारों में लीला मिश्रा, सचिन पिलगांवकर, अलंकार जोशी और मेजर आनंद भी शामिल हैं। शोले हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की लिस्ट में शामिल है।

औरंगजेब बन दहशत फैलाने आए बॉबी देओल

हरि हर वीरा मल्लू फिल्म से दमदार लुक जारी

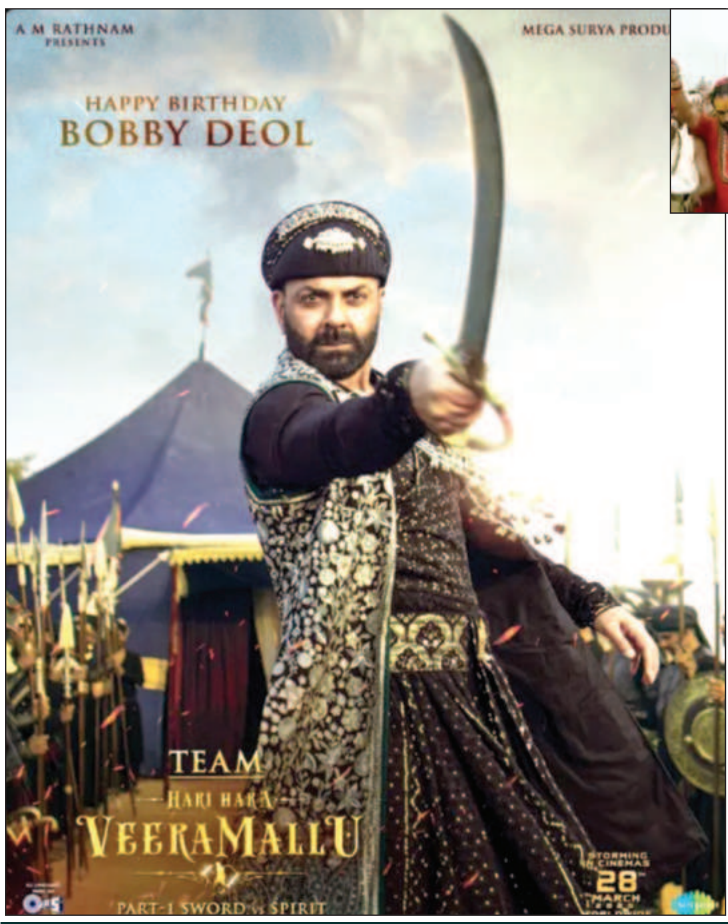

पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू के निर्माताओं ने बॉबी देओल के 56वें जन्मदिन के खास मौके पर उनका एक स्पेशल बर्थडे पोस्टर जारी किया। इस फिल्म में बॉबी देओल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। आखिरकार अभिनेता के इस खास दिन पर उनकी पहली झलक जारी कर दी गई है, जिसमें बॉबी दमदार लुक में नजर आ रही हैं।हरि हर वीरा मल्लू से जारी किए गए पोस्टर में बॉबी देओल एक सम्राट के रूप में एक गहन और शाही लुक में दिखाई दे रहे हैं, जिससे प्रशंसकों को पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में उनकी भूमिका की एक झलक मिल रही है। एक्स पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, अतुलनीय, मैग्नेटिक स्क्रीन उपस्थिति वाले व्यक्ति बॉबी देओल को टीम हरि हर वीरा मल्लू की ओर से जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।पोस्टर में बॉबी देओल को काले रंग की आकर्षक पोशाक में तलवार पकड़े हुए दिखाया गया है, जो उनके किरदार की भयावहता को बखूबी दर्शाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल ने हाल ही में डाकू महाराज के जरिए अपना तेलुगु डेब्यू किया, जहां उन्होंने नंदामुरी बालकृष्ण, उर्वशी रौतेला और प्रज्ञा जायसवाल के साथ अभिनय किया। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में देओल ने दमदार भूमिका निभाई। अब, हरि हर वीरा मल्लू में औरंगजेब की भूमिका के साथ वह पवन कल्याण के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं।इस बीच, हरि हर वीरा मल्लू का पहला सिंगल माता विनाली पहले ही धूम मचा चुका है। पवन कल्याण द्वारा गाया गया और ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एमएम कीरवानी द्वारा रचित यह गाना लोगों को खूब पसंद आया। कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17वीं शताब्दी में सेट की गई है और उत्पीडऩ के खिलाफ लडऩे वाले एक डाकू की कहानी बताती है। इसमें पवन कल्याण, बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नरगिस फाखरी और नोरा फतेही मुख्य भूमिका में हैं। विजय डोंकडा द्वारा निर्मित, हरि हर वीरा मल्लू 28 मार्च, 2025 को एक भव्य वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है।

मेकर्स ने पुष्पा 3 के लिए बना लिया तगड़ा प्लान

आइटम नंबर में जान्हवी कपूर चलाएगी हुस्न का जादू?

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2 ने पूरे हिंदी सिनेमा का दिल जीत लिया है। फिल्म की ताबड़तोड़ कमाई ने बाकी सभी फिल्मों को पछाड़ दिया है। अल्लू अर्जुन को उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म मिल गई है, जिसने उन्हें नंबर 1 एक्टर बना दिया है। पुष्पा 2 ने 1800 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर फिल्म मेकर्स को मालामाल कर दिया है। थिएटर में 50 दिन पूरे करने के बाद भी फिल्म की कमाई थमी नहीं है।अभी भी उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म आमिर खान की दंगल के 2000 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। पुष्पा फ्रेंचाइजी की बात करें तो मेकर्स ने फिल्म के हर पार्ट में एक आइटम सॉन्ग रखा है, जो लोगों की जुबान से उतर ही नहीं रहा है। स्टार संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने पुष्पा द राइज और पुष्पा द रूल में दो खास गानों ऊ अंतवा मावा और किसिक से जिस तरह का जबरदस्त धमाल मचाया था। दोनों फिल्मों के इन गानों को यूट्यूब पर भी लाखों बार देखा जा चुका है।पुष्पा 2 की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब सबकी निगाहें पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट पर टिकी हैं। डायरेक्टर सुकुमार ने पुष्पा 2 को एक दिलचस्प मोड़ पर खत्म किया है, आगे क्या होगा ये जानने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल ही में देवी श्री प्रसाद ने अपने नए बयान में पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग को लेकर बात की। देवी श्री प्रसाद की मानें तो वो अल्लू अर्जुन की पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग में बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर को देखना चाहते हैं। उनका कहना है कि जान्हवी अपनी मां श्रीदेवी की तरह ही बेहद खूबसूरत हैं।देवी श्री प्रसाद ने आगे कहा कि उन्होंने पुष्पा 2 के चार्टबस्टर किसिक गाने के लिए श्रीलीला का नाम सुझाया था, क्योंकि वो एक बेहतरीन डांसर हैं। उन्होंने ये भी कहा कि उनके द्वारा बनाए गए स्पेशल सॉन्ग में सामंथा, काजल अग्रवाल और पूजा हेगड़े ने भी अपना जादू दिखाया था।

नानी की हिट का नया पोस्टर हुआ रिलीज, तिरंगे को सलामी देते दिखे अभिनेता

नेचुरल स्टार नानी अभिनीत और डॉ. सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर हिट: द थर्ड केस ने गणतंत्र दिवस विशेष पोस्टर जारी किया है। नानी के यूनिनस प्रोडक्शंस के साथ साझेदारी में वॉल पोस्टर सिनेमा के बैनर तले प्रशांति टिपिरनेनी द्वारा निर्मित, फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है। पोस्टर में नानी हाथ में बंदूक लिए खड़े हैं और भारतीय ध्वज को सलामी दे रहे हैं और उनके दोनों ओर सेना के जवान हैं, जो फिल्म में मनोरंजक एक्शन और देशभक्ति के विषयों का संकेत देते हैं। पोस्टर गणतंत्र दिवस की भावना के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है और प्रशंसक नानी को इस तीव्र अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। फिल्म में नानी के साथ मुख्य भूमिका में श्रीनिधि शेट्टी भी हैंप्रोडक्शन डिज़ाइन श्री नागेंद्र तंगला द्वारा संभाला गया है, जबकि साउंड मिक्स सुरेन जी द्वारा किया गया है। हिट: द थर्ड केस 1 मई को रिलीज़ के लिए तैयार हो रही है, और प्रशंसक नानी को एक्शन में देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपनी मनोरंजक कहानी, तीव्र एक्शन दृश्यों और देशभक्ति विषयों के साथ, हिट: द थर्ड केस के एक बड़ी हिट होने की उम्मीद है।जैसे-जैसे हिट: द थर्ड केस की रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, प्रशंसक फ़िल्म में और अपडेट और झलकियाँ देखने की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, हिट: द थर्ड केस एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा।

नोरा फतेही ने शॉर्ट ड्रेस में पैपराजी के सामने फ्लान्ट किया परफेक्ट फिगर

अपने डांसिंग स्टाइल से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी हॉटनेस के चलते आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक्ट्रेस को कही पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

नोरा फतेही आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है।एक्ट्रेस नोरा फतेही का हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर एक लुक में बवाल काटती हैं।अब हाल ही में नोरा फतेही को पैपराजी ने कहीं पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर आते ही छा गया।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नोरा फतेही ने व्हाइट कलर का शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।नोरा फतेही की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हाथ में छोटा सा बैग व्हाइट हील्स, लाइट मेकअप और खुले बाल कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि जब भी कोई इवेंट या पार्टी होती है तो पैपराजी अक्सर सेलेब्स को अपने कैमरे में कैद करने के लिए बेताब रहते हैं। उनका हर एक लुक अपने कैमरे में कैप्चर कर सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं, जिससे फैंस को भी एक झलक देखने को मिल पाती है।

बृहस्पति देव से है पुखराज का संबंध

जानें इससे होने वाले गजब के फायदे

रत्न ज्योतिष, ज्योतिष शास्त्र का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्रत्येक रत्न के लाभ बताए गए हैं। अगर आप एक अच्छे ज्योतिषी की सलाह पर इस रत्नों को धारण करते हैं, तो इससे निश्चित रूप से आपको जीवन में लाभ देखने को मिल सकता है। लेकिन रत्न धारण करते समय कुछ नियमों का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है, तभी आप इसका लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मिलते हैं ये फायदे

पुखराज बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रकार इस रत्न को धारण करने से जातक की कुंडली में बृहस्पति ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही इससे जातक के लिए सुख-समृद्धि के योग भी बनने लगते हैं। अगर किसी जातक के विवाह में अड़चन आ रही हैं, तो इसके लिए भी उसे पुखराज धारण करने की सलाह दी जाती है।

पुखराज रत्न को मुख्य रूप से कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए पहना जाता है। इसी के साथ धनु और मीन राशि के जातकों के लिए भी पुखराज धारण करना शुभ होता है, क्योंकि इन राशियों के ग्रह

स्वामी बृहस्पति ही हैं। इस हमेशा सोने की अंगूठी में जड़वाकर ही पहनना चाहिए।

साथ ही इसे तर्जनी उंगली में धारण करना ज्यादा अच्छा माना गया है। पुखराज धारण करने से पहले किसी अच्छे ज्योतिष को अपनी कुंडली दिखाने के बाद ही इसे पहनना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि बार-बार इसे न उतारें, वरना इसका प्रभाव कम होने लगता है।

धारण करने की विधि

सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर को मिलाकर इसमें पुखराज वाली अंगूठी को शुद्ध करें। इसके बाद इसे भगवान विष्णु के चरणों में अर्पित करें और 108 बार ॐ ब्रह्म ब्रह्स्पतिये नम: मंत्र का जप करें। इसके बाद ही पुखराज धारण करें। इसे धारण करने के लिए किसी भी माह का शुक्ल पक्ष का गुरुवार सबसे अच्छा माना गया है।

पुखराज रत्न किसे पहनना चाहिए?

पुखराज रत्न उन लोगों को पहनना चाहिए जिनकी जन्म कुंडली में बृहस्पति ग्रह कमजोर या प्रतिकूल स्थिति में हो। इसके अलावा, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और वैवाहिक जीवन में सुधार की इच्छा रखने वाले लोग भी इसे धारण कर सकते हैं। लेकिन इसे पहनने से पहले ज्योतिषी से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

क्या पुखराज रत्न को अन्य धातुओं में भी पहना जा सकता है?

पुखराज रत्न को सोने की अंगूठी में पहनना अधिक शुभ माना जाता है। हालांकि, कुछ स्थितियों में इसे चांदी या पंचधातु में भी पहन सकते हैं, लेकिन इसके लिए ज्योतिषी से परामर्श अवश्य करें।

रत्न पहनने के बाद किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

1.इसे नियमित रूप से साफ करते रहें।

2.रत्न की चमक और स्थिति पर ध्यान दें, यदि इसमें कोई बदलाव दिखे तो ज्योतिषी से परामर्श करें।

3.इसे पहनते समय कोई हानिकारक केमिकल या साबुन के संपर्क में न आने दें।

धनु और मीन राशि के लोगों को पहनना चाहिए पुखराज, कई समस्याएं हो जाती हैं छूमंतर

रत्न ज्योतिष को ज्योतिष शास्त्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अगर आप ज्योतिषीय सलाह पर रत्न धारण करते हैं, तो इससे जीवन के कई क्षेत्रों में आपको लाभ देखने को मिल सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि पुखराज किन्हें और कब धारण करना चाहिए।

मिलते हैं ये लाभ

पुखराज पीले रंग का रत्न होता है, जो गुरु ग्रह यानी बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इस रत्न को धारण करने से जातक को जीवन में धन-संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इससे जातक को विवाह में आ रही अड़चने भी दूर हो जाती हैं। साथ ही यह भी माना जाता है कि पुखराज रत्न को धारण करने से जातक को शिक्षा, करियर और दांपत्य जीवन आदि में लाभ देखने को मिल सकता है।

कौन कर सकता है धारण

पुखराज रत्न को मुख्य रूप से गुरु ग्रह को मजबूत बनाने के लिए पहना जाता है। गुरु ग्रह का संबंध शिक्षा, सुख-समृद्धि पिता और संतान से माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, धनु और मीन राशि के लोग पुखराज धारण कर सकते हैं, क्योंकि इन राशियों के ग्रह स्वामी बृहस्पति देव ही हैं।

पुखराज को चांदी या सोने की अंगूठी में लगाकर पहनना चाहिए, जो कम-से-कम 5 या फिर 7 कैरेट का होना चाहिए। आप इसे तर्जनी उंगली में धारण कर सकते हैं। पुखराज धारण करने से पहले किसी ज्योतिष से अपनी कुंडली का निरीक्षण कराने के बाद सलाह जरूर लेनी चाहिए।

इस विधि से करें धारण

पुखराज धारण करने के लिए सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि कर लें। इसके बाद पुखराज वाली अंगूठी को दूध और गंगाजल में स्नान करवाकर और उसके बाद ही से धारण करें। इसे धारण करने के लिए गुरुवार का दिन सबसे उत्तम माना गया है। इस बात का ध्यान रखें कि एक बार पहनने के बाद इसे बार-बार न उतारें, वरना इसका प्रभाव कम हो सकता है।

पुखराज रत्न के नुकसान

पुरखो के अनुसार पुखराज रत्न की ऊर्जा इतनी है की इसे गलत तरीके से धारण करने से इसकी शक्ति का इंसान पर उल्टा असर भी हो सकता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि पुखराज रत्न आपकी जन्म कुंडली के अनुकूल हो अन्यथा इसके निम्नलिखित नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पुखराज के बुरे प्रभाव से आपको धन की हानि होने की संभावना है, या व्यवसाय में नुक्सान ।

आपके निजी सम्बन्धो में भी गलतफैमी उतप्पन हो सकती है जिसके कारण आपके समबन्ध बिगड़ सकते है। पुखराज आपके स्वस्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव दाल सकते है, आपको कई बिमारिओ का सामना करना पड़ सकता है। यह रत्न अपने बुरे प्रभाव में आपको तनाव और अशांति दे सकता है।

इसलिए इन् सभी बुरे परिणामो से बचने के लिए आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए की आपने जो रत्न पहना है वो असली है या नहीं, उसकी पूर्ण पूजा प्रतिस्ठा अच्छे से हुई या नहीं और वह कब तक के लिए आपकी कुंडली में सकारात्मक प्रभाव दाल रहा है। आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए की इस रत्न को आप किसी और रत्न के साथ पहन रहे है तो उसका प्रभाव फायदेमंद होगा या नुकसानदायक।

ओपल रत्न के फायदे और नुकसान, पहनने की विधि, कौन पहन सकता है, कौन नहीं

पुखराज रत्न किसे पहनना चाहिए

हर एक रत्न एक गृह से जुड़ा हुआ होता है, पुखराज के ऊपर बृहस्पति गृह का राज है। इसलिए जिन लोगों की कुंडली में बृहस्पति कमजोर होता है वे इस रत्न को धारण करेंगे तो उनके जीवन में इस ग्रह से होने वाले दुषप्रभाव दूर हो जायेंगे। धनु, वृश्चिक और मीन राशि वालों के लिए पुखराज रत्न को शुभ माना जाता है। उन्हें यह अवश्य पहनना चाहिए ।

मेष राशि वालों के लिए यह रत्न 9 वे घर का सदसय है। इसे मूंगा के साथ पहनने से यह फायदा देता है।

वृषभ राशि वालो को यह रत्न तभी पहनना चाहिए जब बृहस्पति 1, 2, 4, 5, 9वें भाव में स्थित हो।

यदि आपकी राशि कर्क है तो बृहस्पति तभी पहने जब वह छठे और नौवें घर का स्वामी हो। मोती के साथ पहनने पर पुखराज का बेहतर परिणाम मिल सकता है।

सिंह राशि वालों के लिए पुखराज योग कारक है, इसलिए आप विशेष रूप से बृहस्पति की महादशा में माणिक्य के संयोजन के साथ इस रत्न को धारण करे।

कन्या राशि वालो को इस रत्न के वजन को ध्यान में रखकर इसे पहनना चाहिए तभी इसका लाभ होगा।

पन्ना रत्न – कौन पहने, कौन नहीं,पहनने के नियम, लाभ, हानि

किसे पुखराज रत्न नहीं पहनना चाहिए

मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोगों को पुखराज रत्न धारण नहीं करना चाहिए, उन्हें इस रत्न के नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

जिन लोगो की कुंडली में बृहस्पति गृह चौथे, सातवें या दसवें भाव में विराजमान है उन्हें पुखराज नहीं पहनना चाहिए । साथ ही अगर आपकी कुंडली में धनु लग्न में बृहस्पति है तो भी पुखराज को पहनने में सतर्कता बरते।

इस बात का भी अवश्य ध्यान रखे की आप पुखराज को किस दूसरे रत्न के साथ पहन रहे है – हीरे और नीलम के साथ पुखराज को पहनने से बचे।

यदि आप इस रत्न को पहनना ही चाहते है तो अपने पंडित से अपनी कुंडली दिखाए और उनसे सलाह ले की इस रत्न को आप दूसरे किस रत्न के साथ धारण कर सकते है की ये आपको सकारत्मकता प्रदान करे।

मोती – किसे पहनना चाहिए, किसे नहीं, इसे पहनने के नियम, फायदे और नुकसान

पुखराज पहनने के नियम

पुखराज से लाभकारी प्रभाव प्राप्त करने हेतु आवश्यक है की इसे धारण करते समय आप कुछ नियमो का पालन करे:

इस रत्न के सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करने हेतु पुखराज को सोने के धातु में अंकरित कराकर तर्जनी ऊँगली में पहने।

बृहस्पतिवार यानि गुरूवार का दिन पुखराज रत्न को धारण करने के लिए सबसे शुभ दिन है। इसलिए कोशिश करे की इसे इसी दिन सूर्योदय के बाद और सुबह 10 बजे से पहले नाह धो के पहने।

रत्न धारण करने से पहले इसकी पूजा जरूर करे। पूजा करने हेतु, अपने पुखराज रत्न को गंगाजल और दूध से धोकर पवित्र कर लें। फिर देव गुरु बृहस्पति की पूजा विधिपूर्वक करने हेतु (पुखराज रत्न पहनने का मंत्र) ॐ बृं बृहस्पतये नम: 108 बार मंत्र का जाप करें। आ-खिरी बार मंत्र का जाप करते वक़्त रत्न को धारण करले।

अपने रत्न को इस तरह धारण करे की इसका एक हिस्सा आपकी त्वचा से हमेसा अड़ा रहे।

एक बार पहनने के बाद पुखराज को दुबारा न उतारे। यदि आपको किसी कारण इसे उतारना पड़ जाये तो इसे वापिस पहनने से पहले इसकी पूर्ण पूजा प्रतिस्ता दुबारा करे। पुखराज एक अलौकिक रत्न है इसलिए इसकी नैतिकता बनाये रखने हेतु अपने कर्मो पर ध्यान दे। नशा और मांस आदि जैसी चीजों का सेवन भूलकर भी न करें, खासकर बुधवार और गुरुवार के दिन।

पुखराज रत्न पहनने के फायदे

रत्न ज्योतिष में पुखराज का विशेष स्थान है। इसे अंग्रेजी में येलो सफायर कहा जाता है। यह रत्न अपनी विशिष्ट विशेषताओं और फायदों के कारण बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। पुखराज रत्न पहनने से जीवन में कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं, जो इस लेख में विस्तार से बताए जाएंगे।

पुखराज रत्न क्या है?

पुखराज रत्न मुख्यतः पीले रंग का होता है और यह बृहस्पति ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। इसे गुरुवार के दिन पहना जाता है और यह सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, और विद्या प्रदान करने वाला माना जाता है। पुखराज का रंग हल्का पीला से लेकर गहरा पीला तक हो सकता है और यह विभिन्न कैरेट में उपलब्ध होता है।

वित्तीय समृद्धि – पुखराज रत्न पहनने से व्यक्ति के आर्थिक हालात में सुधार आता है। यह व्यापार में लाभ, धन की प्राप्ति और निवेश में सफलता दिलाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है जो व्यापार या नौकरी में उन्नति की इच्छा रखते हैं।

स्वास्थ्य लाभ – पुखराज रत्न शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है, लीवर के विकारों को ठीक करता है और त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। मानसिक शांति और तनाव कम करने में भी यह रत्न उपयोगी होता है।

शिक्षा और ज्ञान –बृहस्पति ग्रह ज्ञान और विद्या का कारक है। इसलिए पुखराज रत्न पहनने से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलती है। यह विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए लाभकारी होता है। परीक्षा में अच्छे अंक लाने और उच्च शिक्षा में सफलता पाने के लिए यह रत्न अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है।

वैवाहिक जीवन में सुख–पुखराज रत्न वैवाहिक जीवन में भी सुख और समृद्धि लाने में सहायक होता है। यह पति-पत्नी के बीच सामंजस्य और प्रेम बढ़ाता है। जिन लोगों के वैवाहिक जीवन में समस्याएं हैं, वे पुखराज रत्न धारण करके अपने संबंधों में सुधार ला सकते हैं।

मान-सम्मान और प्रतिष्ठा–पुखराज रत्न व्यक्ति के सामाजिक जीवन में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाता है। यह समाज में व्यक्ति की पहचान को मजबूत करता है और उसे सम्मान दिलाता है। यह रत्न पहनने से व्यक्ति का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

मानसिक शांति – पुखराज रत्न पहनने से मानसिक शांति और स्थिरता मिलती है। यह व्यक्ति को तनाव और चिंता से मुक्ति दिलाता है और उसे मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाता है। ध्यान और मेडिटेशन में रुचि रखने वालों के लिए यह रत्न अत्यंत लाभकारी है।

आध्यात्मिक उन्नति – आध्यात्मिक उन्नति और ध्यान में गहरी अनुभूति के लिए पुखराज रत्न बहुत उपयोगी माना जाता है। यह रत्न व्यक्ति के आध्यात्मिक जागरण को बढ़ावा देता है और उसे आध्यात्मिक पथ पर आगे बढ़ने में सहायता करता है।

रिश्तों में सुधार–पुखराज रत्न पहनने से रिश्तों में सुधार आता है। यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। दोस्तों, परिवार और सहयोगियों के साथ बेहतर तालमेल और सामंजस्य स्थापित करने में यह रत्न मदद करता है।

निर्णय क्षमता में सुधार

पुखराज रत्न व्यक्ति की निर्णय क्षमता को बेहतर बनाता है। यह व्यक्ति को सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है और उसे जीवन में सफल बनाता है। खासकर व्यापार और करियर में सही निर्णय लेने में यह रत्न बहुत सहायक होता है।

रचनात्मकता और कला में उन्नति

यह रत्न उन लोगों के लिए भी लाभकारी होता है जो रचनात्मक क्षेत्र, जैसे लेखन, संगीत, पेंटिंग आदि में हैं। पुखराज रत्न पहनने से उनकी रचनात्मकता में वृद्धि होती है और वे अपनी कला में नए आयाम हासिल कर सकते हैं।

पुखराज रत्न कैसे पहनें?

पुखराज रत्न धारण करने का सही तरीका भी जानना आवश्यक है। इसे सोने की अंगूठी में जड़वाकर गुरुवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, सूर्यास्त से पहले धारण करना चाहिए। इसे धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श अवश्य लेना चाहिए ताकि आपको इसका पूर्ण लाभ मिल सके।

निष्कर्ष–पुखराज रत्न अपनी अनेक विशेषताओं और फायदों के कारण बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि और स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, बल्कि शिक्षा, वैवाहिक जीवन, और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी सुधार लाता है। इसके साथ ही यह मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नति, रिश्तों में सुधार, निर्णय क्षमता और रचनात्मकता में भी वृद्धि करता है। यदि सही विधि और परामर्श के साथ इसे धारण किया जाए तो जीवन में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं।

धनवान बनाने के साथ बुद्धि तेज करता हैं सफेद पुखराज

लेकिन इन 3 राशियों के लिए हो सकता है हानिकारक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रह और नक्षत्रों की स्थिति में परिवर्तन का असर हर राशि के जातकों के जीवन पर शुभ या फिर अशुभ पड़ता है। ऐसे में ग्रहों के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न तरह के उपायों के साथ-साथ रत्नों को धारण करते हैं। बता दें कि हर एक ग्रह का अपना-अपना रत्न और उपरत्न है। इन्हीं रत्नों में से एक है पुखराज। पुखराज अगर किसी व्यक्ति को फल जाए, तो रंक को राजा बनाने में देर नहीं करता है। पुखराज कई तरह के आते हैं इन्हीं में से एक है सफेद पुखराज।

रत्न शास्त्र के अनुसार, सफेद पुखराज शुक्र ग्रह का रत्न माना जाता है। इस रत्न को धारण करने से कुंडली में शुक्र की स्थिति अच्छी होती है। इसके साथ-साथ व्यक्ति को सुख-समृद्धि, धन-संपदा की प्राप्ति होती है और संतान भी उच्च पदों में कार्यरत होती है। जानिए किन लोगों को सफेद पुखराज पहनना चाहिए और किन्हें नहीं।

यह राशियां पहने सकती हैं सफेद पुखराज

मेष और वृश्चिक राशि–इन दोनों राशियों के स्वामी मंगल ग्रह है। मंगल ग्रह के शौर्य, वीरता, साहस का कारक माना जाता है। इसके साथ ही शुक्र के साथ इसका संबंध अच्छे हैं। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं। इससे वैवाहिक जीवन में भी खुशियां ही खुशियां आएगी।

वृषभ और तुला राशि –इन दोनों राशियों के स्वामी शुक्र ग्रह है। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं। इससे इस राशि के जातकों को सुख-समृद्धि, धन-संपदा की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन और कन्या राशि–इन दोनों राशियों

के स्वामी बुध और है। और बुध और शुक्र के बीच मित्रता का भाव है। इसलिए इस राशि के जातक सफेद पुखराज पहन सकते हैं।

कर्क राशि–इस राशि के स्वीन चंद्रमा है और शुक्र के साथ इनके अच्छे संबंध है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए सफेद पुखराज पहनना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

धनु और मीन राशि –इन दोनों की राशियों के स्वामी देवताओं के गुरु बृहस्पति है। गुरु और शुक्र के बीच अच्छे संबंध है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए सफेद पुखराज रत्न धारण करना फलकारी साबित हो सकता है। बिजनेस-नौकरी में अपार सफलता के साथ करियर में भी तरक्की मिल सकती है।

ये राशियां न पहनें सफेद पुखराज

सिंह राशि –इस राशि के स्वामी सूर्य ग्रह है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य और शुक्र के बीच शत्रुता का भाव है। ऐसे में इस राशि के जातकों को थोड़ा सोच-समझकर सफेद पुखराज को पहनना चाहिए।

मकर और कुंभ राशि –इन दोनों ही राशियों के स्वामी शनि देव है। इन राशियों को लोगों को सफेद पुखराज धारण करने से पहले ज्योतिषी से सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि इसका नकारात्मक प्रभाव अधिक पड़ सकता है।

जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं ये 2 रत्न, बस जान लें धारण करने के नियम

रत्न शास्त्र में हर व्यक्ति के लिए उसकी कुंडली के आधार पर अलग-अलग रत्नों का निर्धारण किया गया है। इस प्रकार से रत्न धारण करने से साधक को जीवन की कई बड़ी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। तो चलिए जानते हैं कि कौन-से रत्न धारण करने से व्यक्ति का सोया हुआ भाग्य जाग सकता है।

आत्मविश्वास में वृद्धि करता है ये रत्न

फिरोजा रत्न एक आसमानी नीला या हरे नीले रंग का पत्थर होता है। यह सबसे प्राचीन रत्नों में से एक माना गया है। इसे माला व अंगूठी दोनों के रूप में धारण किया जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति को बुद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है और करियर में भी तरक्की के योग बनते हैं।

फिरोजा धारण करने के नियम

फिरोजा रत्न को बृहस्पतिवार, गुरुवार या फिर शनिवार के दिन शुभ मुहूर्त में धारण करना चाहिए। रत्न शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, फिरोजा रत्न को चांदी या पंचधातु से बनी अंगूठी में धारण करना चाहिए। ये रत्न अधिकतम कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के द्वारा धारण करना बेहतर माना जाता है।

गुरु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है ये रत्न

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुखराज गुरु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। यदि कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत हो तो व्यक्ति को जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसे में कुंडली में गुरु की स्थिति को मजबूत करने के लिए पुखराज रत्न धारण करना बेहतर माना जाता है।

जब किसी जातक की कुंडली में गुरु 6, 8 और 12वें स्थान पर होता है तो पुखराज नहीं पहनना चाहिए। इससे व्यक्ति को नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, कुंडली में धनु लग्न या मीन लग्न है तो पुखराज धारण किया जा सकता है। पुखराज रत्न को चांदी या सोने की धातु में लगाकर तर्जनी

उंगली में पहनना चाहिए। इसे धारण करने के लिए गुरुवार का दिन सबसे बेहतर माना जाता है।

ये है इस रत्न की खासियत

फिरोजा एक आसमानी नीला या हरे नीले रंग का पत्थर होता है। यह सबसे प्राचीन रत्नों में से एक है। फिरोजा को बौद्ध समुदाय में पवित्र पत्थर माना गया है। इसे माला व अंगूठी दोनों के रूप में पहना जा सकता है। इसे धारण करने से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

फिरोजा रत्न धारण करने के लाभ

रत्न शास्त्र के अनुसार फिरोजा पहनने वाले व्यक्ति को बुद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

फिरोजा रत्न पहनने से बृहस्पति ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। ऐसे में कुंडली में बृहस्पति कमजोर होने पर इस रत्न को धारण किया जा सकता है।

फिरोजा धारण करने से व्यक्ति का दांपत्य जीवन में खुशियों से भर जाता है। सामाजिक व पारिवारिक मान-सम्मान में वृद्धि होती है। साथ ही इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति के करियर में भी सफलता के योग बनते हैं। फिरोजा पहनने से कई तरह की बीमारियों में भी राहत मिलती है। वहीं, इसे पहनने से आपके जीवन की कई बड़ी समस्याएं हल हो जाती हैं।

इस तरह करें धारण

किसी शुभ मुहूर्त में फिरोजा रत्न का धारण किया जा सकता है। वहीं, बृहस्पतिवार, गुरुवार और शनिवार का दिन भी इस रत्न को धारण करने के लिए अच्छा माना गया है। रत्न शास्त्र में माना गया है कि फिरोजा रत्न को चांदी या पंचधातु से बनी अंगूठी में धारण करने से ज्यादा लाभ मिलता है। ये रत्न ज्यादातर कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के द्वारा धारण किया जाता है।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता लागू

भाजपा ही नहीं, भारतीय जनसंघ का भी एक बुनियादी, वैचारिक एजेंडा लागू हो गया। समान नागरिक संहिता को कानूनन उत्तराखंड राज्य ने लागू किया है। अभी भाजपा शासित 6-7 राज्य और हैं, जहां समान नागरिक संहिता की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। वहां से भी जल्द ही अच्छी खबरें आ सकती हैं। केंद्र के स्तर पर कब होगा, फिलहाल यह निश्चित नहीं है। उत्तराखंड देश का सर्वप्रथम राज्य बन गया है। भाजपा के मातृ-दल जनसंघ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और तीन तलाक को कानूनन बनाने सरीखे मुद्दों को अपना वैचारिक एजेंडा तय किया था और उसी के आधार पर राजनीति की थी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा और विहिप का साझा एजेंडा था। आरएसएस बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश के बाहर खदेडऩे का पक्षधर रहा है। देखा जाए तो ये संघ परिवार के ही वैचारिक मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन मुद्दों को साकार कराया है, बेशक समान नागरिक संहिता पर वह राज्यवार चलना चाहते हैं। यह बचाव-मुद्रा इसलिए है, ताकि देश भर में सांप्रदायिक बवाल न मचे और दंगों की नौबत न आए। उत्तराखंड ने जो पहल की है, उसका भी त्वरित विरोध 'जमायत-ए-हिंद' ने किया है और समान संहिता को मुसलमानों के मजहबी हुकूक में दखलअंदाजी माना है। उन्होंने इस कानूनी व्यवस्था को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने का भी ऐलान किया है। वैसे समान नागरिक संहिता कोई 'संघी व्यवस्था' नहीं है। संविधान बनाने वाले हमारे पुरखों ने अनुच्छेद 44 में यह प्रावधान निहित किया था कि केंद्र अथवा राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयास जरूर करें। देश की सर्वोच्च अदालत ने भी इसकी पक्षधरता कुछ अवसरों पर व्यक्त की है। तो यह बुनियादी निष्कर्ष तय है कि समान संहिता को लागू करना अवैध और असंवैधानिक नहीं है। यह भाजपा सरकार ने ही तय नहीं किया है, बल्कि सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रह चुकीं जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में 2.35 लाख लोगों से विमर्श किया गया। उस प्रक्रिया के बाद ही 740 पन्नों का मसविदा सामने आया। उसे विधानसभा में पारित किया गया, फिर राज्यपाल ने सहमति दी और 12 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति ने अनुमोदित किया। विमर्श की गुंजाइश अब भी है। साफ है कि समान नागरिक संहिता के तहत सभी धर्मों के सभी लोगों को समान अधिकार देने की व्यवस्था की गई है। हमारा सवाल है कि अनुसूचित जनजातियों को भी इससे अलग क्यों रखा गया है? आदिवासी अब पूरी तरह कबीलाई नहीं हैं। वे भी सुशिक्षित हैं, सरकारी नौकरियां कर रहे हैं, आईएएस/आईपीएस अधिकारी भी हैं। नए दौर, नए युग की करवटें वे भी देख रहे हैं। उन आदिवासियों को इस कानून से अलग रखा जा सकता था, जो आज भी अनपढ़ हैं और जंगल की जिंदगी जी रहे हैं। बहरहाल समान नागरिक संहिता में विवाह, तलाक, बहुविवाह, बाल विवाह, बेटा-बेटी बराबर, गोद लेने की कानूनी व्यवस्था, विरासत, वसीयत और लिव-इन सरीखी तमाम व्यवस्थाएं समान रूप से लागू की जा सकती हैं। उत्तराखंड ने अपने कानून में 'हलाला' को 'अपराध' करार दिया है। धारा 63 और 51, महिला से क्रूरता या उत्पीडऩ धारा 69 में अपराध है। हलाला पर 10 साल तक जेल की सजा का प्रावधान किया गया है। बहरहाल समान नागरिक संहिता देश भर में लागू क्यों न की जाए।

भाजपा शासित 6-7 राज्य और हैं, जहां समान नागरिक संहिता की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। वहां से भी जल्द ही अच्छी खबरें आ सकती हैं। केंद्र के स्तर पर कब होगा, फिलहाल यह निश्चित नहीं है। उत्तराखंड देश का सर्वप्रथम राज्य बन गया है। भाजपा के मातृ-दल जनसंघ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने और तीन तलाक को कानूनन बनाने सरीखे मुद्दों को अपना वैचारिक एजेंडा तय किया था और उसी के आधार पर राजनीति की थी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण भाजपा और विहिप का साझा एजेंडा था। आरएसएस बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश के बाहर खदेडऩे का पक्षधर रहा है। देखा जाए तो ये संघ परिवार के ही वैचारिक मुद्दे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन मुद्दों को साकार कराया है, बेशक समान नागरिक संहिता पर वह राज्यवार चलना चाहते हैं। यह बचाव-मुद्रा इसलिए है, ताकि देश भर में सांप्रदायिक बवाल न मचे और दंगों की नौबत न आए। उत्तराखंड ने जो पहल की है, उसका भी त्वरित विरोध 'जमायत-ए-हिंद' ने किया है और समान संहिता को मुसलमानों के मजहबी हुकूक में दखलअंदाजी माना है। उन्होंने इस कानूनी व्यवस्था को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने का भी ऐलान किया है। वैसे समान नागरिक संहिता कोई 'संघी व्यवस्था' नहीं है।

आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रह्लाद सबनानी

प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र

सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैंकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

दृष्टि कोण

हिरासत में हत्या : मानवाधिकार का उल्लंघन

हाल ही में हिमाचल प्रदेश के बहुचर्चित गुडिया बलात्कार और हत्या मामले से जुड़े सूरज कस्टोडियल डेथ केस में चंडीगढ़ की सीबीआई अदालत ने हिमाचल पुलिस के आईजी जहूर जैदी समेत आठ पुलिस कर्मियों को उम्रकैद की सजा दी है। 2017 में कोटखाई में नाबालिग गुडिया के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के बाद नेपाली नागरिक सूरज सिंह को हिरासत में लिया गया था। पुलिस कस्टडी में प्रताडऩा के कारण सूरज की मौत ने जनता के आक्रोश को और बढ़ा दिया। इस घटना में पुलिस पर आरोप था कि उन्होंने असली अपराधियों को बचाने के लिए निर्दोष सूरज को बलि का बकरा बनाया। सीबीआई जांच में यह पुष्टि हुई कि पुलिस कर्मियों ने सूरज के साथ बर्बरता की। अदालत का यह फैसला न केवल पुलिस तंत्र में व्याप्त अमानवीयता और लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि यह मानवाधिकारों के उल्लंघन और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

गुडिया बलात्कार और हत्या मामला : एक संक्षिप्त विवरण : 4 जुलाई 2017 को हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग लडक़ी, जिसे 'गुडिया' नाम दिया गया, स्कूल से घर लौटते समय लापता हो गई। कुछ दिनों बाद उसका शव जंगल में मिला, जहां उसके साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की पुष्टि हुई। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर पूरे राज्य में जनाक्रोश पैदा किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया, जिनमें सूरज सिंह शामिल था। 18 जुलाई 2017 को पुलिस हिरासत में सूरज की मृत्यु हुई, जिसके बाद यह मामला सीबीआई को सौंपा गया। जांच और अदालत के फैसले ने पुलिस हिरासत में मानवाधिकारों की रक्षा की दिशा में गंभीर सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित किया। भारत में पुलिस हिरासत में मौतें मानवाधिकारों के उल्लंघन का एक गंभीर मुद्दा हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2022 तक देशभर में 669 हिरासत मौतों के मामले दर्ज किए गए। इन मौतों के प्रमुख कारणों में बर्बर प्रताडऩा, लापरवाही और चिकित्सा सहायता की कमी शामिल हैं। अक्सर अपराध कबूल करवाने के लिए पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाता है, जो कैदियों के जीवन के लिए खतरा बन जाता है। ऐसे मामलों की जांच और दोषियों को सजा देने में देरी न्याय प्रणाली पर जनता के विश्वास को कमजोर करती है।

पुलिस हिरासत में मृत्यु : एक गंभीर समस्या : भारत में हिरासत में मौतों को रोकने के लिए कई कानून और प्रावधान मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 120 (1) और 120 (2) के तहत हिरासत के दौरान प्रताडऩा को दंडनीय अपराध माना गया है। इसके अतिरिक्त भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 196 के अनुसार, पुलिस हिरासत में मृत्यु के मामलों में न्यायिक जांच अनिवार्य है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी ऐसे मामलों की निगरानी करता है। लेकिन इन प्रावधानों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन कमजोर है। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए पुलिस अधिकारियों को संवेदनशीलता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

न्यायिक सक्रियता और सुधार : 1978 में 'सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में कैदियों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर ऐतिहासिक फैसला दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कैदियों को भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। यह निर्णय जेल सुधारों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि जेल प्रशासन कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार करे और उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा, भोजन और स्वच्छता उपलब्ध कराए। इस मामले के बाद, सरकार ने कैदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई नीतियां बनाई। जेल मैनुअल में संशोधन किया गया और अंडरट्रायल कैदियों को बेल पर रिहा करने जैसे उपाय अपनाए गए। हालांकि, इन सुधारों के बावजूद, पुलिस हिरासत में होने वाली मौतें दर्शाती हैं कि सुधारों का क्रियान्वयन अभी भी प्रभावी नहीं है।

राज्य की जिम्मेदारी और सुधार की आवश्यकता : जेल और हिरासत में कैदियों की सुरक्षा राज्य की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। सरकार को जेलों को पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित करना चाहिए, न कि अत्याचार और दुर्व्यवहार का केंद्र बनने देना चाहिए।

कुछ अलग

मेरी पुस्तक का लंचार्पण

अपने शहर के तमाम पुस्तकों के चाय समोसार्पण से बोर हो चुके साहित्यिक कम असाहित्यिक मित्रों को यह सृजनात्मक सूचना देते हुए मुझे दौरे पर दौरा पड़ रहा है कि अगले रविवार को होटल खिलाजा में मैंने अपने पहले काव्य संग्रह चटाक पटाक गटाक का लंचापर्ण रखा है। मित्रो! किताब के चाय समोसिया लोकार्पण में वह मजा नहीं होता जो किताब के धांसू लंचार्पण में होता है। बिना लंच के किसी किताब का लोकार्पण वैसे ही होता है जैसे बिना हलुआ पूड़ी के किसी का उठाला। तब उस उठाले से न उठते बनता है न वहां बैठते। तब वहां जैसे कैसे उठते हुए बैठे रहने तक मन से बस, एक यही बद्दुआ निकलती रहती है कि मरने वाले की आत्मा को तो भगवान शांति दे ही नहीं, पर उसके उठाले का इंतजाम करने वालों को भी भगवान उनके पास सब कुछ होने के बाद भी कतई शांति न दें। इसे उठाला कहते हैं क्या यारो? हद होती है मरने के बाद के खर्चों में कट लगाने की भी। जिंदा रहे तो दिल खोलकर ईएमआई पर ईएमआई देते अंधाधुंध खर्चे करते और जब मरे तो...एक ईएमआई अपने उठाले के लिए भी ले लेते तो क्या चला जाता तुम्हारा? उठाले में चावल कढ़ी? अरे भैया मरने वाले! तुम्हारा उठाला कौनसा रोज रोज होना था? फॉर्मैलिटी के लिए जब ऐसा ही गमगीन उठाला करना था तो अपने उठाले में लोग बुलाए ही क्यों थे? घर से ही श्रद्धांजलि दे देते। बंधुओ! किताब का सद्य प्रकाशन सृजनात्मक खारिश के सिवाय और कुछ भी नहीं। प्रकाशक की अनगिनत बदतमीजियां सहते बार बार इतने उसके खाते में पाने को कहते आखिर जब किताब छप ही जाती है तो वह सृजन की खारिश खत्म तो नहीं होती, पर काफी कम हो जाती है। उसके बाद ज्यों ही बीस तीस कविताएं लिखीं कि सृजनात्मक खारिश फिर होने लगी। सृजनात्मक खारिश का इलाज किसी भी अस्पताल के डॉक्टर के पास नहीं होता। न ही इसका कोई लोशन, गोलियां वैगरह आज तक ईजाद हो पाई हैं। विज्ञान ने कैंसर तक की दवाई खोज ली। विज्ञान ने दिमाग के कीड़ों की दवाई भी खोज ली। पर सृजन की खुजली की वह आज तक कोई खाने लगाने वाली दवाई नहीं खोज पाया। इसलिए इसका एकाधिकारिक इलाज अभी भी प्रकाशकों के पास ही मौजूद है कि कोई सृजन की खारिश वाला रोगी उन्हें फोन करे तो वे वहीं से उसकी सृजनात्मक खारिश का इलाज करने लग जाएं। तो किताब के लंचार्पण समारोह में मिलते हैं अगले रविवार ठीक ग्याह बजे से बजे। तब तक के लिए अपना ख्याल रखिएगा। मेरे सद्य प्रकाशित काव्य संग्रह के वैष्णवी लचार्पण का कार्यक्रम निम्न रहेगा- किताब के लंचार्पणियों का भव्य स्वागत ग्यारह बजे तक। किताब के लंचार्पणियों के लिए नॉन स्टाप जलपान ग्यारह बजे से एक बजे तक। सवा एक बजे किताब का आपकी जीभों द्वारा डाइनिंग हॉल में लोकार्पण। और वहीं पर किताब के लंचार्पण में पधारे विद्वत बंधुओं के किताब पर विचार। मुख्यातिथि- गर्मागर्म रसगुल्ले। सारस्वत अतिथि- मटर पनीर। विशेष अतिथि- दाल मक्खनी, राजमाश। अध्यक्षता- फ्राइड राइस, मिस्सी रोटी। प्रमुख वक्ता- आप सब। विशिष्ट अतिथि- रबड़ी जलेबी, रस मलाई। आशा ही नहीं, विश्वास है कि आप सब पुस्तक प्रेमियों का मेरे काव्य संग्रह के लंचार्पण पर मेरे काव्य संग्रह को आशातीत आशीर्वाद मिलेगा।

देश दुनिया से

कैसा हो बजट-2025

जल्द ही बजट 2025 पेश किया जाएगा। देश के लोगों में बजट घोषणाओं को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। आम आदमी, व्यापार जगत, इंडस्ट्री और वृहत समाज को इससे बहुत उम्मीदें होती हैं। देश की आजादी के साथ 26 नवंबर, 1947 को भारत के पहले वित्त मंत्री आरके शानमुखम चेट्टी द्वारा शुरू किया गया यह सफर निर्बाध तरीके से निर्मला सीतारमण तक चला आ रहा है। यह केंद्रीय बजट एक अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए देश की वित्तीय योजना को तय करेगा। सरकार 2025 के बजट में नया आयकर विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसका मतलब है कि देश के 64 साल पुराने आयकर कानून में बदलाव हो सकता है। नए विधेयक का लक्ष्य मौजूदा कर नियमों को सरल बनाना, उन्हें समझना आसान बनाना और दस्तावेजों के आकार को लगभग 60 फीसदी तक कम करना है। जहां तक देश की आर्थिक स्थिति का सवाल है तो मौजूदा वित्त वर्ष के लिए पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी पर आती दिख रही है। इसको और गति चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उत्पादन 5.3 फीसदी ही बढ़ेगा, जो पिछले वित्त वर्ष में 9.9 फीसदी बढ़ा था। सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सालभर पहले 6.4 फीसदी थी। फाइनैंशल, रियल एस्टेट और प्रोफेशनल सेगमेंट की ग्रोथ 8.4 फीसदी के मुकाबले 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है। पहला सुझाव है कि बजट 2025 में सैलरी क्लास को राहत देने के लिए यूनियन बजट में स्टैंडर्ड कटौती बढ़ाने का ऐलान किया जाना बेहतर होगा। वर्ष 2024-25 के यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स की नई रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने का ऐलान किया था।

लंबे समय से मिडिल क्लास इनकम टैक्स में छूट का दायरा बढऩे की उम्मीद कर रहा है। बजट 2025 में मिडिल क्लास की यह उम्मीद सरकार पूरी कर सकती है। सुझाव है कि इस बार किसान सम्मान निधि की रकम बढ़ा देनी चाहिए। बजट 2024 में इसका अनुमान लगाया गया था। 2019 में पहली बार पीएम किसान सम्मान निधि का ऐलान किया गया था। उसके बाद से इसकी रकम नहीं बढ़ाई गई है। फिलहाल इस स्कीम के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपए मिलते हैं। सरकार 2000-2000 रुपए की तीन किस्तों में यह पैसा सीधे किसानों के अकाउंट में ट्रांसफर करती है। इससे किसान राहत महसूस करेंगे। काफी लोग आशा करते हैं कि सरकार को बजट 2025 में मिडिल क्लास के लिए टैक्स छूट बढ़ा देनी चाहिए। सरकार ने सबसे पहले 2022 में इनकम टैक्स की नई रिजीम का ऐलान किया था। उसके बाद से लगातार ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा टैक्सपेयर्स नए टैक्स रिजीम को चुनें। इसी तरह से सरकार ने कैपिटल गेंस टैक्स के नियमों में बजट 2024 में बदलाव किया था। इसे और आसान बनाए जाने की जरूरत है। सुपर रिच यानी अधिक अमीर लोगों पर 2 फीसदी अतिरिक्त टैक्स लगाने का सुझाव दिया है। इस पैसे का इस्तेमाल सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स शुरू करने के लिए किया जा सकता है। बेहतर हो कि प्रवासी मजदूरों के लिए एक अलग वेलफेयर बोर्ड बनाया जाए। साथ ही 'वन राशन वन नेशन' स्कीम के तहत कंस्ट्रक्शन से जुड़े मजदूरों का भी राशन कार्ड बनाने की मांग की गई है। देश में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती जा रही हैं। बजट 2025 में इसको लेकर राहत की उम्मीद है। देखें और जांचें तो भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र रोजगार और राजस्व के मामले में सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं पर लगने वाले इनपुट जीएसटी को कम करना चाहिए। इसके साथ ही, बीमा कंपनियों की क्लेम प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है। विदित हो कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बजट में वृद्धि और निजी क्षेत्र को सहयोग देने से लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा सकता है। खास तौर पर उन इलाकों में बुनियादी ढांचे को सुधारने की जरूरत है जहां स्वास्थ्य सेवाएं अभी तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई हैं।

बजट 2025 भारत की शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने और इसे विश्व स्तरीय बनाने के लिए एक सुनहरा अवसर है। डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर जोर देकर सरकार युवाओं को एक मजबूत और कुशल कार्यबल में बदल सकती है। यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भारत की आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देगा। 2025-26 के लिए पेश होने वाले सालाना आम बजट में देश के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और जुड़े कर्मचारियों की भी उम्मीदें बंधी हैं। हालांकि, सरकार ने शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए पिछले सालों में लगातार बजट बढ़ाया है। 2024 में इस क्षेत्र को 1.48 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जिसमें से सबसे अधिक 73498 करोड़ रुपए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग को दिए गए। इसके बावजूद, बजट में शिक्षा क्षेत्र को जीडीपी का केवल 4 फीसदी रकम ही आवंटित की जाती है, जबकि अमेरिका, कनाडा, जापान और जर्मनी जैसे विकसित देश 4.8 से 5.5 फीसदी तक खर्च करते हैं। इसमें वृद्धि वांछित है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए बजट आवंटन में वृद्धि हुई है। हालांकि, उभरते हुए रोजगार क्षेत्र और डिजिटल युग की मांगों को पूरा करने के लिए आवंटन को और बढ़ाने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के लिए भी आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बजट 2025 को एनईपी 2020 के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए निवेश बढ़ाना जरूरी है।

आप का नजरिया

कोटखाई के कंकाल

वो मनहूस दिन तो गुजर गया, लेकिन कितने ही जनाजे छोड़ गया। एक सिहरन उस वक्त भी उठी थी जब कोटखाई के जंगल में हिमाचल की आंखों ने वहशीपन देखा। इस खबर के कई कंकाल उभरे और मातम के कई काल उभरे। रौंगटे खड़े कर देने की वारदात का हर सफा जालिम निकला और कानून व्यवस्था के पैगंबर अंजाम तक पहुंचते-पहुंचते मुजरिम निकले। एक पूरी पुलिस छानबीन की एसआईटी टीम को उम्रकैद, पुनः सिहरन पैदा करती है। इनमें अधिकारी, कुछ युवा पुलिस कर्मी और प्रोफेशन की महत्त्वाकांक्षा से ओतप्रोत विभागीय कसौटियां भी रही हैं। आश्चर्य यह कि एक ही मामले ने कई गुनाह समेट लिए और हिरासत की निगरानी में जांच का कातिल चेहरा, नेपाली मूल के सूरज के खून का दोषी करार हो गया। जिन्हें उम्रकैद हुई, उनकी पृष्ठभूमि में जोखिम उठाने का साहस, प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने की क्षमता और महकमे के विश्वस्त कंधे बनने का हुनर रहा होगा, वरना एक मामले की पड़ताल में अति साहस यह दुराचार न करता। पूर्व आईजी जहूर हैदर जैदी व डीएसपी मनोज जोशी का करियर चमक रहा था, लेकिन अपनी ही सीमाओं के उल्लंघन में ये पुलिस अधिकारी पकड़े गए। मनोज जोशी तो तहसीलदार का पद छोडक़र पुलिस का पदक पाने की अभिलाषा में वर्दी में आया था, लेकिन अब उम्रकैद की खबर ने सब कुछ छीन लिया। कोटखाई प्रकरण हिमाचल के इतिहास में हमेशा जिंदा रहेगा। इसके अध्यायों में एक मासूम बेटी के आंसू, एक निर्दोष मजदूर की हिरासत में हुई मौत का मातम और कानून व्यवस्था पर लगे दाग हमेशा गूंजते रहेंगे। सजा के पात्र बने पुलिस कर्मी सिर्फ एक मुकाम पर फिसल गए। जल्दबाजी, अति उत्साह, सत्ता से गलबहियां, विपक्ष के सवाल और जनता का उबाल, उस वक्त की कमजोरी का जवाब ढूंढते आज जहां पहुंचा, वहां मीडिया का जिक्र होना चाहिए। उस वक्त अगर कोई संतुलित संवाद कर रहा था, तो वह मीडिया था, खास तौर पर महत्त्वपूर्ण अखबार जो न्याय के हर पक्ष के साथ खड़े थे, लेकिन कसौटियों की फेहरिस्त में यह वर्ग बुरी तरह 'टारगेट' में रहा। बेशक न्याय का सबसे मजबूत पक्ष चंडीगढ़ की सीबीआई अदालत में दिखा, लेकिन इस बीच हिमाचल की अदालतों में कई कठघरे सिर्फ कोटखाई रिपोर्टिंग के खिलाफ खड़े हुए। उस वक्त की सुर्खियां आरोपों से घिर गईं और जो लोग कोटखाई अपराध के छींटों से बच रहे थे, वे भी मीडिया में गुनाह खोज रहे थे। कम से कम तीन-चार बड़े अखबारों के पत्रकार और संपादक, कोटखाई की सुर्खियों के कारण अभी अदालती मामलों से जूझ रहे हैं। हमने यह उल्लेख इसलिए किया कि अब प्रोफेशन की संगत में मीडिया की हैसियत को कोई भी कानूनी प्रक्रिया में उलझा सकता है। यह हिमाचल मीडिया के लिए भी एक ऐसी सूचना है, जहां कानून-व्यवस्था में उसकी भूमिका अंततः सफल हुई। तब अगर मीडिया अपना शिविर कोटखाई में न लगाता, अपनी संवेदना की पहचान न कराता, राजनीतिक माहौल में सत्ता के दबाव से दूर रहता, न तो सुर्खियां आज सबूत न बनतीं। कहना न होगा कि हिमाचल की पत्रकारिता को ऐसे फैसलों से हिम्मत मिलेगी, क्योंकि मीडिया को डराने-धमकाने या उसके ऊपर प्रभाव जमाने की ऐसी परिणति से मीडिया संस्कारों का उदय हो सकता है, लेकिन इससे मिले सबक भी सीखने होंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच-समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक होंगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है । जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत-सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते है जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 30 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:13 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 07:16 तक
योग : व्यतिपात सायं 06:33 तक
करण : गर सायं 05:40 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 06:35 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00

दिशाशूल : दक्षिण दिशा उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : गुप्त नवरात्र आरंभ , चन्द्रदर्शन , महात्मा गांधी पुण्यतिथि , पंचक आरंभ सायं 06:15 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों को सदन संचालन में सहयोगी बनने का किया आव्हान

विधानसभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधिगण अपने आचरण और व्यवहार से जन आकांक्षाओं के अनुकूल आदर्श प्रस्तुत करें। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सदन नियमों, परम्पराओं व मर्यादाओं से चलता है। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा है।

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र की बैठकें शुक्रवार 31 जनवरी से आरम्भ होगी। इससे पहले बुधवार को विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का सदन नये कलेवर में तैयार हो गया है। सदन को वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत टेब लगाकर तैयार कर दिया गया है। सदन में सार्थक चर्चा और राज्यपाल अभिभाषण को पक्ष और प्रतिपक्ष के सभी सदस्यगण शान्तिपूर्ण सुनने के लिए बैठक में सहमती बनी।

देवनानी ने कहा कि सदस्य सदन में मर्यादित व्यवहार करें और वैल में नहीं आएं। सभी सदस्यों को नियमों के अनुसार बोलने का मौका मिलेगा। विधान सभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले इसके लिए सभी दलों को सकारात्मक सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधान सभा के सभी सदस्यों की है।

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि सोलहवीं विधान सभा के 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब विधान सभा को प्राप्त हो गये है। देवनानी ने कहा कि यह शुभ लक्षण है। शेष रहे प्रश्नों के जवाब भी विधान सभा को शीघ्र प्राप्त हो जाएंगे। बैठक में विधान सभा को 90 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब प्राप्त होने के लिए विधान सभा अध्यक्ष द्वारा किये गये प्रयासों की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा नेता प्रतिपक्ष सहित सभी ने सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सभी दलों को चर्चा के लिए नियमानुसार समय आवंटित किया जायेगा।

आयुष्मान टॉवर में आग, चिकित्सा मंत्री ने घटनास्थल का लिया जायजा

निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा और सावधानी बरतने के दिए निर्देश

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर में आग लगने की सूचना पर आयुष्मान टॉवर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खींवसर ने आयुष्मान टॉवर में घटना स्थल पर पहुंचकर आगजनी की स्थिति को देखा और अधिकारियों से आग लगने के कारण एवं वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी ली। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.दीपक माहेश्वरी ने बताया कि निर्माणाधीन परिसर में काम आ रही सामग्री के पैकिंग मैटेरियल एवं कचरे आदि में वैल्डिंग के कार्य के दौरान चिंगारी से आग लग गई थी, जिसे तुरंत ही बुझा दिया गया था। आग से किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

चिकित्सा मंत्री ने वस्तु स्थिति का अवलोकन करने के बाद निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान सावधानी एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हो। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि आयुष्मान टॉवर के निर्माण में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

कनिष्ठ विधि अधिकारी को एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा बुधवार को कार्रवाई करते हुए प्रशान्त गुप्ता कनिष्ठ विधि अधिकारी, आवासन मण्डल जयपुर को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के पिता के नाम राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की विशिष्ट पंजीकरण योजना 2003 के अन्तर्गत इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा में आवास आवंटित हुआ था। पिता की मृत्यु पश्चात उक्त आवास का स्थानान्तरण परिवादी के नाम हो गया था उक्त अधिकारी द्वारा उक्त आवास का मांग पत्र जारी करने की एवज में 2,50,000 रुपए की रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आज ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी प्रशान्त गुप्ता कनिष्ठ विधि अधिकारी, आवासन मण्डल जयपुर को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए ट्रेप किया गया है एवं संदिग्ध अनिल पालीवाल उप सचिव आवासन मंडल जयपुर की भूमिका की जांच की जा रही है।

सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य हो : राज्यपाल

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सड़क सुरक्षा के लिए सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए कार्य किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने के लिए ड्राइवर प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने, सुरक्षित वाहन चलाने और इस संबंध में वाहन मालिकों को भी मानवीय पहलू रखते हुए चालकों के निश्चित समय पर विश्राम की व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने, ड्राइवर द्वारा आपात स्थिति में समझ रखते हुए सुरक्षा निर्णय लेने आदि पर भी जोर दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिए मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया।

बागडे बुधवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में सड़क सुरक्षा प्रबंधन और चुनौतियाँ विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षित यात्रा के लिए गाड़ी की स्पीड लॉक रखने और गति नियंत्रित रखने के साथ सुरक्षित सड़क प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोके जाने, दुर्घटनाग्रस्त की तत्काल सहायता और चिकित्सा व्यवस्था करने और इस सम्बन्ध में जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया है।

राज्यपाल ने आरंभ में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान मदद करने में संलग्न व्यक्तियों को देवदूत सम्मान से सम्मानित किया।

साइबर ठगी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर,29 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेशभर चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत हनुमानगढ पुलिस ने बडी कार्रवाई कर फर्जी फर्म बनाकर फर्म के नाम से फर्जी बैक अकांउट खोल इन म्यूल अकाउट्स मे 26 करोड रूपये का लेनदेन कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी अरशद अली ने बताया कि इनके पास से पुलिस ने विभिन्न बैकों खातो की 60 पासबुक व चैकबुक, 32 एटीएम व डेबिट कार्ड, 11 मोबाईल, 08 सिम, 07 रबड़ की फर्जी स्टाम्प मोहर एवं बैक सम्बंधी डॉक्यूमेंट बरामद किये है।

महिला हत्याकांड का पर्दाफाश, पति ही निकला कातिल

नूंह,29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में थाना बिछोर के अंतर्गत हाजीपुर गोहता गांव में मंगलवार-बुधवार की रात महिला सुन्नति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नूंह पुलिस की सीआईए टीम ने इस हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया है। महिला की हत्या का मुख्य आरोपी उसका पति इनायत ही निकला। इनायत ने पत्नी के चरित्र पर शक होने के कारण इस वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने इनायत को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया अवैध देसी तमंचा, एक खाली खोल व एक मोबाइल बरामद किया है। वहीं, हत्याकांड के दूसरे आरोपी को भी सीआईए पुन्हाना पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। हालांकि, मुठभेड़ में सीआईए पुन्हाना प्रभारी निरीक्षक संदीप मोर भी गोली लगने से घायल हो गए। उनके हाथ के अंगूठे में गोली लगी है। दूसरे आरोपी की पहचान शाकिर के रूप में हुई है। इनायत ने वारदात को अंजाम देने के लिए शाकिर से अवैध हथियार लिया था। शाकिर के खिलाफ अलग से थाना सदर पुन्हाना में केस दर्ज किया गया है। इससे पहले भी उसके खिलाफ 12 मुकदमे अपहरण, लूट, डकैती इत्यादि के दर्ज हैं।

पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप खत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि हाजीपुर गोहता गांव में हुए हत्याकांड के बाद पुलिस अधीक्षक नूंह विजय प्रताप के निर्देश पर पुलिस तेजी से जांच में जुटी थी। हत्याकांड के बाद सीआईए टीम ने शक के आधार पर पूछताछ के लिए मृतका के पति इनायत को ही हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस का शक सही साबित हुआ। सीआईए टीम के मुताबिक, इनायत को अपनी पत्नी सुन्नति पर किसी से अवैध संबंध को लेकर शक था। उसे रात में सिंचाई के दौरान हत्या का षड्यंत्र रचा। इनायत ने शाकिर से हत्या के लिए अवैध हथियार लिया था।

उन्होंने आगे बताया कि इनायत से पूछताछ के मुताबिक, पुन्हाना सीआईए प्रभारी संदीप मोर के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी शाकिर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शाकिर बाइक पर सवार होकर खेड़ला बिजली बोर्ड के रास्ते से तिरवाड़ा की तरफ जाने वाला था। सूचना के आधार पर पुलिस ने जुरहेड़ा सड़क नाले पर नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद बाइक पर सवार एक युवक आया। उसने नाकेबंदी को देखकर भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान गति तेज होने के कारण आरोपी की बाइक असंतुलित होकर गिर गई।

एसीबी की अम्बाला टीम ने एईटीओ को रिश्वत लेते पकड़ा

पंचकूला,29 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की अम्बाला टीम ने आज 29 जनवरी 2025 को दिनेश कुमार, ए.ई.टी.ओ. (आबकारी विभाग, कैथल) को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने रिछपाल, एक शिकायतकर्ता से 1,40,000/- रुपये रिश्वत के रूप में मांगे थे।

शिकायतकर्ता रिछपाल ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने और उसके दोस्त धर्मपाल ने वर्ष 2019-2020 के लिए गुहला हल्का में शराब के ठेके लिए आवेदन किया था। इसके लिए उन्होंने आबकारी विभाग में अपनी ज़मीन (6 कनाल 11 मरले) को सिक्योरिटी के रूप में जमा किया था। हालांकि, मैसर्ज धर्मपाल एण्ड कम्पनी द्वारा उपरोक्त अवधि की आबकारी फीस 7 करोड़ रुपये जमा नहीं की गई थी। इसके बाद, आबकारी विभाग ने शिकायतकर्ता की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई शुरू की थी। आगे बढ़ते हुए, दिनेश कुमार ने शिकायतकर्ता से उसकी संपत्ति को अटैच होने से बचाने के लिए 5,00,000/- रुपये रिश्वत की मांग की थी। हालांकि, दोनों के बीच समझौते के तहत रिश्वत की रकम को घटाकर 2 लाख रुपये तय किया गया। आरोपी ने पहले ही 60,000/- रुपये रिश्वत ले ली थी और अब वह 1,40,000/- रुपये की मांग कर रहा था। शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद, ए.सी.बी. ने अम्बाला टीम द्वारा पूरी कार्रवाई की। टीम ने रिछपाल को रिश्वत की राशि लेकर दिनेश कुमार के पास भेजा। आरोपी को कैथल के समाज कल्याण विभाग कार्यालय के सामने रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

बिजली बिल में अनाप-शनाप चार्ज जोड़कर आम जनता को लूट रही भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़,29 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि लगातार भाजपा सरकार जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाने में लगी है। बिजली की दरों में बढ़ोतरी करने के बाद अब जनता से नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर लूट की जा रही है। बिजली बिलों में नॉन एनर्जी चार्ज जोड़कर उपभोक्ताओं के पास उनकी रीडिंग से ज्यादा बिल भेजे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जितनी बिजली लोग उपभोग करते हैं, उससे भी दो गुना से ज्यादा चार्ज जोड़कर उन्हें बिल थमाए गए हैं। बिजली कनेक्शन लेते समय उपभोक्ता विभाग को सिक्योरिटी जमा करवाता है। इसके बावजूद अब नॉन एनर्जी चार्ज के नाम पर हो रही इस अतिरिक्त वसूली से जनता बेहद परेशान है। लोग अपने बिजली बिलों को दुरुस्त करवाने के लिए विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को कोई राहत देने के बजाय, भाजपा उन्हें परेशान करने के लिए नए-नए तरीके ढूंढती रहती है। पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट लगाना तो दूर, बीजेपी ने एक यूनिट भी बिजली उत्पादन नहीं किया। बावजूद इसके वो लगातार बिजली को महंगी करके जनता की परेशानी बढ़ा रही है। चंद दिन पहले ही सरकार ने 84 लाख बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 47 पैसे फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट के नाम पर लूटने का फरमान सुनाया था। इसके चलते 201 यूनिट बिजली खर्च होने पर प्रत्येक उपभोक्ता को 94.47 रुपये ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा।हुड्डा ने कहा कि सरकार बिजली को महंगा करने और एडवांस वसूली का खेल बंद करे। नहीं तो इसके खिलाफ कांग्रेस विधानसभा में आवाज उठाएगी।

भ्रष्टाचार में डूब रही है विकास कार्यों के लिए आई धनराशि

सरकार ले रही है कर्ज पर कर्ज : सैलजा

चंडीगढ़,29 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार भ्रष्ट अफसरशाही पर अंकुल लगाने में पूरी तरह से विफल रही है, विकास कार्यों के लिए आई धनराशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है, साथ ही जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए सरकार को कर्ज पर कर्ज लेना पड़ रहा है, कर्ज में पहले से आकंठ डूबा प्रदेश कर्ज के दलदल में और फंसता जा रही है, सरकार अपनी जान बचाने के लिए जनता पर और अधिक आर्थिक बोझ डाल रही है। सरकार को कोई भी नई घोषणा करने से पूर्व धन का प्रबंध करना होगा।

मीडिया को जारी बयान कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार कर्ज में डूबती जा रही है, हालात ये है कि कर्ज को उतारने के लिए और कर्जा लेना पड़ रहा है। वोट की खातिर सरकार वायदे पर वायदे करने से गुरेज नहीं करती और जब वायदों को पूरा करने की बात आती है कि धन की कमी के चलते पूरा नहीं कर पाती। अब नई गारंटियों और मुफ्त की योजनाओं को लागू करने के लिए सरकार को मंथन करना होगा। अगर संकल्प पूरा करने के लिए सरकार कर्ज नहीं लेती तो यह जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगी, अगर जनता की जेब से पैसा निकालकर जनता को ही देना है तो भाजपा ऐसी झूठी घोषणाएं कर जनता को गुमराह क्यों करती है।

गैंगस्टर काला जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी का तिहाड़ प्रशासन पर गंभीर आरोप

सोनीपत,29 जनवरी (एजेंसियां)। गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और अपने पति की हत्या होने की आशंका जताई है। अनुराधा का आरोप है कि उसके पति पर जेल में कुछ दिनों पहले हमला हुआ था।

दरअसल, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सरगना संदीप उर्फ काला जठेड़ी के बैरक से 21 जनवरी को एक फोन बरामद हुआ था। इस पर अनुराधा ने कहा कि जेल प्रशासन के लोग अपने काले कारनामे को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैंने जेल डीजी का वर्जन सुना है। मैं यह पूछना चाहती हूं कि मोबाइल मिलना कितनी बड़ी बात है, उसकी सजा कितनी होती है। जो आदमी मकोका और यूपीए का ट्रायल फेस कर रहा हो, उसके लिए मोबाइल केस की सजा क्या मायने रखती है।अनुराधा ने कहा कि डीएस संजय कह रहे हैं कि उनकी ऊपर तक पहुंच है। उन्होंने कहा कि लोकल थाना हरिनगर कभी भी आपकी शिकायत नहीं लिखेगा।

जसबीर सिंह, कानूनगो को भ्रष्टाचार मामले में 5 साल की सजा

पंचकूला,29 जनवरी (एजेंसियां)। माननीय अदालत अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, जीन्द ने हल्का गतौली, जिला जीन्द के कानूनगो जसबीर सिंह को भ्रष्टाचार के आरोप में 5 साल की सजा सुनाई है।

शिकायतकर्ता हरिओम ने 02 जून 2022 को ए.सी.बी. करनाल में शिकायत दर्ज कराई थी कि गांव गतौली में अपनी कृषि भूमि के कमउंतबंजपवद (सरहदबंदी) के मामले में जसबीर सिंह, कानूनगो ने उनसे 5,000/- रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के आधार पर ए.सी.बी. करनाल की टीम ने 02 जून 2022 को जसबीर सिंह को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस मामले में धारा 7 भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

मौनी अमावस्या पर सभी 13 अखाड़ों ने सादगी के साथ त्रिवेणी में लगाई डुबकी

शंकराचार्यों ने भी लगाई संगम में पुण्य डुबकी, श्रद्धालुओं से संयम रखने की अपील

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान पर्व सम्पन्न हो गया। मौनी अमृत स्नान पर्व पर घटी घटना के बाद अखाड़ों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान करने का अवसर दिया और बाद में सांकेतिक रूप से अमृत स्नान किया।

त्रिवेणी के तट पर लगे आस्था के महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान पर्व संपन्न हो गया। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर शाम 6 बजे तक करोड़ों लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई।

महाकुंभ में घटी घटना के बाद अखाड़ों के संतों ने संवेदनशीलता दिखाई। यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा संन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ दी। परिस्थिति को देखते हुए अखाड़ों ने अपने ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर दिया और श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि सर्वसम्मति से सभी अखाड़ों ने निर्णय लिया कि हालात को देखते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान का अवसर दिया जाय। स्थिति सामान्य होने पर अखाड़ों ने अपनी भव्य अमृत स्नान की परम्परा का त्याग कर दिया और सांकेतिक रूप से स्नान कर परम्-परा का निर्वहन किया।

प्रयागराज महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान में मौनी अमावस्या पर देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने भी त्रिवेणी के संगम में डुबकी लगाई।

शंकराचार्य ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने मौनी अमावस्या अमृत स्नान पर्व पर त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाई।

तीनों पीठ के शंकराचार्य मोटर बोट के माध्यम से त्रिवेणी संगम पहुंचे, जहां पूरे धार्मिक विधि विधान से तीनों ने पुण्य की डुबकी लगाई और देश की जनता के कल्याण के लिए आशीष दिया।

पुलिस प्रशासन ने महाकुंभ भगदड़ को भड़कने से रोका

सुव्यवस्थित रेस्क्यू को दिया अंजाम

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर प्रयागराज के संगम तट पर मध्य रात्रि से ही करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे थे। यही नहीं, बड़ी संख्या में एक दिन पहले से ही श्रद्धालु संगम तट पर डटे हुए थे। इससे घाटों पर भीड़ अनियंत्रित हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भीड़ के दबाव के चलते भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने घटना के बाद जिस तेजी से हालातों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया वह वाकई यूपी की पुलिस फोर्स के प्रोफेशनलिज्म को दर्शा रहा है। यूपी पुलिस के जवानों के क्विक रिस्पांस की वजह से बहुत बड़ा हादसा सीमित कर दिया गया। हादसे में फंसे प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि पुलिस के जवान हम लोगों के लिए भगवान के दूत बन कर आए, नहीं तो बड़ी संख्या में जानें जा सकती थीं।

प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के महापर्व पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम तट पर मौजूद थे। अमृत स्नान के उत्साह और भीड़ के भारी दबाव के चलते रात्रि में भगदड़ जैसी स्थित बन गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि लेकिन प्रशासन ने तत्काल स्थित पर नियंत्रण करते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। पुलिस प्रशासन और आरएएफ के जवानों ने रस्से डाल कर भीड़ को नियोजित किया। पुलिस के सभी बड़े अधिकारियों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रण में लिया। आईजी प्रेम कुमार और मेला एसएसपी राजेश द्विवेदी ने घटना स्थल पर पहुंच कर करोड़ों की संख्या में संगम स्थल पर मौजूद स्नानार्थियों को अलग रास्तों से रवाना कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि महाकुंभ में यूपी पुलिस जीतोड़ मेहनत कर रही है। हर संभव स्तर पर श्रद्धालुओं को मदद करने में लगी है। यूपी पुलिस का एक-एक जवान 10-12 घंटे खड़े होकर लोगों की हेल्प कर रहा है। लोगों का गुस्सा झेलते हैं, लेकिन तमाम एहतियात इसलिए बरते जा रहे हैं ताकि अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। रूट डायवर्जन इसी का हिस्सा है। प्रशासन का लगातार यही प्रयास रहा कि जो श्रद्धालु जिस तरफ से आएं, उसी तरफ के घाट पर स्नान करें। संगम पर सभी को स्नान नहीं कराया जा सकता, ये बात पब्लिक को भी समझनी होगी।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

अमृत स्नान पर्व पर सभी घाटों और अखाड़ों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर बुधवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे अखाड़ों के साधु, संतों, नागाओं और श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। पुष्प वर्षा के लिए उद्यान विभाग ने 25 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की थी।

मौनी अमावस्या पर अयोध्या में दिखा आस्था का महासागर

72 घंटे में अयोध्या पहुंचे 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु

अयोध्या, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या पर अयोध्या में श्रद्धालुओ का सैलाब उमड़ पड़ा। मौन रहकर भोर में ही श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान किया। इसके बाद श्रीराम के जयकारों से अयोध्या धाम गुंजायमान हो गया। देर शाम तक अयोध्या श्रद्धालुओं से पटी नजर आई। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी के बाहर देर रात तक। श्रद्धालु कतारबद्ध दिखे। जानकारों का कहना है कि पिछले 72 घंटे में 50 लाख से भी अधिक श्रद्धालु राम नगरी पहुंच चुके हैं। आने वाली वसंत पंचमी तक श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी रहेगा।

प्रयागराज के महाकुंभ की भीड़ का रेला अब अयोध्या की तरफ बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले से ही ऐसी संभावना जताते हुए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया था, जिसके बाद सभी विभागों के प्रमुख

सचिवों ने जिले के अधिकारियों के साथ भीड़ प्रबंधन को लेकर तमाम बंदोबस्त कर लिए थे। नतीजा यह रहा कि बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु दर्शन-पूजन करने के बाद लौट जा रहे हैं। सीएम योगी ग्राउंड जीरो से अयोध्या पर नजर बनाए हुए हैं।

मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू के घाटों पर डुबकी लगाई। वहीं चौधरी चरण सिंह घाट पर स्नान करते दिखे श्रद्धालु। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सीधे मन्दिरों का रुख किया। श्रद्धालु सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंच रहे हैं। इसके बाद रामलला के दर्शन को पहुंच रहे हैं। हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए श्रृंगार हाट से लेकर मंदिर परिसर तक भारी भीड़ जमा है। यही हाल राम मंदिर का भी है। अयोध्या धाम में भीड़ बढ़ने के बाद व्यापार में जबरदस्त इजाफा हुआ है। लड्डू प्रसाद कारोबारियों से लेकर होटल कारोबारियों को मुनाफा भी हो रहा है। होम स्टे संचालकों को भी निकल पड़ी है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सेहत का ख्याल रखने के लिए विशेष इंतजाम किये गए हैं। अयोध्या धाम में पहुंची भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग भी मुस्तैद हो गया है। वसंत पंचमी तक के लिए सभी चिकित्सकों की छुट्टियां रद कर 24 घन्टे आकस्मिक सेवाओं को चालू रखने का निर्देश दिया गया है। सीएमओ डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि 13 जगहों पर आस्थायी स्वास्थ्य शिविर का संचालन 26 फरवरी तक जारी रहेगा। वहीं आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि भीड़ को देखते हुए यातायात डायवर्ट किया गया है। हाईवे पर बड़े वाहनों को रोका गया है।

भारी भीड़ को देखते हुए अयोध्या धाम के आश्रय स्थलों में ठहरने वालों की संख्या बढ़ा दी गई है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। एडीजी जोन लखनऊ एसबी शिरोडकर भी बुधवार को तैयारियों के मद्देनजर अयोध्या पहुंच गए। स्नान के दौरान पहुंच रहे श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ डीआईजी दे-वीपाटन मंडल अमित पाठक भी मौजूद रहे। वहीं मंडलायुक्त गौरव दयाल व आईजी प्रवीण कुमार ने कंट्रोल रूम से प्रमुख स्थलों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद जिले के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के लिए दिन रात एक कर दिया है। मण्डलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, एसएसपी राजकरण नैयर व नगर आयुक्त संतोष शर्मा दिन के अलावा रात में भी मेला क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। रात 10 बजे के बाद से अधिकारी ढाई बजे तक सड़कों पर दिखाई पड़ते हैं। महाकुंभ में स्नान कर नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सबसे कम उम्र की सांसद विनीता कठायत परिवार के साथ राम लला का दर्शन करने पहुंचीं। उन्होंने पीएम मोदी व सीएम योगी को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि वह मुख्यमंत्री से मिलने के लिए लखनऊ भी जाएंगी। नेपाल और भारत के संबंधों के साथ-साथ नेपाल और उत्तर प्रदेश संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बातचीत करेंगी। महाकुंभ में अच्छी व्यवस्थाओं को लेकर सीएम योगी को धन्यवाद दिया

सपा नेता के भाई के खेत में आलू के बीच फटने लगे बम

धमाके में लहूलुहान हो गए दो मासूम

मुरादाबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

मुरादाबाद के पाकबड़ा के करनपुर गांव के पास मंगलवार की शाम को सपा नेता वाजिद हुसैन के भाई शाहीन के खेत में एक के बाद एक कई बम ब्लास्ट हुए। इस दौरान खेत में आलू बीन रहे दो बच्चे घायल हो गए। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। फॉरेंसिक टीम और बम निरोधक दल भी मौके पर पहुंच गए और जांच पड़ताल की। पुलिस ने खेत में सर्च अभियान भी चलाया।

पाकबड़ा थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी सपा नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख वाजिद हुसैन के छोटे भाई शाहीन हुसैन का खेत गांव के पास है। शाहीन ने खेत में इस बार आलू की फसल लगाई थी। आलू की फसल समाप्त होने के बाद खेत की जुताई कर दी थी। इसके बाद भी खेत में जगह-जगह आलू रह गए थे। उसको बीनने के लिए करनपुर निवासी विजय पाल सिंह कश्यप का 11 वर्षीय बेटा कुलदीप सिंह और

अमित जाटव का 9 वर्षीय बेटा रॉबिन गांव के अन्य बच्चों के साथ खेत में गए थे।

बच्चे आलू को इकट्ठे करने लगे। इसी दौरान अचानक बच्चों के हाथ में खेत में प्लास्टिक की थैली में छिपा कर रखा सामान मिल गया। बच्चों ने थैली उठा ली और उसे खोलकर देखने लगे। उन्होंने देखा कि थैली के अंदर बम हैं। बच्चों ने उसे फेंक दिया। इसी दौरान एक के बाद ब्लास्ट होने शुरू हो गए। ब्लास्ट की आवाज सुनकर आस पड़ोस के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि कुलदीप और रॉबिन लहूल-हान हालत में पड़े हैं। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चों के परिवारों में चीख पुकार मच गई और वह भी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और फॉरेंसिक टीम के अलावा बम निरोधक दल को भी मौके पर बुला लिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि दो बच्चे घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बम खेत में कहां से आए, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

खेत में बम ब्लास्ट की घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गांव में चारों ओर पुलिस तैनात कर दी गई है। जिस खेत में ब्लास्ट हुआ है, उसके आसपास के खेतों में भी लोगों के आने जाने पर रोक लगा दी गई है। फोरेंसिक टीम और बम निरोधक दल ने शाहीन के खेत के अलावा आस पड़ोस के खेतों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया है। संवाद

पूर्व ब्लॉक प्रमुख वाजिद हुसैन के भाई शाहीन ने इस खेत को संभल के आलू कारोबारियों को किराये पर दिया था। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि संभल के लोगों के साथ इस पर पूर्व ब्लाक प्रमुख के भाई खेती करते हैं। इस मामले में सच क्या है, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा, लेकिन पुलिस खेत, बम और संभल कनेक्शन की जांच कर रही है।

कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के दौरान भी परिवार के खिलाफ खाद्य विभाग के अधिकारियों ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला : पीजी मेडिकल कोर्सेस में डोमिसाइल आधारित आरक्षण

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है, जिसमें उसने मेडिकल कॉलेजों में पोस्टग्रेजुएट (पीजी) कोर्सेस के लिए डोमिसाइल आधारित आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया। यह फैसला देशभर में मेडिकल एडमिशन के लिए आरक्षण व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला है। कोर्ट ने कहा कि यह आरक्षण व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14, यानी समानता के अधिकार का उल्लंघन करती है।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ, जिसमें जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टि शामिल थे, ने इस फैसले में स्पष्ट किया कि भारत में केवल एक डोमिसाइल है और वह है – हम सभी भारतीय हैं।

कोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिकों को अपने देश के किसी भी हिस्से में निवास करने, व्यापार करने और पेशेवर कार्य करने का अधिकार है, और यह अधिकार शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के संदर्भ में भी लागू होता है। डोमिसाइल आधारित आरक्षण, विशेष रूप से पोस्टग्रेजुएट स्तर पर, इस मौलिक अधिकार को बाधित करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेकर अहम दृष्टिकोण दिया कि जबकि अंडरग्रेजुएट (एमबीबीएस) प्रवेश में डोमिसाइल आधारित आरक्षण की कुछ सीमा तक अनुमति हो सकती है, पोस्टग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेस में यह लागू नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीजी कोर्सेस में उच्च स्तर की विशेषज्ञता और कौशल की आवश्यकता होती है, इसलिए डोमिसाइल आधारित आरक्षण के कारण इन कोर्सेस में प्रवेश पर कोई असंवैधानिक प्रतिबंध नहीं होना चाहिए।

यह फैसला उन छात्रों के लिए राहत की बात है, जो पहले से डोमिसाइल आधारित आरक्षण के तहत पीजी मेडिकल कोर्स में दाखिला ले चुके हैं या जिन्होंने अपनी पीजी मेडिकल शिक्षा पूरी कर ली है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यह निर्णय भविष्य के दाखिलों को प्रभावित करेगा, लेकिन वर्तमान में जो छात्र पीजी कोर्स कर रहे हैं, उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

यह मामला 2019 में डॉ. तन्वी बेहल बनाम श्रेयी गोयल और अन्य के संदर्भ में शुरू हुआ था, जब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डोमिसाइल आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद, इस फैसले के खिलाफ अपील की गई और सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक बड़ी पीठ का गठन किया। अब इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि मेडिकल क्षेत्र में डोमिसाइल आधारित आरक्षण की सीमाएं क्या होनी चाहिए, खासकर पीजी स्तर पर।

छत्तीसगढ़ : पत्नी के अवैध संबंध के संदेह में पति ने कार में किया विस्फोट, गिरफ्तार

दुर्ग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पत्नी के अवैध संबंध के संदेह में पति ने उसके कथित प्रेमी को डराने के लिए कार में विस्फोट कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पति को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, पति ने कार में विस्फोट करने के लिए यूट्यूब देखकर बच्चों के खिलौने वाले रिमोट और पटाखों का इस्तेमाल किया था।अधिकारियों ने बताया कि जिले के भिलाई शहर में मंगलवार को रियल स्टेट कारोबारी संजय बुंदेला की कार को बम से क्षतिग्रस्त करने के आरोप में पुलिस ने देवेन्द्र सिंह नाम के व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि मंगलवार को भिलाई के रहने वाले संजय बुंदेला ने सुपेला थाने को सूचना दी कि शहर के इंदु आईटीआई के करीब उसका कार्यालय है।अधिकारियों के मुताबिक, संजय ने बताया कि कार्यालय के सामने उसकी डस्टर कार खड़ी थी, जिसमें शाम लगभग छह बजे विस्फोट हुआ और कार क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बुंदेला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली तथा कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के संबंध में जानकारी एकत्र की। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान संदिग्ध का हुलिया बुंदेला के कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रबंधक के पति देवेंद्र सिंह से मिलता जुलता पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने देवेंद्र सिंह से पूछताछ की और जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तब उसने अपना गुनाह कबूल लिया।

इसरो का शतक : श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ15 का सफल प्रक्षेपण

यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण : जितेंद्र सिंह

श्रीहरिकोटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सुबह 6:23 बजे एनवीएस-02 के साथ अपने जीएसएलवी-एफ15 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो इसरो के 100वें रॉकेट मिशन को चिह्नित करता है। यह मिशन अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन के लिए भी पहला है, जिन्होंने हाल ही में पदभार संभाला है। यह इसरो का इस साल का पहला उद्यम है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि हर भारतीय को गौरवान्वित करती है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष विशेषज्ञों की वैज्ञानिक कौशल, क्षमताओं और क्षमताओं पर भी गर्व है, और साथ ही, मैं पीएम मोदी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए संरक्षण के लिए सक्षम माहौल का भी आभारी हूं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से एक लंबी छलांग लगी है और यह बुनियादी ढांचे और निवेश दोनों के मामले में है।

पिछले 50 वर्षों में इसरो के विकास की गति वैसी नहीं रही जैसी होनी चाहिए थी। पिछले 10 साल में तीसरे और बड़े लॉन्चिंग पैड पर काम शुरू होने वाला है।

सिंह ने कहा कि तमिलनाडु के तूतीकोरिन में एक और स्थान की पहचान की गई है जहां फरवरी 2024 में पीएम मोदी ने आधारशिला रखी थी। विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण से भारी राजस्व हो रहा है। अमेरिकी उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ, इसरो ने लगभग 172 मिलियन डॉलर की कमाई की है, और यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ, इसरो ने 292 मिलियन यूरो की कमाई की है। इन सभी उपग्रहों में से 90% से अधिक उपग्रह केवल पिछले 10 वर्षों में लॉन्च किए गए हैं। कुल अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8 अरब डॉलर से अधिक की है और यह वृद्धि इतनी तेज है और इतनी गति से हो रही है कि अगले 7-8 वर्षों में, हम 5 गुना अधिक बढ़कर लगभग 44 अरब डॉलर तक पहुंच सकते हैं। जैसे-जैसे हम 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था समग्र भारत की विकास कहानी का एक महत्व-पूर्ण घटक बनकर उभर सकती है।

श्री नारायणन ने सफल प्रक्षेपण के बाद अपने संबोधन में कहा कि उपग्रह को आवश्यक (जीटीओ) कक्षा में सटीक रूप से स्थापित किया गया था। यह मिशन 100वां प्रक्षेपण है जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने वाला पहला बड़ा रॉकेट 10 अगस्त, 1979 को सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएलवी) था और अब लगभग 46 साल बाद अंतरिक्ष विभाग ने शतक पूरा कर लिया है। अब तक श्रीहरिकोटा में सभी बड़े रॉकेट लॉन्च भारत सरकार द्वारा ही किए गए हैं।

जम्मू कश्मीर के आठ जिलों में सुरक्षा बलों का अभियान तेज

33 इलाकों में आतंकियों को खोजो और मारो

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों के बाद पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों ने जम्मू कश्मीर के आठ जिलों के 33 इलाकों में आतंकियों के खिलाफ खोजो और मार डालो अभियान तेज कर दिया है। इनमें मुख्य रूप से नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ ऊंचे इलाकों और जंगली इलाकों को शामिल किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इन अभियानों का उद्देश्य पिछले साल संभाग में कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी नेटवर्क को खत्म करना है। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अभियान में शामिल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बीच घनिष्ठ समन्वय के नतीजे मिल रहे हैं और हम आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना था कि राजौरी और पुंछ जिले आतंकी गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आतंकियों ने 2024 में छह अन्य जिलों रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर और जम्मू में भी अपनी पैठ बना ली है।

इन जिलों में आतंकी घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को चिंतित कर दिया। इन हमलों में 44 लोगों की जान गई थी। इनमें 18 सुरक्षाकर्मी, 13 आतंकवादी और 14 नागरिक शामिल हैं। इसी तरह आतंकी हिंसा में शिव खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर लक्षित हमला शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप सात नागरिक मारे गए, साथ ही उधमपुर और किश्तवाड़ में तीन ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) की हत्या भी हुई। पिछले साल की हिंसा आतंकी समूहों की बदलती रणनीति को दर्शाती है, जो अब व्यापक भौगोलिक क्षेत्र में शांति को बाधित करने का लक्ष्य बना सकते हैं। हम उन्हें वह स्थान न देने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। वर्तमान में, 33 स्थानों पर तलाशी अभियान चल रहा है, जिसमें चिनाब घाटी किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में फैली हुई है दस सक्रिय तलाशी स्थलों के साथ प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रही है। राजौरी और पुंछ में अन्य सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जबकि उधमपुर में तीन, रियासी में दो और जम्मू जिले में एक अभियान चल रहा है।

गृह मंत्रालय ने गर्मियों की शुरुआत से पहले जम्मू क्षेत्र में सक्रिय 40 से 50 आतंकियों को खत्म करने के लिए समन्वित निरंतर अभियान शुरू करने का निर्देश दिया था जिससे आतंक मुक्त जम्मू कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सके। जम्मू क्षेत्र के आठ जिलों में चल रहे व्यापक सुरक्षा अभ्यास के पीछे के औचित्य को समझाते हुए बताया कि इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, 26 जनवरी के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी शुरू की गई है, जो कि जम्मू क्षेत्र में गर्मियों से पहले लगातार आतंकी खतरों को खत्म करने के लिए एमएचए के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप है।

पहलगाम में भी लीजिए गंडोला सवारी का मजा

जम्मू, 29 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर के सबसे प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में अत्याधुनिक गंडोला सेवा शुरू होने जा रही है, जिसे प्रसिद्ध गुलमर्ग गंडोला से टक्कर लेने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रस्तावित केबल कार परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को बढ़ाना और साल भर, खासकर सर्दियों के महीनों में पर्यटकों को आकर्षित करना है।

प्रस्तावित गंडोला मार्ग लगभग 2 किलोमीटर तक फैला होगा, जो यात्री निवास को बाई सरन के सुंदर मैदान से जोड़ेगा, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और घने देवदार के जंगलों से घिरा हुआ है। जम्मू कश्मीर पर्यटन विकास निगम के एक अधिकारी ने इसके प्रति खुलासा करते हुए बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अपने अंतिम चरण में है, जिसके निदेशक मंडल द्वारा जल्द ही निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। जबकि वन और अन्य संबंधित विभागों से कुछ अनापत्ति प्रमाण पत्र अभी भी लंबित हैं, प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास चल रहे हैं। पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई परियोजना यह सुनिश्चित करती है कि निर्माण के दौरान कोई वनों की कटाई न हो।

पर्यटन अधिकारी ने बताया कि कि सर्दियों के खेल और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अरु घाटी के लिए एक ड्रैग लिफ्ट की योजना भी बनाई गई है, जो साहसिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में क्षेत्र की अपील को और बढ़ाएगी। वे बताते थे इन पहलों से पहलगाम को साल भर के पर्यटन स्थल में बदलने की उम्मीद है। होटल व्यवसायियों और ट्रैवल एजेंटों सहित स्थानीय हितधारकों ने इस कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया है।

स्थानीय होटल व्यवसायी उजैर अहमद कहते हैं कि पहलगाम में गर्मियों के दौरान पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन सर्दियों के महीनों में इसमें काफी गिरावट देखी जाती है। गंडोला और ड्रैग लिफ्ट जैसी सुविधाएं पूरे साल पहलगाम को जीवंत बनाए रखेंगी। क्षेत्र के अधिकांश होटलों में वर्तमान में केंद्रीय हीटिंग सिस्टम की कमी है, क्योंकि कई सर्दियों के दौरान पर्यटकों की कम संख्या के कारण बंद रहते हैं। अहमद के मुताबिक, अगर सर्दियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ती है, तो होटल व्यवसायी सुविधाओं को अपग्रेड कर सकते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

यही नहीं स्थानीय अधिकारियों और हितधारकों द्वारा गंडोला परियोजना को पहलगाम के लिए गेम-चेंजर के रूप में वर्णित किया जा रहा है। इससे पर्यटकों को एक वैकल्पिक साहसिक स्थल प्रदान करके गुलमर्ग में भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है, जबकि पहलगाम को गर्मियों और सर्दियों दोनों गतिविधियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। अरु घाटी में ड्रैग लिफ्ट का उद्देश्य विशेष रूप से शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देना, साहसिक उत्साही लोगों को आकर्षित करना और भविष्य में संभावित खेल आयोजनों की मेजबानी करना है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से पहलगाम में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, खासकर सर्दियों के महीनों के दौरान।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट के साथ सम्पन्न हुआ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों का सिलसिला बुधवार शाम विजय चौक पर सैन्य टुकड़ियों के बीटिंग रिट्रीट के साथ सम्पन्न हो गया।

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस बार बीटिंग रिट्रीट समारोह में सेना के तीनों अंगों, थल सेना, नौसेना और

वायु सेना तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ने कदमताल करते हुये, 30 धुनें बजाईं। समारोह के लिये चुनी गयीं सभी धुनें स्वदेशी हैं।

समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों के साथ आम जनता शामिल हुई।

समारोह की शुरुआत, सामूहिक बैंड की धुन कदम कदम बढ़ाये जा से हुई। उसके बाद पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड अमर भारती, इंद्रधनुष, जय जन्म भूमि, नाटी इन हिमालयन वैली, गंगा जमुना और वीर सियाचिन' जैसी मनमोहक धुनें बजायी गयीं। केन्द्रीय पुलिस बलों के बैंड कर्णप्रिय विजय भारत, राजस्थान ट्रूप्स, ऐ वतन तेरे लिए और भारत के जवान धुनें बजाई गयीं। विज्ञप्ति के अनुसार, वायुसेना का बैंड गैलेक्सी राइडर, स्ट्राइड, रुबरू और मिलेनियम फ्लाइट फैंटेसी जैसे धुनें, नौसेना का बैंड राष्ट्रीय प्रथम, निषक निष्प्द, आत्मनिर्भर भारत, स्वतंत्रता का प्रकाश फैलाओ, रिदम ऑफ द रीफ और जय भारती और थल सेना का बैंड वीर सपूत, ताकत वतन, मेरा युवा भारत, ध्रुव तथा फौलाद का जिगर जैसी धुनें बजायी गयीं। इसके बाद, सभी बैंड सामूहिक रूप से प्रियम भारतम, ऐ मेरे वतन के लोगों और ड्रमर्स कॉल की धुनें बजायी गयीं। कार्यक्रम का समापन बिगुल वादकों द्वारा बजाई जाने वाली सदाबहार लोकप्रिय धुन सारे जहां से अच्छा के साथ हुआ। इस बार के बीटिंग रिट्रीट समारोह के मुख्य संचालक कमांडर मनोज सेबेस्टियन थे। थल सेना बैंड के संचालक सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) बिशन बहादुर थे, जबकि एम एंटनी, एमसीपीओ एमयूएस द्वितीय और वारंट ऑफिसर अशोक कुमार ने क्रमशः नौसेना और वायु सेना के बैंड का संचालन किया। केन्द्रीय पुलिस बलों के बैंड के संचालक हेड कांस्टेबल जीडी महाजन कैलाश माधव राव थे। 'पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड' का संचालन सूबेदार मेजर अभिलाष सिंह ने किया, जबकि बिगुल बैंड की प्रस्तुति का नेतृत्व नायब सूबेदार भूपाल सिंह ने किया। गणतंत्र दिवस परेड के लिये सैन्य बलों और केन्द्रीय पुलिस बलों की टुकड़ियां राजधानी में अभ्यास के लिये करीब महीने भर पहले आ जाती हैं।

अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने

विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण हेतु 3,027.86 करोड़ मंजूर किए

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) ने विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के लिए 3,027.86 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने 10 राज्यों के 50 भारी बिजली गिरने वाले जिलों में बिजली गिरने के जोखिम को कम करने के लिए बिजली सुरक्षा पर शमन परियोजना और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से वित्त पोषण के लिए

12 सर्वाधिक सूखा प्रभावित राज्यों के 49 जिलों को उत्प्रेरक सहायता के प्रस्तावों पर विचार किया। उच्च स्तरीय समिति ने 12 सर्वाधिक सूखा प्रभावित राज्यों को कुल 2,022.16 करोड़ रुपए की उत्प्रेरक सहायता के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी है, जिसमें से केंद्र का हिस्सा 1,200 करोड़ रुपए होगा।

समिति ने 10 राज्यों - आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल - में 186.78 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय पर बिजली सुरक्षा पर शमन परियोजना को भी मंजूरी दी है।

गृह मंत्री ने 19 राज्यों के 144 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में कार्यान्वयन के लिए वन अग्नि जोखिम प्रबंधन के लिए शमन योजना को भी मंजूरी दी है, जिसका कुल परिव्यय 818.92 करोड़ रुपए है, जिसमें से एनडीएमएफ और एनडीआरएफ का केंद्रीय हिस्सा 690.63 करोड़ रुपए होगा।

योजना का प्राथमिक उद्देश्य देश में वन अग्नि प्रबंधन दृष्टिकोण को बदलने के लिए शमन परियोजना को लागू करना है ताकि महत्वपूर्ण वन अग्नि रोकथाम और शमन गतिविधियों को मजबूत किया जा सके और उनका समर्थन किया जा सके।

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र, मिजोरम, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तराखंड राज्य वन अग्नि के शमन, वन अग्नि प्रतिक्रिया की तैयारी के साथ-साथ आग के बाद के आकलन और पुनर्प्राप्ति के लिए आवश्यक गतिविधियों को शुरू करने के लिए अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। सात प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण परियोजनाएं, जिनका कुल व्यय 3,075.65 करोड़ रुपए है, चार राज्यों में जीएलओएफ जोखिम प्रबंधन, जिसका कुल व्यय 150 करोड़ रुपए है, तथा 15 राज्यों में भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण, जिसका कुल व्यय 1,000 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्यों को 24,981 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 27 राज्यों को 17,479.60 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपए, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 13 राज्यों को 1,973.55 करोड़ रुपए तथा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपए शामिल हैं।

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन-मंथन का उद्घाटन करने के बाद हथकरघा क्षेत्र से आधुनिकता, परंपरा और नवीनता के साथ प्रीमियम बाजारों को लक्षित करने का आग्रह किया।

उन्होंने हथकरघा बुनकर ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि उभरते ई-कॉमर्स बाजार को लक्षित करने के लिए हथकरघा उत्पादों की टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रकृति, प्राकृतिक रंगाई, जैविक फाइबर के लाभ और हथकरघा उत्पादों के डिजाइन की विशिष्टता के बारे में व्यापक जागरुकता पैदा करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक ई-कॉमर्स के 325 अरब डॉलर का बाजार बनने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने संगठित या कॉरपोरेट क्षेत्र में कार्यरत कपड़ा उद्योग से हथकरघा बुनकरों के लिए सामाजिक सुरक्षा और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए एक मॉडल विकसित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कपड़ा मंत्रालय कॉरपोरेट्स, उत्पादक कंपनियों, स्टार्ट-अप्स के लिए पुरस्कार शुरू करेगा, जो हथकरघा उद्योग के लिए ऐसा मॉडल तैयार करेगा और हथकरघा बुनकरों को साल में न्यूनतम 300 दिन का स्थायी रोजगार प्रदान करेगा। केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हथकरघा उत्पाद हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत के जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने हथकरघा उद्योग को एक जीवंत क्षेत्र के रूप में पुनर्जीवित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला जो युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए उचित आय प्रदान करता है। कपड़ा मंत्रालय के सचिव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कॉन्क्लेव-मंथन एक चिंतन शिविर है, जो विपणन अवसरों की उपलब्धता और हथकरघा बुनाई से युवाओं के पलायन के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए हितधारकों के साथ संवाद स्थापित करने का मंत्रालय का एक प्रयास है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान के बीच तालमेल बनाने पर भी बल दिया।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी इंडिया को तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपए का मुनाफा
अकटूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमआईएस) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 16 फीसदी बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 3,207 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 38,764 करोड़ रुपये हो गई, जो विगत वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 33,513 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सुजुकी मोटर गुजरात को मोटर वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी में विलय करने की योजना को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने हिसाशी ताकेउची को 1 अप्रैल, 2025 से तीन वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

एमएनआरई ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अधिसूचित किया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सौर फोटोवोल्टिक उत्पादों के लिए संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है। यह संशोधित आदेश प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद प्रभावी होगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) अधिनियम, 2016 के तहत 27 जनवरी को अधिसूचित राजपत्र में मौजूदा सौर फोटोवोल्टिक्स, प्रणाली, उपकरण और घटक वस्तु (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं) आदेश, 2017 को संशोधित किया गया है। इस आदेश में सौर पीवी मॉड्यूल, सौर पीवी अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले इनवर्टर और स्टोरेज बैटरी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि अधिक जानकारी एमएनआरई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ली जा सकती है। संशोधित आदेश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, जो प्रकाशन की तारीख से 180 दिनों के बाद लागू होगा। संशोधित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश सभी संबंधित हितधारकों-सौर पीवी मॉड्यूल निर्माताओं, इन्वर्टर निर्माताओं, भंडारण बैटरी निर्माताओं, उत्पादों के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) और बीआईएस के साथ 24 महीने से अधिक समय तक उचित परामर्श के बाद अधिसूचित किया गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में सीमित कारोबार

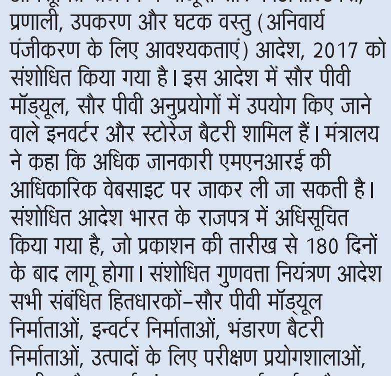

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सीमित कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों पर फैसला लेने वाला है। फेडरल रिजर्व के फैसले के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,065.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 377.28 अंक यानी 1.95 प्रतिशत उछल कर 19,719.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,892.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में मजबूती बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को 1 दिन में 7.94 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

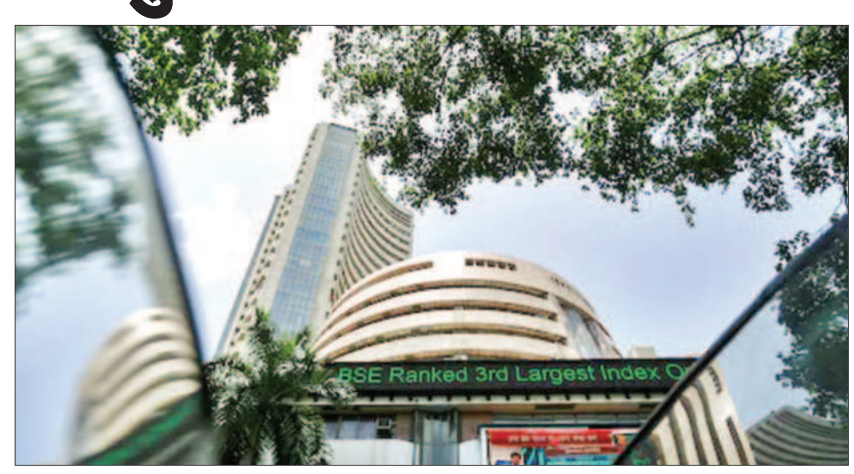

मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जोरदार तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 416.94 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 7.94 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,082 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,979 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,009 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 406 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 236.83 अंक की तेजी के साथ 76,138.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 75,975.80 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार जारी खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 698.32 अंक की मजबूती के साथ 76,599.73 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 631.55 अंक की बढ़त के साथ 76,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 69.50 अंक उछल कर 23,026.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 50 अंक लुढ़क कर 22,976.50 अंक तक आ गया, लेकिन इसके बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार जारी लिवाली के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 226.10 अंक की मजबूती के साथ 23,183.35 अंक तक पहुंच गया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 20 अंक टूट कर 205.85 अंक की बढ़त के साथ 23,163.10 के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 4.41 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.47 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.33 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.92 प्रतिशत और विप्रो 2.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर मारुति सुजुकी 1.20 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.11 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.83 प्रतिशत, आईटीसी 0.48 प्रतिशत और ब्रिटानिया 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

डेंटा वाटर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट लेवल पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली,29 जनवरी (एजेंसियां)।

वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली कंपनी डेंटा वाटर की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 294 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई में इसकी लिस्टिंग 330 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 325 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 12 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 346.45 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 17.84 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। डेंटा वाटर का 220.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 236.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 507.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 90.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 75 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 38.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 50.11 करोड़ और 2023-24 में 59.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 42 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 241.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 24.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस तरह इस अवधि में कंपनी 98.51 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महाकुंभ भगदड़ में ...

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रमुख संतों ने लोगों से खास अपील की है। योगी ने कहा कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। स्नानार्थियों के लिए कई घाट बनाए गए हैं, जहां सुविधाजनक रूप से स्नान किया जा सकता है। मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ और भगदड़ की घटना के चलते सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान न करने का ऐलान किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र गिरी ने निरंजन छावनी से यह घोषणा की। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ है और भगदड़ की घटना सामने आई है उससे अखाड़े ने स्नान न करने का फैसला लिया है। अखाड़े के वहां जाने से स्थिति और भी बिगड़ सकती थी।

मौके से सामने आए वीडियो के अनुसार कुछ महिलाओं और बच्चों को भी चोट लगी है। हालात काबू में है। महाकुंभ नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की है। योग गुरु बाबा रामदेव ने भी कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं के इस हुजूम को देखते हुए हमने फिलहाल केवल सांकेतिक स्नान किया है। इसके साथ ही समूचे राष्ट्र और विश्व के कल्याण की कामना की गई है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हम भक्ति के अतिरेक में न बहें और आत्म अनुशासन का पालन करते हुए सावधानी पूर्वक स्नान करें। वहीं जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने भी कहा कि हमने फिलहाल सांकेतिक स्नान किया है।

हार के डर से...

पीएम मोदी ने यहां चुनावी रथ सभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी को घेरा। हरियाणा पर दिए गए बयान को लेकर पीएम मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया। पीएम मोदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कह रही है कि हरियाणा वाले यमुना के जल में जहर मिला रहे हैं, यह हरियाणा का नहीं पूरे देश का अपमान है। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है। पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आप-दा वालों ने दिल्ली को पानी माफिया के भरोसे छोड़ दिया है। इन लोगों ने तीन चुनावों में यमुना जी की सफाई के नाम पर वोट मांगे। आज कह रहे हैं कि यमुना जी वोट नहीं देतीं। ये आप-दा वालों की सरासर बेशर्मी है, बेईमानी है, बदनीयती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ में आप-दा वालों ने एक और घोर पाप किया है और ये पाप कभी भी माफ नहीं हो सकता है। दिल्ली के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगा दिए हैं। हार के डर से आप-दा वाले बौखला गए हैं। क्या हरियाणा दिल्ली से अलग है? क्या हरियाणा वालों के बच्चे, परिवार और नाते-रिश्तेदार दिल्ली में नहीं रहते। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दिल्ली अब एक ऐसी सरकार चाहती है, जो गरीबों के लिए घर बनाए और दिल्ली को आधुनिक बनाए। दिल्ली ऐसी सरकार चाहती है, जो हर घर नल से जल पहुंचाए और टैंकर माफिया से मुक्ति दिलाए। इसलिए पूरी दिल्ली आज कह रही है कि 5 फरवरी आएगी, आप-दा जाएगी, भाजपा आएगी। आठ तारीख के बाद जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी तो जो भी वादे आपसे किए गए हैं, वो सारे वादे समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी है। ये 21वीं सदी है, इसके 25 साल बीत चुके हैं। उसमें कांग्रेस का कार्यकाल भी देखा है, फिर 11 साल आप-दा सरकार को दिए, लेकिन दिल्ली की समस्या तो वहीं की वहीं है। 25 साल में इन दोनों ने आपकी दो-दो पीढ़ी को बर्बाद कर दिया है।

पीएम मोदी ने कहा, दिल्ली में किसी ने 14 साल राज किया, किसी ने 11 साल राज किया। फिर भी वही जाम, वही गंदगी, वही टूटी-फूटी सड़कें, गलियों में बहता गंदा पानी, वही जलभराव, वहीं, प्रदूषण है। पीने के पानी के लिए लोग तरस रहे हैं, हाहाकार हो रहा है, कुछ नहीं बदला। इन हालातों से दिल्ली को आपके वोट की ताकत बाहर निकाल सकती है। हमें 11 साल के पेंडिंग काम भी पूरे करने हैं और आने वाले 25-30 साल की तैयारियां भी करनी है। इसलिए मैं दिल्लीवासियों से आग्रहपूर्वक करना चाहता हूं मोदी को दिल्ली की सेवा करने का मौका दीजिए।

पीएम मोदी ने कहा, हम योजनाएं बंद करने वालों में से नहीं हैं। हम योजनाओं को बल देने वाले लोगों में से हैं। आज घरों में नल से साफ पानी आता है। अगर हिंदुस्तान के दूर-दराज के गांवों में गरीब से गरीब के घर में नल से जल पहुंच सकता है, तो देश की राजधानी दिल्ली में न नल से जल आता है और जहां आता भी है वो पीने के लायक नहीं होता। अगर भाजपा दुर्गम गांवों में नल से जल पहुंचा सकती है, तो दिल्ली के हर घर को भी नल से साफ जल भाजपा दे सकती है।

आपत्तिजनक बयान पर ...

जिससे दिल्ली और हरियाणा के लोगों में दहशत फैली है। हरियाणा सरकार उनके खिलाफ सोनीपत की सीजेएम कोर्ट में आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 2 (डी) और 54 के तहत मामला दर्ज करवाया है। इस कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी आपदा की गंभीरता या प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके झूठी अफवाह फैलाता है और इससे जनता में दहशत फैलती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

आदिवासी समाज ...

इन संशोधनों में विवादों को निपटाने के लिए कलेक्टर के पद से ऊपर के अधिकारी को नियुक्त करना और ट्रिब्यूनल में तीसरे सदस्य के रूप में मुस्लिम लॉ जानने वाले व्यक्ति को बहाल करना भी शामिल है। संविधान की अनुसूची 5 और अनुसूची 6 के तहत आने वाले आदिवासी क्षेत्रों में वक्फ भूमि की घोषणा के कई मामले थे। जो इन सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं, जिनकी धार्मिक प्रथाएं अलग हैं और वे इस्लाम के तहत निर्धारित धार्मिक प्रथाओं का पालन नहीं करते हैं। जेपीसी ने विधेयक में वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने वाले प्रावधान में भी कोई समस्या नहीं पाई है, क्योंकि वे लाभार्थी, विवादों में पक्षकार या वक्फ मामलों में अन्यथा रुचि रखने वाले हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि प्रस्ताव इसे अधिक व्यापक आधार वाला बनाएगा और वक्फ सम्पत्ति प्रबंधन में समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देगा।

मंगलवार 28 जनवरी को जेपीसी के सदस्यों के बीच मसौदा रिपोर्ट वितरित की गई। विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट को अपनाने के लिए बैठक बुलाई गई बैठक की आलोचना करते हुए कहा कि उनके लिए कुछ ही घंटों में 655 पृष्ठों की रिपोर्ट को पढ़ना, चर्चाओं में भाग लेना और असहमति नोट तैयार करना संभव नहीं है।

जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, पहली बार हमने एक खंड शामिल किया है, जिसमें कहा गया है कि वक्फ का लाभ हाशिए पर पड़े लोगों, गरीबों, महिलाओं और अनाथों को मिलना चाहिए। कल, हम यह रिपोर्ट स्पीकर को सौंपेंगे। हमारे सामने 44 खंड थे, जिनमें से 14 में सदस्यों ने संशोधन प्रस्तावित किए। हमने बहुमत से मतदान कराया और फिर इन संशोधनों को स्वीकार कर लिया गया। भाजपा नेता राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट 14 में से 11 मतों से पारित हुई है। विभिन्न दलों ने अपने असहमति नोट प्रस्तुत किए हैं। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि सरकार का इरादा वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इसके साथ ही निहित स्वार्थों द्वारा कानून के दुरुपयोग को रोकना है।

वहीं, इस रिपोर्ट का विरोध करने वालों में से एक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जब बजट सत्र के दौरान संसद में इस विधेयक पर चर्चा होगी तो वे इसका विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, कल रात हमें 655 पन्नों की मसौदा रिपोर्ट दी गई और किसी के लिए भी इतने कम समय में इतनी लंबी रिपोर्ट पढ़ना और अपनी राय देना मानवीय रूप से असंभव है। फिर भी हमने प्रयास किया और अपनी असहमति रिपोर्ट पेश की। ओवैसी ने कहा, यह वक्फ के पक्ष में नहीं है। मैं शुरू से कह रहा हूं कि भाजपा अपनी विचारधारा के अनुसार मुस्लिमों के खिलाफ यह बिल लेकर आई है। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड को नुकसान पहुंचाना और उनकी मस्जिदों पर कब्जा करना है। अगर हिंदू, सिख और ईसाई अपने-अपने बोर्ड में अपने धर्म के सदस्य रख सकते हैं तो मुस्लिम वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्य कैसे हो सकते हैं?

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, मैंने अपनी असहमति जताई है। इसमें पीड़ितों के बयानों पर विचार नहीं किया गया है। हमने चर्चा के दौरान जो कहा, उस पर विचार नहीं किया गया। सवाल यह उठता है कि हमने जो हितधारकों का दृष्टिकोण व्यक्त किया है, वह अध्यक्ष को क्यों पसंद नहीं आया। मेरे हिसाब से जेपीसी की कार्यवाही मजाक बनकर रह गई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा, कल तक लोग वक्फ में चुनाव के जरिए आते थे, लेकिन अब आप चुनाव हटा रहे हैं। वहां लोगों को मनोनीत किया जाएगा और केंद्र सरकार यह काम करेगी। अगर सरकार चुनाव आयोग से जुड़े कानून बदल सकती है तो वह यहां क्या करेगी? आज वक्फ में गैर-मुस्लिमों को लाने का प्रावधान है तो कल वे हमारे मंदिरों में भी ऐसा ही कर सकते हैं (गैर-हिंदुओं को लाना), क्योंकि संविधान में समानता का मुद्दा आएगा।

तीन तलाक...

वहीं पक्षकार अपने तर्क के समर्थन में तीन पेज में लिखित प्रस्तुतियां भी दाखिल करेंगे। पीठ ने याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 17 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में तय की है।

देश में 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक को लेकर कानून बनाया गया था। इसके तहत तलाक-ए-बिद्दत यानी एक बार में तीन तलाक देना गैर कानूनी है। तीन तलाक संज्ञेय अपराध मानने का प्रावधान किया गया है। कानून के तहत तीन तलाक को अवैध और अमान्य घोषित किया गया है तथा इसके लिए पति को तीन साल की जेल की सजा होगी। खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2017 को एक ऐतिहासिक फैसले में तीन तलाक को असंवैधानिक करार दिया था। अलग-अलग धर्मों वाले 5 जजों की बेंच ने 3-2 से फैसला सुनाते हुए सरकार से तीन तलाक पर छह महीने के अंदर कानून लाने को कहा था। दो जजों ने इसे असंवैधानिक कहा था, एक जज ने पाप बताया था। इसके बाद दो जजों ने इस पर संसद को कानून बनाने को कहा था।

Timings : 9 am to 7 pm
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 30 जनवरी 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री आईजी गौशाला में मौनी अमावस्या पर

गौसेवा और भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में मौनी अमावस्या पर गौसेवा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सहसचिव ढगलाराम सेपटा , कोषाध्यक्ष, नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलैवा, शंकरलाल बर्फा, अर्जुनलाल बर्फा, पवन हाम्बड़, भंवरलाल बर्फा, नारायणलाल आगलेचा, जसमत भाई पटेल, कालुराम काग चितल, नेमाराम हाम्बड़, नारायणलाल बर्फा, जयराम, बाबूलाल मुलेवा, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़, गोपाराम मुलेवा, हीरालाल चोयल, मांगीलाल, तुलसाराम सिन्दडॉ, पारसमल शर्मा, नारायणलाल बर्फा, ओमप्रकाश पंवार, ओमप्रकाश काग, सुरेश मालवीया, जगदीश सीरवी, नेमाराम हाम्बड़, सुरेश सैणचा व अन्य उपस्थित थे।

भजन संध्या में अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, ओमप्रकाश कुमावत, चेर्लापल्ली भजन मण्डली, बाबूलाल मुलेवा ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। लाईव प्रसारण बीआरएस राजस्थानी चैनल के भगवानराम राठौड़ बबुल द्वारा किया गया। महाप्रसादी के लाभार्थी राजस्थानी मित्र मंडल नाचाराम, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़ नेमाराम हाम्बड़, मंगलाराम सेपटा, हेमाराम सैणचा, सुरेश सैणचा, सन्तोषी भुराराम सैणचा, मानाराम सैणचा, नेमीचन्द्र सेपटा (सीए) दिनेश बर्फा, बाबूलाल प्रकाश सैणचा, दुर्गाराम राठौड़, भंवरलाल राठौड़, ताराराम राठौड़,अनील देवड़ा, कुनाराम परिहारिया, पवन हाम्बड़, नारायणलाल हाम्बड़, दुर्गाराम परिहारिया, नेमाराम परिहारिया, धर्माराम सेपटा द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

कुम्भमेला भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के तर्पण के लिए किया अमृत स्नान

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु-अशोक फाउंडेशन द्वारा प्रयागराज महाकुंभ मेला में बुधवार को अनंत विभूषित पूज्य महामंडलेश्वर श्री यतींद्रानंद गिरी महाराज (पंच दशनाम जूना अखाड़ा) के सान्निध्य में जीवन दीप आश्रम पंडाल में संतों का भंडारा तथा मौनी अमावस्या के अवसर पर कुम्भ मेला अग्रवाल बंधु अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान कर संगम घाट पर हुई भगदड़ में हताहत हुए श्रद्धालुओं के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए त्रिवेणी संगम जल से ईष्टों सहित श्रद्धालुओं का तर्पण कर सभी को मोक्ष प्रदान करने की महादेव से प्रार्थना की और घायल हुए भक्तों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

विश्व मंगल गौशाला में गौ सेवा की गई

हैदराबदा, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मौनी अमावस्या के अवसर पर सोमाराम विलेज मेडचल स्थित विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या एवं गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार भजन संध्या में सोहन ना , गिरिधर लाल भजन प्रस्तुत किये ।भोजन प्रसादी के लाभार्थी सांवलराम सोलंकी, लुंबाराम मुलेवा कानाजी-गुडा रहे। हरि घांस की व्यवस्था विकास स्पेयर्स एंड टूल्स रानीगंज, बालाजी पावर टूल्स अलवाल, भवानी सिंह शेखावत, चंपालाल सीरवी कोमपल्ली द्वारा की गई। कार्यक्रम में तेलंगाना कुमावत समाज अध्यक्ष सोहनलाल, जयप्रकाश, जीवाराम, वेनाराम, नारायणराम, केनाराम, महेंद्र सिंह, नेमीचंद, शेषाराम, पारसराम, जयेश सहित सभी गौ भक्तों ने तन मन धन से सेवा कर उक्त आयोजन को सफल बनाया। मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद मिडटाउन द्वारा

वनिता महाविद्यालय को साईकिलें प्रदान की

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालिका सशक्तिकरण के अंतर्गत रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद मिडटाउन द्वारा, नामपल्ली स्थिति सरोजिनी नायडू वनिता महा विद्यालय को साईकिले प्रदान की गयी. इन साइकिलों का प्रयोग वहां पढ़ रही छात्राओं को साईकिल चलाने का प्रशिक्षण के लिए होगा।

इस अवसर पर कालेज की प्राचार्या डॉ. शोभना ने रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद मिड टाउन के अध्यक्ष अमरदीप सिंह और सचिव हजीरा का आभार व्यक्त करते हुआ कहा रोटरी द्वारा प्रदान की गए साइकिलों से कई छात्राओं को लाभ होगा। मिडटाउन के अध्यक्ष श्री अमरदीप सिंह ने अपने सम्बोधन में रोटरी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किये गए सामाजिक कार्यों के बारे में बताया विशेषकर पोलियो उन्मूलन जिसमे रोटरी की प्रतिबद्धता सर्वविदित है। विकाशशील से विकसित भारत के सफर के बारे में बोलते हुए उन्होंने नौकरी और व्यापार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर ज़ोर दिया। साईकिल चलाना सीखना उसका एक महत्वपूर्ण कदम है यह न केवल फिटनेस बरक़रार रखता है आपितु आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक है।

कार्यक्रम के अतिथि हैदराबाद साइकिलिस्ट ग्रुप के जनक श्री रविंदर नंदनूरी ने साइकिल चलाने होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा की यह पर्यावरण और सेहत के साथ साथ व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है. उनके साईकिल के जुड़े अनोखे किस्सों ने सभी को अचंभित कर दिया। श्री रविंदर ने सुरक्षित साईकिल चलाने के टिप्स भी साझा किए। उनके आग्रह पर छात्रों के फिट इंडिया हैल्थी इंडिया का नारा भी लगाया।

कार्यक्रम की संचालिका और रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद मिड टाउन की सचिव सुश्री हजीरा अदीब ने सेवा का अवसर देने के लिए स्कूल प्रबंधन का आभार जताया. उन्होंने वहां उपस्थित सभी छात्राओं के साईकिल सीखने के प्रति उत्साह और प्रतिबद्धता को भी सराहा। इस अवसर पर कालेज के सह प्राचार्य डॉ. सुब्बा राव, श्रीमती मालती, रिनेष अदि उपस्थित रहे।

मौनी अमावस्या के अवसर पर श्री कृष्ण गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला) में गौ सेवा करते हुए विमलेश गुप्ता,नवीन अग्रवाल, रीतेश अग्रवाल, गणेश गुप्ता, श्रीधर एवं अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को श्रीमती तृप्ति अग्रवाल, श्रीमती मधु अग्रवाल श्रीमती रुचि अग्रवाल एवं श्रीमती सूचि गुप्ता (मधुसूधन जितेंद्र कुमार गुप्ता परिवार) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का रक्तदान शिविर कल

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना धारा प्रजापति समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वाधान में थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन श्री यादे मंदिर, लक्ष्मीगुडा कट्टेदान में किया जा रहा है। यह शिविर शुक्रवार 31 जनवरी को सायं 6:00 बजे से रात 1:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

शिविर में एकत्रित किया गया रक्त थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी को दिया जाएगा। अवसर पर थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत डाकोटिया ने बताया कि थैलेसीमिया वंशानुगत रक्त विकार है। जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं के विकास एवं स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। थैलेसीमिया में शरीर सामान्य से कम हीमोग्लोबिन बनता है। हिमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला आयरन युक्त प्रोटीन होता है, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग ले।

गोल्डन टेम्पल में अन्नप्रसाद आयोजित

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा अन्नप्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बंजारा हिल्स में स्थित गोल्डन टेम्पल में क़रीब 450 जरूरतमंदों में अन्नप्रसाद वितरित किया गया। उन्होंने आगे बताया कि परिवार द्वारा पिछले पंद्रह महीने से अधिक समय से हर माह गोल्डन टेम्पल में यह सेवा की जाती है तथा परिवार के पैतृक गाँव सोनासर में उनके हवेली में जो राजस्थान में झूँझनू के निकट है वहाँ भी पिछले एक वर्ष से अन्नप्रसाद निरंतर वितरित किया जाता है । वहाँ पिछले 40 वर्षों से परिवार द्वारा क्लिनिक चलाया जाता है जहां ग्रामवासियों में निःशुल्क दवाई वितरित की जाती है । अभी वहाँ पितृ देवता का स्थान मंदिर का निर्माण भी किया गया तथा अभी पूरी हवेली का नवीनीकरण भी किया गया । वहाँ का कार्य सुचारू रूप से चलाने हेतु बगड़ निवासी डॉ. सुरेश शर्मा की देखरेख में किया जाता है ।गोल्डन टेम्पल की सेवा में परिवार के सदस्य ईश्वर लाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, शिव शंकर अग्रवाल, मधु अग्रवाल, सर्वेश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, कांता देवी अग्रवाल, माया अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, खुशबू अग्रवाल, दिशा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अत्तापुर में पर्ल काउंटी के सामने मेन रोड पर जय श्री श्याम के जयकारे के बाद सैकड़ों लोग गरमा गरम खाना खा रहे है । सेठ झाबरमल बाबूलाल डाकोतिया परिवार द्वारा प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से यहाँ लोगों में खाना वितरित किया जा रहा है । मौनी अमावस्या के दिन श्याम भक्त कल्लु भाई डाकोतिया, अनिल डाकोतिया, अरुण डाकोतिया, मनोज अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, पवन नालपुरिया भी अन्नदान के समय उपस्थित रहे ।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में प्रभुदत्तजी महाराज के साथ गौसेवा करते हुए अरुण डाकोतिया एवं सुनील अग्रवाल।

मौनी अमावस्या के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने कोठी में एसबीआई मुख्य शाखा के सामने, रानी पार्क के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में चंडी होम किया।

भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104 की 25वीं वर्षगांठ एवं साधारण सभा सम्पन्न

शीतल नीमकर बनीं अध्यक्ष

हैदराबाद, 27 जनवरी (एजेंसियां)। भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र -104 की 25वीं वर्षगाँठ एवं साधारण सभा (शपथ ग्रहण) का आयोजन काचीगुड़ा स्थित भावसार भवन में संपन्न हुआ। अवसर पर हिंगुलाज द्वारा प्रथम पूजा, श्रृति जोईजुडे द्वारा गणेश वंदना एवं वैष्णवी घनाते द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सम्माननीय अतिथि के रूप में मनीष सुत्रावे (भावसार विजन इण्डिया पूर्व राष्ट्रीय मंत्री), उमेश ए. जैतने (अध्यक्ष तेलंगाना भावसार क्षत्रिय रंगरेज समाज), विनोद फूटाने (पूर्व बीवीआई गवर्नर), मोहन राव देवतराज (राज्यपाल), राकेश गित्ते, ज्योति चुटके (उप राज्यपाल), डॉ. प्रशान्त नीमकर (एन ईसी सदस्य), प्रवीण पतंगे (पूर्व अध्यक्ष), अर्चना बास्तुकर (पुर्व मंत्राणी) उपस्थित थे। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर साधारण सभा में निदेशक मण्डल 2025 के पदाधिकारियों में सर्वप्रथम शीतल नीमकर (अध्यक्ष), शंकर आसुतकर (मंत्री), सपना घनाते (कोषाध्यक्षा), अश्विनी पतंगे, हेमारानी परंकर, वंदना आसुतकर, अर्चना सुत्रावे, तुलसी बगाड़े, अनिता पारेकर, ज्योति गड़ाले, संगीता घनाते, विनोद पतंगे, राकेश घनाते, शशांक पिस्से, चन्द्रकान्त पतंगे, विनोद महेन्द्रकर, पुनीत देवतराज ने शपथ ग्रहण किया। मनीष सुत्रावे को प्रतिष्ठित संस्थापक पुरस्कार (भावसार विजन इण्डिया के संस्थापक समाज भूषण नारायण राव बी. तातूसकर) उमेश ए. जैतने ने दिया। अश्विनी पतंगे और अर्चना बासुतकर ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया। अवसर पर समाज भूषण सुरेश पाटिल, मोहन राव बगाड़े, बालकिशन सुत्रावे, श्रीधर गडाले, हेमाम्बर जोईजुडे, ललिता सुत्रावे, लक्ष्मी गित्ते, आशा पतंगे, गायत्री, रजत, नित्या कृष्णा एवं अन्य उपस्थित थे।

व्हाट्सऐप गवर्नेंस शुरू करने वाला आंध्र प्रदेश पहला राज्य बना

विजयवाड़ा, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश व्हाट्सऐप गवर्नेंस शुरू करने वाला देश का पहला राज्य है और यहां प्रारंभ में 161 विभिन्न सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होंगी।मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने व्हाट्सऐप गवर्नेंस शुरू किये जाने के परिप्रेक्ष्य में बुधवार को यहां राज्य सचिवालय में समीक्षा बैठक की।उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की प्रथा अब समाप्त हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले वर्ष 22 अक्टूबर को मेटा के साथ एक समझौता किया है। उन्होंने कहा कि यह व्हाट्सएप गवर्नेंस लोगों को सार्वजनिक सेवा की त्वरित डिलीवरी की सुविधा प्रदान करेगा, ऐसे समय में जब राज्य सरकार डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में आंध्र प्रदेश को शीर्ष स्थान पर ले जाने के लिए आगे बढ़ रही है।

नायडू ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया कि नागरिकों की जानकारी साइबर अपराधियों के हाथों में न जाए और अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक उपाय करने के लिए कहा।

उन्होंने फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा विंग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री नारा लोकेश कल व्हाट्सएप गवर्नेंस का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे।

समीक्षा बैठक में एपी के मुख्य सचिव के विजयनंद और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इससे पहले, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को व्हाट्सएप गवर्नेंस पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया, जिसके दौरान उन्होंने विस्तार से बताया कि जो लोग व्हाट्सएप सेवाओं का उपयोग करना चाहते हैं, वे अपने विकल्प कैसे चुन सकते हैं।

हालांकि शुरुआत में 161 सेवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन जल्द ही और सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभी बंदोबस्ती, ऊर्जा, एपीएसआरटीसी, राजस्व, अन्ना कैंटीन, सीएमआरएफ और नगर प्रशासन समेत विभिन्न विभागों से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हैं।

सऊदी अरब में सड़क दुर्घटना में तेलंगाना के एक मजदूर सहित 15 लोगों की मौत

दुबई 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सऊदी अरब में सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में 15 श्रमिकों की मौत हो गई, जिनमें नौ भारतीय भी शामिल थे, जिनमें से एक तेलंगाना का था।ये श्रमिक दक्षिणी बंदरगाह शहर जीज़ान में कार्यस्थल पर जा रहे थे, तभी उनकी बस एक ट्रेलर से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप यह विनाशकारी दुर्घटना हुई।पीड़ितों में से एक, 32 वर्षीय कपेली रमेश, तेलंगाना के जगतियाल जिले के मेटपाली मंडल के निवासी थे। रमेश उन 15 श्रमिकों में से एक थे, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपनी जान गंवा दी। भारतीय समुदाय के श्रमिकों की रिपोर्ट के अनुसार, टक्कर के समय बस में 26 श्रमिक सवार थे, और मृतकों में से अधिकांश भारतीय नागरिक थे।मरने वाले 15 लोगों में से नौ भारतीय नागरिक थे, जबकि बाकी छह नेपाल और घाना के थे। बताया जाता है कि जब यह दुखद घटना हुई, तब सभी मजदूर अपने कार्यस्थल पर जा रहे थे।मृतकों के अलावा, दुर्घटना में तेलंगाना के दो लोगों सहित ग्यारह मज़दूरों को मध्यम से गंभीर चोटें आईं।

घायल मज़दूरों को नज़दीकी अस्पतालों में ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि कुछ घायल मज़दूरों की हालत गंभीर बनी हुई है।

इस दुर्घटना ने सऊदी अरब में रहने वाले भारतीय समुदाय को झकझोर दिया है, खास तौर पर तेलंगाना के लोगों को, क्योंकि वे पीड़ितों के परिवारों का समर्थन करने के लिए एकजुट हैं। सऊदी अरब और भारत दोनों के अधिकारियों ने अपनी संवेदना व्यक्त की है, और टक्कर के कारणों की आगे की जांच चल रही है।

इस दुखद सड़क दुर्घटना ने परिवारों को तबाह कर दिया है और समुदाय शोक में डूबा हुआ है। जबकि अधिकारी दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं, जीवन की हानि, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों की हानि, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विदेश में काम करने वाले व्यक्तियों द्वारा सामना किए जाने वाले जोखिमों की एक कठोर याद दिलाती है।

श्री सत्य साईं सेवा संगठन ने नि:शुल्क डेटा इंजीनियर पाठ्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेरोजगार स्नातकों के उत्थान और उद्योग-आवश्यक तकनीकी कौशल में अंतर को पाटने के एक महत्वाकांक्षी प्रयास में, श्री सत्य साईं सेवा संगठन , तेलंगाना ने प्रतिष्ठित श्री सत्य साईं कौशल विकास कार्यक्रम के तहत एक मुफ्त डेटा इंजीनियर पाठ्यक्रम की घोषणा की है ।

इस पहल का उद्देश्य युवा पेशेवरों को मांग में रहने वाले डेटा इंजीनियरिंग कौशल से लैस करना, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना और उन्हें निरंतर विकसित हो रहे तकनीकी उद्योग में आकर्षक कैरियर के अवसरों के लिए तैयार करना है।डेटा इंजीनियरिंग का क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है, तथा उद्योग तेजी से डेटा-संचालित निर्णय-प्रक्रिया पर निर्भर हो रहे हैं।हालाँकि, कई युवा स्नातकों के पास इस उच्च-मांग वाले क्षेत्र में भूमिकाएँ सुरक्षित करने के लिए आवश्यक व्यावहारिक अनुभव और विशेष प्रशिक्षण का अभाव है। इस चुनौती को पहचानते हुए, श्री सत्य साईं सेवा संगठन ने एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है जो व्यावहारिक शिक्षा और शीर्ष-स्तरीय शैक्षिक संसाधनों तक 100% नि:शुल्क पहुँच प्रदान करता है।

नि:शुल्क डेटा इंजीनियर पाठ्यक्रम उन स्नातकों के लिए खुला है जो 2021 और 2024 के बीच उत्तीर्ण हुए हैं और निम्नलिखित विषयों में डिग्री रखते हैं: बीएससी (विज्ञान स्नातक), एमएससी (मास्टर ऑफ साइंस), बी.टेक (बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी), एम.टेक (मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी), एमसीए (मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन)।

जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में मौनी अमावस्या पर गौ सेवा करते हुए गौशाला के प्रभुदत्त महाराज, हरिकिशन मायछ, जगदीश प्रसाद वर्मा, पुरषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, नथमल मायछ, सत्यानारायण मौसून, प्रहलाद नारनोली, सुरेश परवाल, शरद वर्मा, सतीश वर्मा, हंसराज बैवाल, श्रीनिवास परवाल, कमलराज खनवानीया एवं अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./ निविदा सूचना/19/2024-25. दि. 28.01.2025 PUB/0086

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या: GTL-TRD-29-eTN-30-2024-25. **कार्य का नाम:** गुंतकल राचागुनेरी स्टेशन पर कॉमन लूप सुविधाओं के साथ प्रस्तावित शंटिंग नेक संशोधन कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.** 1,68,46,515/- **पूर्व धरोहर राशि रु.** 2,34,200/-.

अंतिम तिथि और समय:
19.02.2025 को 15.00 बजे

नोट: 1. निविदाकर्ता www.ireps.gov.in से निशुल्क निविदा दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं। निविदा बोली लगाने और अन्य विवरण के लिए http://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो वह केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता, ट्रैक्शन, गुंतकल

निविदा सूचना PUB/0087

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ प्रभाग सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, हैदराबाद प्रभाग, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए **24.02.2025 के 11.30** बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र. सं. 1. निविदा सं. वाई/एसजी/36/2024-25/18 दिनांक 28.01.2025 **कार्य का नाम** हैदराबाद डिवीजन: (1) पीसीएमई चैंबर, कॉन्फ्रेंस हॉल, अधिकारियों और कर्मचारियों के शौचालय और पीसीएमई कार्यालय, पहली मंजिल, बी ब्लॉक, रेल निलयम के प्रवेश पोर्टिको का नवीनीकरण, (2) जेडसीईटीआई/उत्तरी लालागुडा चरण- खख कार्यों में प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार और (3) 7वीं बटालियन/ आरपीएसएफ/मौला-अली/हैदराबाद में स्टोर रूम के साथ यूनिट ड्राई एंड वेट कैंटीन के लिए डबल स्टोर बिल्डिंग का निर्माण (4) काचीगुडा - काचीगुडा में सीएनसी अंडर फ्लोर व्हील लेथ की स्थापना और कमीशनिंग कार्य के संबंध में दूरसंचार व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य (रु.)** 16521485.64 **पूर्व धरोहर राशि(रु.)** 232600.

वरिष्ठ डिवीजनल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, हैदराबाद

निविदा सूचना सं.: ISO3834-2-WQMS-TPYS-24-25 दि. 27.01.2025 PUB/0088

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी/ सीआरएस/ टीपीटीवाई निविदा संख्या: के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, जो नीचे उल्लिखित समापन तिथि के अंतर्गत 11:00 बजे तक उपलब्ध हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

क्र.सं. 1 कार्य का विवरण : निविदा सं. खडज3834-2-WQMS-TPYS-24-25, दिनांक 27.01.2025 वेल्डिंग गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (WQMS) का प्रमाणन जिसमें खडज 3834-2: 2021 शामिल है और कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति, एस.सी. रेलवे में इसका **प्रमाणन लगभग लागत** (रुपये में) 1,54,574.10/- रुपये (एक लाख चौवन हजार पांच सौ चौहत्तर रुपये और दस पैसे मात्र) **बोली सुरक्षा (रुपये में)** 3100/- रुपये (तीन हजार एक सौ रुपये मात्र) **पूर्ण करने की अवधि** 36 महीने **समापन की तिथि :** 17.02.2025 **11.00 बजे**

वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in **नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है** मुख्य कार्यशाला प्रबंधक का कार्यालय, कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, सीआरएस, तिरुपति

ई-निविदा सूचना संख्या 03-2025 दिनांक 29-01-2025 PUB/0085

वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय/गुंटकल भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

अंतिम तिथि और समय:
25.02.2025 को 15:00 बजे

क्र.सं. 1 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-सेंट्रल -1767 **कार्य का विवरण** गुंटकल डीएलएस/जीवाई-डीजल लोको शेड, गुट्टी में इलेक्ट्रिक इंजनों की होमिंग के लिए डीजल शेड में सुविधाओं का विस्तार। **विज्ञापित मूल्य रु.** 25103579.53 **बयाना राशि रु.** 275500.00

क्र.सं. 2 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-दक्षिण-1768 **कार्य का विवरण** गुंटकल डिवीजन जी.टी.एल. डिवीजन के रेनीगुंटा डिपो में ट्रा.डी. डिपो का विस्तार। **विज्ञापित मूल्य रु.** 16341579.88 **बयाना राशि रु.** 231700.00

क्र.सं. 3 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-ब्रिज-1769 **कार्य का विवरण** गुंटकल डिवीजन डीईएन/ब्रिज/जीटीएल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आरयूबी/पुलों के लिए मौजूदा ऊंचाई गेज की प्रस्तावित मरम्मत/रखरखाव। **विज्ञापित मूल्य रु.** 4174929.35 रुपये में **बयाना राशि रु.**83500.00

क्र.सं. 4 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-पश्चिम-1770 **कार्य का विवरण** गुंटकल डिवीजन: एसडब्लू-I: आरयू-टीपीडब्ल्यू सेक्शन: टीपीटीवाई स्टेशन के लिए किमी 87/11 (पुराना टीसीएनआर स्टेशन) से 91/23 (जीएलआर टैंक) तक मौजूदा जंग लगी/क्षतिग्रस्त जीआई पाइपलाइन की मरम्मत। एसडब्लू-II: आरयू-टीपीडब्ल्यू सेक्शन: (1) एसएसई/ डब्ल्यू/ टीपीटीवाई सेक्शन के तहत आईओएच शेड में एफओबी, ट्रस और गैंट्री गर्डर्स जैसी स्टील संरचनाओं को चमकाना (2) आरयू-टीपीडब्ल्यू सेक्शन के बीच स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग में फ्लोरिंग, छत की लीकेज, खराब दरवाजे/खिड़कियां, क्षतिग्रस्त पानी की पाइप लाइन, जल निकासी व्यवस्था आदि में सुधार। **विज्ञापित मूल्य रु.** 14394649.00 में **बयाना राशि रु.** 222000.00

क्र.सं. 5 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-उत्तर-1771 **कार्य का विवरण** गुंटकल डिवीजन: कृष्णा स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, स्वागत मेहराब का प्रावधान और स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार आदि। **विज्ञापित मूल्य रु.** 52770020.37 **बयाना राशि रु.** 413900.00

क्र.सं. 6 निविदा सं. इंजीनियरिंग-जीटीएल-उत्तर-1772 **कार्य का विवरण** गुंटकल डिवीजन: एसडब्लू:1 एडीईएन/आरसी सब-डिवीजन के तहत एसएसई/डब्ल्यू/आरसी सेक्शन में पाइप लाइन व्यवस्था के साथ-साथ मौजूदा जल निकासी कक्षों और सेप्टिक टैंकों की मरम्मत। एसडब्लू:II : मटमारी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म कोपिंग दीवार की मरम्मत **विज्ञापित मूल्य रु.** 13410256.76 **बयाना राशि रु.** 217100.00

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन ही जारी किया जाएगा।

A0110 **मंडल रेल प्रबंधक/वर्क्स/गुंटकल**

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

तेलंगाना मराठी मंच के सक्रिय पदाधिकारी डॉ. प्रशांत निमकर की पत्नी श्रीमती शीतल निमकर को भावसार समाज का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर तेलंगाना मराठी मंच द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना मराठी मंच के पदाधिकारी नितिन टिक्का, गजानन बिडकर, डॉ. प्रशांत निमकर एवं अन्य उपिस्थत थे।

केबीआर पार्क में स्थित गणेश भगवान की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय, संगीता, दिव्य, श्री कृपा रानी, संध्या रानी, विजय कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, अशोक लखोटिया, भोज रेड्डी, पी.सी. जैन, विट्ठल दस अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, राहुल सिंघल, अशोक अग्रवाल, अशोक रुंगटा, शंकर लाल अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण आदि उपस्थित थे।

कवि भवन में गीत चाँदनी की राष्ट्रीय कवि गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी के कार्यालय कवि भवन, अशोक मार्केट, सिद्दिअंबर बाज़ार में 76वाँ भारतीय गणतंत्र दिवस उत्सव बड़े धूमधाम एवं देश-भक्ति वातावरण में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनील मिश्रा ने कवि भवन पर राष्ट्रीय तिरंगा झंडा फहराया। उपस्थितजनों ने तिरंगे को सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर श्री सुशील कुमार यादव, श्री सोहेल अज़ीम, श्री श्रुतिकांत भारती बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सुनील मिश्रा ने उपस्थित सभी कवियों और श्रोताओं को 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने में कवियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी निरंतर रहेगी। हमारे देश का संविधान आज ही के दिन लागू किया गया था जो सभी देशों से महत्वपूर्ण और बड़ा है। गीत चाँदनी के कविगण देश की तस्वीर बदलने और आम जनता में जागृति लाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

अध्यक्षीय वक्तव्य में गीत चाँदनी के अध्यक्ष वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर आइए हम अपने देश की आज़ादी का आनंद लें और प्यार, सम्मान और शांति से भरे एक सुंदर देश का निर्माण करें। आज के युवाओं को संविधान की सच्चाई के बारे में जानकारी देने की आवश्यकता है। वीर जवानों के शौर्य की गाथाओं को याद कर कवियों द्वारा आज कार्यक्रम में सच्ची श्रद्धांजलि प्रस्तुत की गयी है। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताएँ देश की धरोहर हैं। देश के संविधान की रक्षा और आज़ादी को बचाये रखना देश के प्रत्येक नागरिक की ज़िम्मेदारी है। कवियों ने जो रचनाएँ प्रस्तुत की हैं वह बहुत ही प्रभावशाली हैं और हमारे देश के सेनानियों में उत्साह उत्पन्न करने वाली हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ, जिसका संचालन गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के आरंभ में सभी का स्वागत किया और गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कवि गोष्ठी में नगरद्वय के कवियों ने देश-भक्ति प्रदान गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में चंपालल बैद, सुनील मिश्रा,

डी. प्रेमराज, गोविंद अक्षय, अनुज कुमार तिवारी, शिव कुमार तिवारी कोहिरी, सुशील कुमार यादव, रत्नकला मिश्र, अरविंद कुमार जायसवाल, डॉ. मुमताज सुल्ताना, सोहेल अज़ीम, जलीस भारती, आरती कुमारी, सत्यनारायण काकड़ा, तश्कील रज़्ज़ाकी, खलीश हैदराबादी, सुनील मिश्रा, अनिल कुमार गुप्ता आदि के नाम सम्मिलित हैं। इस ख़ुशी मं मौक़े पर मिठाइयाँ और फल वितरित किये गये। कवयित्री रत्नकला मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 86,646/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,235/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,532.96 +631.55 +0.83% ↑

एनएसई :23,163.10 205.85 (0.9%) ↑

शुभ लाभ DAILY Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, P NARAYANAPPADU, is legally dependent Father of Service No. 14646716L, Rank: HAV, Name: RAMANA PEDDI, Unit: 1 Trg Bn 1 EME CENTRE, Secunderabad, residing at VILL:Patha Kopperla, PO:Patha Kopperla, TEH:Pusapati Rega, DIST: VIZIANAGARAM, State: ANDHRA PRADESH, PIN: 535204, I have Changed my name from P NARAYANAPPADU to PEDDI NARAYANAPPADU, My Date of Birth is 16-08-1960,Vide Affidavit date 28/01/2025

CHANGE OF NAME

I, P JYOTHI, is legally Wedded Wife of Service No. 14646716L, Rank: HAV, Name: RAMANA PEDDI, Unit: 1 Trg Bn 1 EME CENTRE, Secunderabad, residing at VILL: Patha Kopperla, PO:Patha Kopperla, TEH: PUSAPATI REGA, DIST: VIZIANAGARAM, State: ANDHRA PRADESH, PIN: 535204, I have Changed my name from P JYOTHI to PEDDI JYOTHI, my date of birth is 10-06-1989, Vide Affidavit date 28/01/2025

CHANGE OF NAME & DOB

I, SC No. JC-805988K, Rank: SUB Name:KHEDEKAR DEEPAK ASHOKRAO, R/o. VILL & Po, HIWARA BK, TEH MEHKAR, DIST : BULDHANA, STATE: Maharashtra - 443301 have changed My Mother name & DOB From KALPANA. A.KHEDEKAR to KALPNA ASHOKRAO KHEDEKAR & From 01-07-1963 to 07-01-1962 and My Father name From: ASHOKRAO. K. KHEDEKAR to ASHOK KHUSHALRAO KHEDEKAR in my records.

CHANGE OF NAME & DOB

I, CH GOUTAMI Spouse of Service No. 15332582K L/Hav RAMANAMURTHY CH, R/o.94/3, Railway Station Colony, Teh:Bobbili, Dist:Vizianagaram, Andhra Pradesh-535558 have changed my name and DOB from CH GOUTAMI, DOB:21-2-1991 to CHILAKALAPALLI GOUTAMI, DOB:14-2-1992 vide affidavit dt:29-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, HEMALATHA is legally wedded spouse of service No-14670614N, Rank-HAV, Name-Ramu Bandaru R/o H.No-4-28, Street-Satyanarayana Colony, Village-Burgam,Post- Korasavada Teh-Pathapatnam,Dist-Srikakulam, PIN-532214, State-Andhra Pradesh I have changed my name from HEMALATHA to HEMALATHA SIGIREDDI and date of birth is 29/08/1989 add in my husband service documents Affidavit dated 29/01/2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SRI LAXMI Spouse of Service No.JC 777438 Nb Sub VIJAYA KUMAR JOGI, R/o.H.No.5-8-34/18/19/204, Flat No.204, Apartment-Royal Park, Colony:Golf Links, Swarnandhra Phase-II, Vill:Yapral, Po:JJ Nagar Colony, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, City:Secunderabad, Telangana - 500087 have changed my name and DOB from SRI LAXMI, DOB:6-9-1985 to SRILAKSHMI JOGI, DOB:31-8-1986 vide affidavit dt:29-1-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

टाटा स्टील शतरंज: राउंड 9 में गुकेश ने मेंडोंका को हराकर बढ़त बनाई

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

नीदरलैंड के विज्क आन ज़ी में चल रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने हमवतन लियोन ल्यूक मेंडोंका को मात देकर एकमात्र लीडर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

गुकेश, जो हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं, ने 43 चालों में अपनी चौथी जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ, वे 10वें दौर में प्रवेश करने वाले एकमात्र लीडर बने, जिनके पास संभावित नौ में से 6.5 अंक हैं। दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद, जो नौवें राउंड में लीडर के रूप में आए थे, स्थानीय दिग्गज अनीश गिरी से हार गए। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव अब प्रज्ञानानंद से आगे निकल गए, जिससे वे चौथे स्थान पर पहुंच गए।

आने वाले मुकाबले और खिलाड़ियों की स्थिति

गुकेश के आगामी चार मुकाबलों में दो डच खिलाड़ी, मैक्स वार्मरडैम (2646 रेटिंग) और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट (2680) शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें गत विजेता चीन के वेई यी (2751) से भी चुनौती मिलेगी।

मेंडोंका के लिए टूर्नामेंट कठिन साबित हो रहा है, क्योंकि उन्होंने अभी तक कोई जीत दर्ज नहीं की है।

अगले मुकाबले वैन फॉरेस्ट और अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ

उनके खाते में पांच ड्रॉ और चार हार हैं। साथी भारतीय अर्जुन एरिगैसी, जो 2801 की एलो रेटिंग के साथ इस टूर्नामेंट में प्रमुख दावेदारों में से एक थे, का भी अब तक निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। उनके अगले मुकाबले वैन फॉरेस्ट और अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ होंगे, जबकि टूर्नामेंट का समापन गुकेश के खिलाफ एक अहम अखिल भारतीय मुकाबले के रूप में होगा।

चैलेंजर्स सेक्शन में भारतीय प्रदर्शन

चैलेंजर्स सेक्शन में, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने नौवें राउंड में ड्रॉ खेला। वैशाली अब स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर हैं, जबकि दिव्या एक जीत और दो ड्रॉ के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। वैशाली छह अंकों के साथ 14 प्रतियोगियों में आठवें स्थान पर बनी हुई हैं।

गुकेश की शानदार लय और भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अब सभी की नजरें टिकी हैं, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम राउंड बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उपविजेता रहे मुरादाबाद के यशपाल अरोड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता की डबल्स

श्रेणी में उपविजेता का खिताब हासिल किया। 18 जनवरी से 28 जनवरी हरियाणा के झज्जर जिले में (एमटी-400) टेनिस टूर्नामेंट-2025 का आयोजन हुआ था। मुरादाबाद लौटे टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने बुधवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उन्होंने 60 प्लस से अधिक आयु वर्ग में सिंगल एवं डबल्स श्रेणी में भाग लिया। सिंगल्स में चंडीगढ के एसएन वशिष्ठ खिलाड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में उन्हें नंबर एक खिलाड़ी चंद्र भूषण से शानदार मुकाबले में 1-6 और 4-6 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। वहीं डबल्स में उन्होंने लकपा शेरपा (दार्जलिंग) के साथ जोड़ी बनाई। क्वार्टर फाइनल में शंकर देव मिश्रा और शिबू मैथ्यूज की जोड़ी को 6- 3 और 6-2 के स्कोर से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद यह जोड़ी फाइनल में पहुंची। फाइनल में मुकाबला शरद टाक एवं अरुण की जोड़ी से हुआ और 3-6 और 3-6 के स्कोर से यशपाल व शेरपा को हार मिली। उन्हें उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। यशपाल ने बताया कि अगला टूर्नामेंट 29 जनवरी से मुंबई में आयोजित हो रहा है। इसमें भी वह प्रतिभाग करेंगे।

स्टीव स्मिथ ने पूरे किए 10,000 टेस्ट रन, यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बने

गाले। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को हासिल की। स्मिथ से पहले रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में यह मील का पत्थर छुआ, जिससे तेज़ी से यह आंकड़ा पार करने के मामले में वह ब्रायन लारा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में स्मिथ जो रूट (12,972 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की मजबूत शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 239 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा 102 रन और स्टीव स्मिथ 59 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं, ट्रेविस हेड ने 57 रनों की अहम अर्धशतकीय पारी खेली।

आईसीसी में बड़ा बदलावः मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में चल रहे उथल-पुथल के बीच एक बड़ा घटनाक्रम सामने

आया है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ एलार्डिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की और कहा कि नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। आईसीसी में पिछले साल नवंबर से ही प्रशासनिक बदलाव का दौर चल रहा था, जब दो शीर्ष अधिकारियों को हटाया गया था। एलार्डिस का इस्तीफा इसी कड़ी में एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल हुए ट्वेंटी-20 विश्व कप में गड़बड़ियों के कारण प्रशासन पर सवाल उठे थे। वहीं, आगामी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में भी कई अड़चनें आई हैं, जिससे जवाबदेही के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को लेकर विवाद आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि एलार्डिस ने पद छोड़ने का निर्णय स्वयं लिया है। हालांकि, हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में उनकी भूमिका की जांच हो रही थी। भारतीय टीम की संभावित गैर-भागीदारी का मुद्दा लंबे समय तक अनसुलझा रहा, जिससे टूर्नामेंट की योजनाओं पर असर पड़ा। इसके अलावा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेड्यूल जारी करने में देरी सहित कई मुद्दों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा था। ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर स्टार स्पोर्ट्स ने भी टूर्नामेंट के शेड्यूल में लगातार देरी पर आपत्ति जताई थी और आईसीसी को उसके अनुबंधीय दायित्वों की याद दिलाई थी। एलार्डिस का कार्यकाल और भविष्य की राह ऑस्ट्रेलियाई मूल के ज्योफ एलार्डिस 2012 में आईसीसी से जुड़े थे और क्रिकेट के महाप्रबंधक के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। नवंबर 2021 में उन्हें सीईओ नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके नेतृत्व को अपेक्षाकृत कमजोर माना गया और हाल के विवादों के बाद उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई थीं।

लीजेंड 90 लीग: सभी टीमों की घोषणा रायपुर में 6 फरवरी से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक होने वाली लीजेंड 90 लीग में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों की घोषणा कर दी गई है। इस अनूठे टी-10 प्रारूप की लीग में पूर्व भारतीय दिग्गजों के साथ-साथ विदेशी क्रिकेट सितारे भी खेलते नजर आएंगे।

इस रोमांचक टूर्नामेंट में हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, न्यूजीलैंड के रॉस टेलर, ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे।

लीग में कुल 7 टीमें हिस्सा लेंगी-

छत्तीसगढ़ वारियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जॉइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज़ और राजस्थान किंग्स।

स्टार खिलाड़ियों से सजी टीमें

छत्तीसगढ़ वारियर्स में सुरेश रैना, अंबाती रायडू और मार्टिन गुप्टिल जैसे विस्फोटक बल्लेबाज शामिल हैं, तो दिल्ली रॉयल्स में शिखर धवन और रॉस टेलर के अनुभव का फायदा मिलेगा। हरियाणा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी फिरकी मास्टर हरभजन सिंह करेंगे, जबकि वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स का नेतृत्व करेंगे। शाकिब अल हसन दुबई जॉइंट्स के लिए खेलते नजर आएंगे।

लीग का मकसद और आयोजन

लीजेंड 90 लीग के निदेशक शिवेन शर्मा ने कहा, हम इस रोमांचक और तेज़-तर्रार 90 गेंदों वाले टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर उत्साहित हैं। विश्वस्तरीय और घरेलू दिग्गजों के साथ यह लीग क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार होगी।

टीमों की पूरी सूची

दुबई जॉइंट्स

शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच. मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस. प्रसन्ना।

छत्तीसगढ़ वारियर्स

सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केवॉन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकुजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरुकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स

पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चैडविक वाल्टन, मनन शर्मा।

गुजरात सैम्प आर्मी

युसुफ पठान, मोइन अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर जादरान, मुहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान।

बिग बॉयज़ स्क्वाड

मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपुल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया।

दिल्ली रॉयल्स

शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्का गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रेयाद इमरित, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना।

राजस्थान किंग्स

ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज़ फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावाला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, सैमुल्ला शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी।

हांसी फ्लिक ने स्ज़ेसनी को बार्सिलोना में पहली पसंद का गोलकीपर बनाया

मैड्रिड, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना के मुख्य कोच हांसी फ्लिक ने मंगलवार को पुष्टि की कि वोइशिएक स्ज़ेसनी अब इनाकी पेना से आगे उनकी पहली पसंद के गोलकीपर बन गए हैं।

आर्सेनल, रोमा और जुवेंटस के पूर्व गोलकीपर स्ज़ेसनी अक्टूबर में बार्सिलोना से जुड़े थे, जब मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे। हालांकि, फिटनेस संबंधी चिंताओं और इनाकी पेना के अच्छे फॉर्म के कारण स्ज़ेसनी का डेब्यू 4 जनवरी को हुआ, जब उन्होंने कोपा डेल रे में बारबास्ट्रो पर बार्सा की 4-0 से जीत में हिस्सा लिया।

इसके बाद उन्होंने स्पेनिश सुपरकप के दोनों मैच खेले, जिसमें बार्सिलोना ने खिताब जीता, हालांकि फाइनल में उन्हें लगभग आधे घंटे शेष रहते बाहर भेज दिया गया।

इनाकी पेना ने बेतिस के खिलाफ बार्सा की 2-0 कोपा डेल रे जीत और गेटाफे के खिलाफ 1-1 ला लीगा ड्रॉ में बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन फ्लिक ने चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ स्ज़ेसनी को चुना। बार्सा ने यह मैच 5-4 से जीता, हालांकि स्ज़ेसनी ने एक पेनल्टी स्वीकार की और एक गोल में गलती भी की। इसके बावजूद, फ्लिक ने वालेंसिया के खिलाफ 7-1 की जीत में भी उन्हें टीम में रखा।

एटलांटा के खिलाफ चैंपियंस लीग ग्रुप-स्टेज के अंतिम मैच के लिए अपने निर्णय पर फ्लिक ने स्पष्ट किया कि अब स्ज़ेसनी उनकी प्राथमिक पसंद हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे द्वारा लिए गए सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। यह हमेशा कठिन होता है क्योंकि गोलकीपर की भूमिका बहुत खास होती है।

फ्लिक ने यह भी स्पष्ट किया कि यह इनाकी पेना में विश्वास की कमी को नहीं दर्शाता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि जब मैं टेक (स्ज़ेसनी) के बारे में कुछ अच्छा कहता हूं, तो ऐसा लगता है कि इनाकी हार रहा है, मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे गोलकीपर चुनना है और वे दोनों बेहतरीन गोलकीपर हैं। मैं हमेशा अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ की तलाश करता हूं और इस समय मैं इसे इसी तरह देखता हूं, हालांकि इनाकी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

चैम्पियंस लीग फुटबॉल

लंदन में चैम्पियंस लीग फुटबॉल के लिए प्रशिक्षण सत्र में पहुंचे आर्सेनल के मिकेल मैरिनो, डिकेलने राइस, व मार्टिन ओलीगार्ड और मैनेजर मिकेल आरटीला।

विश्वा फर्नांडो ने अल्पकालिक चैम्पियनशिप सौदे पर वारविकशायर के साथ किया करार

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो ने इस सत्र में काउंटी चैम्पियनशिप अभियान की शुरुआत के लिए वारविकशायर के साथ करार किया है। फर्नांडो ने 79 टेस्ट विकेट लिए हैं, जिसमें दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में अपने आखिरी मैच में चार विकेट शामिल हैं, और वे अप्रैल में वारविकशायर के डिवीजन वन खेलों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने पिछली गर्मियों में यॉर्कशायर के साथ तीन मैचों की पारी में प्रभावित किया था, जिसमें डर्बीशायर के खिलाफ मैच में नौ विकेट सहित 17 विकेट लिए थे, और श्रीलंका के इंग्लैंड दौरे के टेस्ट मैचों में भी शामिल रहे, जिसमें तीसरे टेस्ट में किआ ओवल में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका भी शामिल है।

वह 4 अप्रैल से शुरू होने वाले ससेक्स के खिलाफ़ अपने सीज़न के पहले मैच में वारविकशायर के लिए पदार्पण कर सकते हैं, और एक अन्य पूर्व क्लब, डरहम के खिलाफ खेलने के लिए भी उपलब्ध होंगे, और 18 अप्रैल से नॉटिंघमशायर के खिलाफ़ वारविकशायर के घरेलू मैच में भी खेलेंगे।

फर्नांडो ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, मैं सीज़न के शुरुआती चरणों के लिए वारविकशायर में शामिल होने के लिए रोमांचित हूँ। पिछले दो वर्षों में काउंटी क्रिकेट खेलना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा है। काउंटी में कुछ बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं और मैं एलेक्स डेविस, एड बर्नार्ड और सभी लड़कों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूँ। जब मैं किसी भी टीम के लिए मैदान पर उतरता हूँ तो मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देता हूँ और वफादार बियर्स प्रशंसक हर दिन मेरा दिल और आत्मा से स्वागत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे यह अवसर देने के लिए मैं क्रिकेट श्रीलंका का आभारी हूँ और मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए मार्क रॉबिन्सन का आभारी हूँ।

फर्नांडो के हस्ताक्षर इस बात की पुष्टि के बाद हुए हैं कि पाकिस्तान के हसन अली लगातार तीसरे साल एजबेस्टन में वापसी करेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर, न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लैथम और पूर्व मिडिलसेक्स पेसर एथन बैम्बर भी सर्दियों में शामिल हुए हैं। वारविकशायर के प्रथम-टीम कोच मार्क रॉबिन्सन ने कहा, काउंटी चैंपियनशिप के पहले तीन राउंड के लिए विश्वा को सुरक्षित करके हम बहुत खुश हैं। वह एक सिद्ध अंतरराष्ट्रीय और बाएं हाथ के गेंदबाज हैं, जो हमारे आक्रमण को पूरक बनाने के लिए हमें शानदार विविधता प्रदान करेंगे। पिछले सीजन में उन्होंने यॉर्कशायर के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था, बहुत सारे विकेट लिए थे और हमें उम्मीद है कि वह इस अभियान को मजबूत शुरुआत देने में हमारी मदद कर सकते हैं।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे बनीं कप्तान

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 15 से 25 फरवरी तक कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन और जर्मनी के खिलाफ मुकाबला करेगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी।

टीम की कमान मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगी।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलन

टीम चयन पर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा प्रतिभा का अच्छा मिश्रण है, जो टूर्नामेंट में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने में मदद करेगा। महिला हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुछ युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हमें भरोसा है कि टीम दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम:

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारिबाम।

डिफेंडर: सुशीला चानू पुखरंबम, निक्की प्रधान, उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री।

मिडफील्डर: वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, मनीषा चौहान, सलीमा टेटे, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी, बलजीत कौर, शर्मिला देवी।

फॉरवर्ड: नवनीत कौर, मुमताज खान, प्रीति दुबे, रुताजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया।

स्टैंडबाय खिलाड़ी:

गोलकीपर: बनवारी सोलंकी

डिफेंडर: अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति सिंह

फॉरवर्ड: साक्षी राणा, अन्नू, सोनम

टीम में बदलाव की संभावना एफआईएच नियमों के अनुसार, अगर कोई टीम टूर्नामेंट के दौरान चार से अधिक मैच खेलती है, तो वह पहले चार मैचों के बाद अपनी टीम में बदलाव कर सकती है। हालांकि, यह बदलाव केवल पूर्व-अनुमोदित खिलाड़ियों की सूची से ही किए जा सकते हैं। भारतीय टीम के प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह संतुलित टीम एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन करेगी।

रेवंत रेड्डी ने जाति जनगणना के सफल समापन की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को राज्य की व्यापक जाति जनगणना के सफल समापन की समीक्षा की और इस व्यापक अभ्यास में शामिल अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य भर में किए गए घर-घर सर्वेक्षण ने देश भर का ध्यान आकर्षित किया है और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी सराहना की जा रही है।

उन्होंने व्यापक सर्वेक्षण करने में अधिकारियों की लगन और दक्षता के लिए उन्हें बधाई दी।

समीक्षा बैठक के दौरान, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सर्वेक्षण से संबंधित मसौदा रिपोर्ट तैयार है और अगले दो दिनों के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पूरी रिपोर्ट आगे के विचार-विमर्श के लिए 2 फरवरी तक कैबिनेट उप-समिति को प्रस्तुत की जाएगी।

शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी सम्पत्ति है : सीताक्का

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायत राज, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीताक्का ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा है कि यह जीवन की सबसे बड़ी सम्पत्ति तथा विकास की कुंजी है।सुश्री सीताक्का मुख्य अतिथि के रूप में यहां बुधवार को विद्याधन फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'विद्याधन स्कॉलरशिप कार्यक्रम' को संबोधित कर रही थीं। मंत्री ने जीवन को आकार देने में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार की ओर से पेश किए गए, शिक्षा के अधिकार अधिनियम ने 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी के लिए सीखने के अवसर सुनिश्चित हुए।सीताक्का ने जोर देकर कहा कि शिक्षा एक ऐसी

सम्पत्ति है जिसे कोई चुरा नहीं सकता और ज्ञान तभी बढ़ता है जब इसे बांटा जाता है।

उन्होंने वंचितों के लिए शिक्षा का समर्थन करने में विद्याधन फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और राज्य सरकार के उनके नेक काम के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, मंत्री ने साझा किया कि शिक्षा ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि 10वीं कक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने अपनी पढ़ाई फिर से शुरू करने से पहले लगभग एक दशक तक अनिश्चित जीवन जिया। दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने एलएलबी, एलएलएम, एमए और पीएचडी की डिग्री हासिल की।विधायक और मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के बावजूद, उन्होंने कभी भी शिक्षा प्राप्त करना बंद नहीं किया और घोषणा की कि वह इस शैक्षणिक वर्ष में भी एमए पाठ्यक्रम में दाखिला लेंगी।उन्होंने कहा, सभी दानों में से, शिक्षा सबसे महान है। लाखों लोगों तक ज्ञान का विस्तार करके, हम समाज के विकास में योगदान करते हैं। उन्होंने शिक्षा और विकास में लगातार अंतराल को भी स्वीकार किया और उन्हें पाटने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

सीताक्का ने शिक्षा के माध्यम से मानवीय मूल्यों और रिश्तों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, खासकर आज के बदलते समय में। उन्होंने विद्याधन फाउंडेशन के लिए तेलंगाना सरकार के अटूट समर्थन की पुष्टि की।

प्रयागराज में भगदड़ पर बंडी संजय कुमार ने जताया दुख

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने प्रयागराज कुंभ मेले में हुई भगदड़ पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे बेहद परेशान करने वाली घटना बताया है।

श्री कुमार ने बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में भगदड़ की घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उत्तर प्रदेश सरकार घायलों को तत्काल और उन्नत चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र और राज्य सरकारें पीड़ितों के परिवारों को हर संभव तरीके से सहायता देने के लिए तैयार हैं।

सरकार एहतियात बरत रही है, लेकिन मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ - एक ही दिन में करोड़ों की संख्या में - उम्मीद से कहीं अधिक है और दुर्घटना के पीछे एक प्रमुख कारण बन रही है। कुंभ मेला एक महीने से अधिक समय तक जारी रहने के कारण, उन्होंने श्रद्धालुओं से आवश्यक सावधानी बरतने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने का आग्रह किया। बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बंदी संजय कुमार ने श्रद्धालुओं और उनके परिवारों से अपील करते हुए उन्हें अफवाहों पर विश्वास न करने और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

सरकार ने प्रत्येक नागरिक की 'स्वास्थ्य प्रोफाइल' बनाने के लिए कदम उठाए हैं : श्रीधर बाबू

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मोबाइल ऐप और वेब इसमें मदद करेंगे

हैदराबाद, 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग राज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य में प्रत्येक नागरिक की 'स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल' बनाने के लिए कदम उठाए हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मोबाइल ऐप और वेब इसमें मदद करेंगे। मंत्री ने हैदराबाद स्थित मदुरे हॉस्पिटल सर्विसेज द्वारा विकसित एआई आधारित 'एमडीआर.माई डिजी रिकॉर्ड' मोबाइल ऐप को औपचारिक रूप से लॉन्च किया। बुधवार को हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में एमएलसी और टीपीसीसी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़, मेदुरे हॉस्पिटल सर्विसेज के चेयरमैन मोटूरी कृष्ण प्रसाद, संस्थापक सीईओ डॉ. सरोज गुप्ता, मुख्य विपणन अधिकारी डॉ. क्रिस हम्फ्रीज़ और अन्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि लोगों, विशेषकर मरीजों को उनके स्वास्थ्य के बारे में व्यापक जानकारी जानने में मदद करने के लिए एआई आधारित मोबाइल ऐप का निर्माण सराहनीय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एक अस्पताल में इलाज कराने वाला मरीज बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और उपचार के लिए दूसरे अस्पताल में मरीज की बीमारी के विवरण पर भरोसा नहीं करता है। नतीजतन, मरीज को फिर से सभी मेडिकल टेस्ट कराने के कारण मानसिक और आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति से बचने के लिए, सरकार का इरादा लोगों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जानकारी इस तरह से बनाने का है कि लोगों का स्वास्थ्य विवरण विश्वसनीय और सुलभ हो, चाहे वे किसी भी अस्पताल में जाएं। एआई आधारित मोबाइल ऐप के माध्यम से किसी व्यक्ति के रक्तचाप, मधुमेह आदि जैसे संपूर्ण स्वास्थ्य विवरणों की तुरंत जानकारी देने से मरीज को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाएगा और आर्थिक रूप से भी सहजता होगी। दूसरी ओर, मंत्री ने बताया कि भविष्य में किसी व्यक्ति को होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से पहचान करके उन्हें सतर्क किया जाएगा। एमएलसी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

वर्तमान में राज्य में बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए अच्छे शिक्षण संस्थान हैं और लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र के अग्रणी संस्थानों को राज्य में आमंत्रित किया जा रहा है। इसी के तहत पिछले दिनों दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन में कुल 1.78 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए और कई चिकित्सा क्षेत्र के संस्थानों ने सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, महेश ने बताया। मोटूरि कृष्ण प्रसाद ने कहा कि 'एमडीआर.माई डिजी रिकॉर्ड' ऐप किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर के अंगों की मात्र 45 सेकंड में जांच करके उस व्यक्ति के बारे में पूरी स्वास्थ्य जानकारी देने के लिए बनाया गया है।

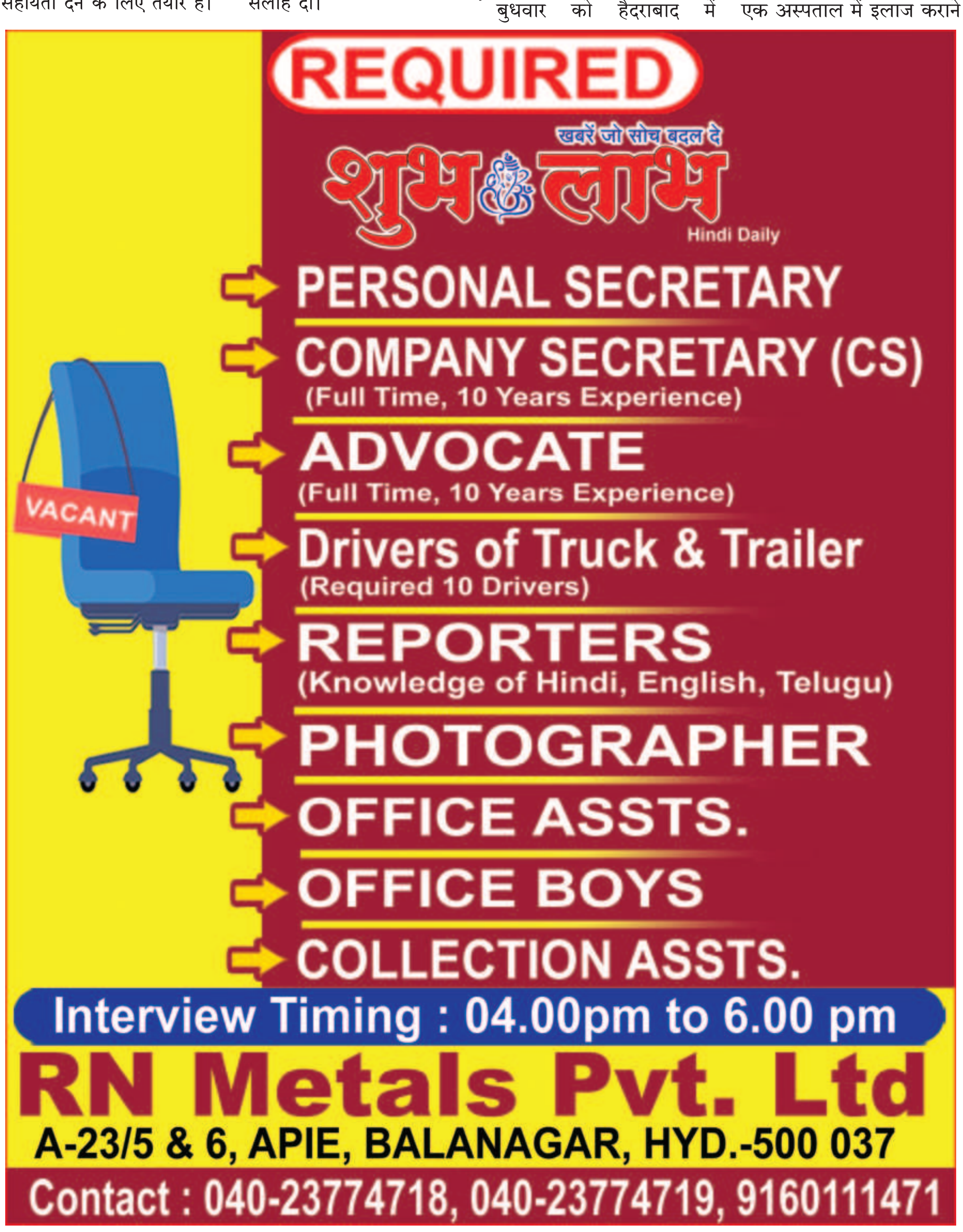

रिश्वत लेते एसआई और कांस्टेबल गिरफ्तार

हैदराबाद , 29 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तेलंगाना में एक उपनिरीक्षक और कांस्टेबल को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।एसीबी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक वुक्कुर्थी सुरेश और सूर्यपेट जिले में तिरुमलागिरी पुलिस थाने के कांस्टेबल नागराजू ने शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 03 लाख रुपये की रिश्वत मांगी और किस्तों में भुगतान स्वीकार किया। शिकायतकर्ता को थाने में दर्ज मामले में उनकी गिरफ्तारी को रोकने के लिए बीएनएसएस अधिनियम की धारा 35 के तहत नोटिस जारी करने के बदले में राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.